CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :32°C
न्यूनतम: 18°C

देहरादून, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 248 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | बैसाख कृष्ण पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2083 | 27 शव्वाल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

महिला आरक्षण में SC, ST और OBC महिलाओं के लिए कोटा सुनिश्चित हो: मायावती पेज 2

धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा खेल टाइम्स

सही समय: महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर सम्पादकीय

इजरायल-लेबनान ने तीन दशक बाद की सीधी बातचीत पेज 12

CBSE: 10वीं के नतीजों में बेटियां अव्वल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इस वर्ष देशभर के 22 रीजन में घोषित किए गए हाईस्कूल परिणामों में कुल 93.70 फीसदी छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं।

इस बार भी परिणामों में लड़कियों ने बाजी मारी है और बेहतर प्रदर्शन के साथ अपनी बढ़त कायम रखी है। इस साल त्रिवेंद्रम रीजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.79 फीसदी के साथ देश में पहला स्थान हासिल किया। नोएडा रीजन का प्रदर्शन इस बार गिरा है। यहां पास प्रतिशत 87.66 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 90.75 फीसदी के मुकाबले 3.09 फीसदी कम है। इसके साथ ही परीक्षा देने वाले 25 लाख से अधिक छात्रों का इंतजार खत्म हो गया। बुधवार शाम 4 बजे उमंग और डिजिलॉकर सहित सभी सरकारी पोर्टल सक्रिय हो गए और एक फ्लैश संदेश के जरिये परिणामों की घोषणा की गई। सीबीएसई की नई द्वि-बोर्ड प्रणाली के तहत, इस बार कक्षा 10वीं के नतीजे अप्रैल के बजाय मई की शुरुआत में आने की उम्मीद थी, लेकिन बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र को सुव्यवस्थित करते हुए परिणाम जारी कर दिए हैं। इस नई प्रणाली के तहत शैक्षणिक वर्ष को दो अलग-अलग परीक्षा सत्रों में विभाजित किया गया है। पहला सत्र, जो सभी छात्रों के लिए अनिवार्य था, 17 फरवरी से 11 मार्च, 2026 के बीच आयोजित किया गया था। यह परीक्षाएं देश भर के 8,075 परीक्षा केंद्रों पर 83 विषयों के लिए आयोजित की गईं। इस वर्ष कुल 25,08,319 छात्र पंजीकृत थे, जिनमें से 14,08,546 छात्र और 10,99,773 छात्राएं शामिल थीं। बोर्ड परीक्षाओं का दूसरा चरण 15 मई से शुरू होने वाला है। छात्र अब आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपनी मार्कशीट और प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

■ **93.70 प्रतिशत छात्र हुए पास, लड़कियों का पास प्रतिशत 94.99 व लड़कों का 92.69% रहा**

ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के करीब: ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक संभावित कूटनीतिक सफलता का भी दिया संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को घोषणा की कि ईरान के साथ संघर्ष 'समाप्त होने के करीब' है। उन्होंने एक संभावित कूटनीतिक सफलता का संकेत भी दिया है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि रुकी हुई बातचीत पाकिस्तान में कुछ ही दिनों में फिर से शुरू हो सकती है, जिससे युद्धविराम समाप्त होने से पहले किसी समझौते की उम्मीद जगी है।

अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर अपनी पकड़ काफी सख्त कर दी है। सेना ने पुष्टि की है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से घेराबंदी लागू करते हुए ईरानी समुद्री व्यापार को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख ब्रैड कूपर ने कहा कि इस अभियान ने 36 घंटों से भी कम समय में ईरान की व्यापारिक जीवन रेखा को पंगु बना दिया है। ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी पूरी तरह से लागू कर दी गई है। ईरान की लगभग 90 प्रतिशत अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार पर निर्भर है, जो अब प्रभावी रूप से ठप हो गई है। शक्ति प्रदर्शन के बावजूद मुख्य गतिरोध अभी भी बने हुए हैं। अमेरिका ईरान के यूरेनियम संवर्धन को तत्काल रोकने और प्रमुख परमाणु केंद्रों को नष्ट करने की मांग कर रहा है। साथ ही होर्मुज को फिर से खोलने की भी मांग कर रहा है। दोनों पक्षों द्वारा समझौते पर सहमति नहीं बन पाने के कारण 10 अप्रैल को हुई पहले दौर की बातचीत के बाद मुख्य मुद्दे अनसुलझे रह गए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की भावना को स्वीकार किया, लेकिन एक सतर्क आशावादी रुख भी अपनाया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने खोला होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को स्थायी रूप से खोल दिया है। उन्होंने लिखा कि चीन बहुत खुश है कि मैं होर्मुज स्ट्रेट को स्थायी रूप से खोल रहा हूं। मैं यह उनके लिए भी कर रहा हूं और दुनिया के लिए भी। ऐसी स्थिति फिर कभी नहीं होगी। वे ईरान को हथियार न भेजने पर सहमत हो गए हैं। जब मैं कुछ हफ्तों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वहां जाऊंगा तो मुझे जोरदार गले लगाएंगे। डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के खत्म होने के बाद वैश्विक तेल कीमतों में बहुत बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल तेल की कीमतें लगभग 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं, लेकिन हालात सामान्य होते ही इसमें तेज गिरावट आएगी।

संक्षिप्त समाचार

चीनी टैंकर होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनाल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश की थी।

राघव चड्ढा को केंद्र ने दी जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार खुफिया ब्यूरो (आईबी) की खतरे की आशंका को लेकर दी गई रिपोर्ट के आधार पर राघव चड्ढा को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पंजाब सरकार द्वारा राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आप नेता के संसद में पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में कथित विफलता के चलते उठाया गया है।

पश्चिम एशिया संकट का असर: अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में 7.9 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर अप्रैल महीने की हवाई यात्रा पर पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान देखने को मिला। जबकि वैश्विक व्यापार भी इससे प्रभावित हुआ है, जिससे कई देशों की आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। ओएजी के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल महीने में देश की कुल विमानन क्षमता जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। यह कमी करीब 0.2 प्रतिशत रही। इस गिरावट की बड़ी वजह अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की क्षमता में आई तेज कमी है, जो लगभग 7.9 प्रतिशत तक पहुंच गई।

सम्राट ने ली सीएम पद की शपथ

बिहार में मंत्रियों की सूची से पहले बंटे विभाग

पटना, वार्ता

भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री बनते ही विभागों के प्रारंभिक बंटवारे की अधिसूचना जारी कर दी है।

अधिसूचना के तहत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह, सामान्य प्रशासन, नगर विकास, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, पथ निर्माण समेत कुल 29 विभाग अपने पास रखे, जबकि दोनों उप मुख्यमंत्री को मिलाकर जनता दल यूनाइटेड को मात्र 18 विभाग दिए गए। गृह विभाग सहित मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भू तत्व, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, विधि, उद्योग, पथ निर्माण, कृषि, लघु जल संसाधन, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा रोजगार एवं कौशल विकास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन, आपदा प्रबंधन, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सूचना प्रावैधिकी, खेल, सहकारिता, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, गन्ना उद्योग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं पंचायती राज विभाग -**शेष पृष्ठ दो पर**

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह समेत 29 विभाग रखे

दोनों उप मुख्यमंत्री को मिलाकर जदयू को मात्र 18 विभाग दिए गए

पवन खेड़ा को सुप्रीम झटका

शीर्ष अदालत ने अग्रिम जमानत पर लगाई रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी है। यह मामला असम में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ कई पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरीऔर अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने इस मामले में खेड़ा को नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया, जिसमें तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि फिलहाल संबंधित आदेश (ट्रांजिट बेल) पर रोक लगाई जाती है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर खेड़ा असम की संबंधित अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश उस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेगा। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी और तब तक सभी पक्षों को अपना जवाब दाखिल करना होगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि तेलंगाना हाईकोर्ट को इस मामले में सुनवाई का अधिकार क्षेत्र नहीं था, क्योंकि कथित अपराध और एफआईआर दोनों असम में दर्ज हैं। उन्होंने इसे फोरम चुनने की कोशिश बताते हुए कानून का दुरुपयोग करार दिया। असम सरकार ने स्पेशल लीव पिटीशन दायर कर 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें खेड़ा को एक सप्ताह के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। हाईकोर्ट ने यह राहत इसलिए दी थी, ताकि खेड़ा संबंधित अदालत में नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें। तेलंगाना हाईकोर्ट की एकल पीठ, जस्टिस के सुजाना ने आदेश दिया था कि गिरफ्तारी की स्थिति में खेड़ा को एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए। खेड़ा ने यह राहत तब मांगी थी, जब असम पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

■ **असम के सीएम की पत्नी पर लगाए थे कई पासपोर्ट रखने के आरोप से जुड़ा मामला**

समुद्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी: जयशंकर

नई दिल्ली/ टोक्यो। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का डंका बजाया है।

जापान की ओर से आयोजित एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में जयशंकर ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर होने वाले हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। इस बैठक का मुख्य एजेंडा ऊर्जा बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं पर चर्चा करना था।

■ **एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में विदेश मंत्री ने चेताया**

अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं: सबरीमाला मैनेजमेंट

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि यह खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यह आजन्म ब्रह्मचारी माने जाने वाले देवता का मंदिर है। टीडीबी का पक्ष रखते हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 10 से 50 साल के उम्र की महिलाएं देवता के स्वरूप और पहचान के विपरीत हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

■ **कहा: यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं**

LPG लेकर गुजरात के बंदरगाह पहुंचा 'जग विक्रम'

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय ध्वज वाला जहाज जग विक्रम करीब 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी पर पहुंच गया है।

पोर्ट अथॉरिटी के अनुसार यह जहाज दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण कांडला में मंगलवार रात ऑयल जेटी-1 पर सुरक्षित रूप से लंगर डाल चुका है। अधिकारियों ने बताया कि यह टैंकर 11 अप्रैल को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर आगे बढ़ा था। यह हाल के दिनों में क्षेत्र में घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद इस मार्ग से गुजरने वाला पहला भारतीय जहाज है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह जहाज मार्च की शुरुआत के बाद फारस की खाड़ी से बाहर निकलने वाला नौवां भारतीय जहाज है। हालांकि अभी भी करीब 15 भारतीय ध्वज वाले जहाज क्षेत्र में मौजूद हैं और आगे के मार्ग के लिए इंतजार कर रहे हैं। रूस ने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह ईरान के समृद्ध यूरेनियम से जुड़े विवाद को सुलझाने में सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को बीजिंग में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मास्को इस समस्या के समाधान में विभिन्न तरीकों से योगदान दे सकता है। इसमें उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड यूरेनियम में बदलना या उसका एक हिस्सा रूस में सुरक्षित रखना जैसे विकल्प शामिल हो सकते हैं। लावरोव ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी कदम ईरान की सहमति से और उसके अधिकारों का सम्मान करते हुए ही उठाया जाएगा।

■ **हाल के दिनों में क्षेत्र में घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद होर्मुज मार्ग से गुजरने वाला पहला भारतीय जहाज**

विपक्ष करेगा महिला आरक्षण बिल का विरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है।

खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद कहा कि हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है। हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए। सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है। कार्यपालिका के जरिये संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है, जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिए, इन्होंने पहले भी असम और जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है। इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए और हम इसके समर्थन में हैं, लेकिन हम इस बिल के साथ जोड़ी गई परिसीमन की प्रक्रिया के पूरी तरह खिलाफ हैं। उनका कहना है कि आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की शर्तों में उलझाना सरकार की एक सोची-समझी चाल है, जिससे इस अधिकार को लंबे समय तक टाला जा सके, इसलिए विपक्ष महिलाओं को हक देने का तो पक्षधर है लेकिन सरकार के इस तरीके का पुरजोर विरोध करता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के यहां स्थित आवास पर विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया।

■ **खड़गे बोले: नीयत में खोट है, यह सिर्फ चुनावी पैंतरा**

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक अपशिष्ट गोदाम में आग लगने से तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बुध विहार इलाके में प्लास्टिक अपशिष्ट गोदाम में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित एक ऐसे परिवार के सदस्य थे जो बुध विहार के मांगे राम पार्क इलाके में स्थित गोदाम में बनी एक अस्थाई झोपड़ी में रहते थे। यह घटना मध्यरात्रि के दौरान घटी जब साइट पर रखे अपशिष्ट में आग लग गई और वह तेजी से झुग्गी में पफैल गई। दमकल कर्मियों की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद बुधवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया। शव बुरी तरह जले हुए थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

अनंत स्वरूप बने फिक्की के नए महासचिव

नई दिल्ली। उद्योग मंडल पिफक्की ने भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के पूर्व अधिकारी अनंत स्वरूप को अपना नया महासचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति बुधवार 15 अप्रैल से प्रभावी हो गई है। पिफक्की ने मीडिया को दी जानकारी में कहा है कि 1992 बैच के आईआरपीएस अधिकारी स्वरूप की नियुक्ति देश के उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व को और सशक्त बनाती है। उनके पास लोक नीति, लॉजिस्टिक्स, विनियामक सुधार और अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं का तीन दशक से भी अधिक का अनुभव है।

महिला आरक्षण विधेयक शीघ्र लागू किया जाए:मायावती

महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं के लिए कोटा सुनिश्चित किया जाए

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में 33 प्रतिशत आरक्षण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा प्रावधान नहीं किया गया, तो इस कदम का वास्तविक उद्देश्य कापफी हद तक निष्प्रभावी हो जाएगा।

सुश्री माायावती ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के पफैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित इस 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने की पहल 'उचित और स्वागतयोग्य' है, भले ही इसमें देरी हुई हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार हाशिए

पर रही एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का प्रावधान किया जाना ऐतिहासिक और न्यायसंगत कदम होगा। उन्होंने कहा कि केवल सामान्य महिला आरक्षण से इन वर्गों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब संसद में महिला आरक्षण लागू करने को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधनों पर 16 अप्रैल को चर्चा प्रस्तावित है, साथ ही परिसीमन से जुड़े बिल पर भी विचार किया जाएगा। सरकार 2029 के आम चुनाव से लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए संवैधानिक संशोधन लाने की तैयारी में है। प्रस्तावित योजना के तहत लोकसभा की कुल सीटें 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती हैं, जिनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत करते हुए इसे जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को दलगत भावना से ऊपर उठकर इस महत्वपूर्ण विधेयक को लागू कराने के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने अपने बयान में कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के लागू होने से महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों के अनुरूप भागीदारी देना समय की मांग है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से अपील की कि इस विधेयक को लागू करने में किसी प्रकार की देरी न की जाए, ताकि महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके।

नोएडा में श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के उग्र विरोध-प्रदर्शनों के बाद केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। श्रम मंत्रालय के तहत मुख्य श्रम आयुक्त ने हालात की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

अधिकारियों के अनुसार अचानक भड़की हड़तालों और हिसक घटनाओं ने प्रशासन को भी चौंका दिया है। दरअसल विरोध की शुरुआत सात अप्रैल को हरियाणा के मानेसर औद्योगिक क्षेत्र से हुई, जहां ऑटोमोबाइल सेक्टर के श्रमिकों ने वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य-शिफ्ट की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-62 में भी श्रमिकों का गुस्सा पफूट पड़ा, जहां बड़ी संख्या में मध्यम उद्योग स्थित हैं और स्थिति हिंसक हो गई। केंद्र

■ **अचानक भड़की हड़तालों और हिंसक घटनाओं ने प्रशासन को भी चौंका दिया**

सरकार इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार सरकार इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं श्रम संहिताओं को लेकर गलत जानकारी पफैलाकर श्रमिकों को भड़काया तो नहीं जा रहा। हालांकि इस पर श्रम मंत्रालय की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। श्रमिकों का आरोप है कि महंगाई तेजी से बढ़ी है, खासकर पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते, लेकिन उनके वेतन में उसके अनुरूप बढ़ोतरी नहीं हुई। नई श्रम संहिताओं के बाद वेतन संरचना में बदलाव से भी उनकी आय पर असर पड़ा है, जो बढ़ते खर्चों के सामने अपर्याप्त साबित हो रही है। भारतीय ट्रेड यूनियन के एक पदाधिकारी ने कहा कि वेतन और शिफ्ट जैसे मुद्दे प्रमुख हैं और इस समय सरकार के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कई श्रमिक नेताओं को नजरबंद कर रखा है। नोएडा में यूनियन के जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा को भी नजरबंद किए जाने की बात सामने आई थी। प्रशासन ने श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों और पफैक्ट्री प्रबंधन के साथ वार्ता शुरू कर दी है। उद्योगपतियों का कहना है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने से उत्पादन पर असर पड़ा है, जिससे वेतन बढ़ाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। विवाद की जड़ न्यूनतम वेतन में नियमित संशोधन को लेकर बताई जा रही है, जो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़ा होता है और आमतौर पर साल में दो बार अप्रैल और अक्टूबर में संशोधित किया जाता है।

शाहतूश कारोबारी वन्यजीव अपराध में दोषी करार

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने लुप्तप्राय तिब्बती मृग चिरू के बालों से बने शाहतूश शॉल के अवैध निर्यात के आरोप में जयपुर स्थित मेसर्स इंडियन आर्ट गैलरी के मालिक सैयद शाहिद अहमद काशानी को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत दोषी करार दिया है।

दिल्ली के राउज एवेन्यू जिला न्यायालय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने हाल ही में काशानी के खिलापफ दिसम्बर 2008 में दर्ज मामले में यह पफैसला सुनाया है। उसे लुप्तप्राय तिब्बती मृग (पैंथोलोप्स हॉजसोनी) के बालों से बने शाहतूश शॉल के कारोबार के गंभीर आरोप में दोषी ठहराया गया है। स्थानीय रूप से चिरू के नाम से प्रसिद्ध यह तिब्बती मृग वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची में सूचीबद्ध है और कानूनी रूप से इसका व्यापार प्रतिबंधित है। पिछले 51 साल से शाहतूश शॉल के व्यापार पर वैश्विक स्तर पर प्रतिबंध है। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार इस मामले की अनूठी विशेषता वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), सीमा शुल्क और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्लूआईआई) के बीच लगभग 17 वर्षों तक चले निरंतर समन्वय का परिणाम बताया जा रहा है। डब्ल्यूसीसीबी को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्यात खेप में 1,290 शाहतूश शॉल होने का पता चला और पफरवरी 2009 में सीबीआई में शिकायत दर्ज की गई। यह पहली बार था, जब वन्यजीव अपराध के मामले में सीबीआई के माध्यम से मुकदमा चलाया गया।

प्रधानमंत्री ने परिसीमन मुद्दे पर राष्ट्र के साथ जानबूझकर छल किया

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर मोदी पर बोला हमला

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और सरकार पर जानबूझकर धोखा देने और संसदीय प्रतिनिधित्व पर पहले दिए गए आश्वासनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर लिखे एक तीखे पोस्ट में, रमेश ने आरोप लगाया कि परिसीमन पर प्रधानमंत्री के दावों का आगामी संसद के विशेष सत्र के लिए प्रसारित विधेयकों में खंडन किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक तथाकथित नेता हैं, जिनकी एकमात्र विशिष्ट विशेषता उनकी बेजोड़ भ्रामक नेतृत्व क्षमता है। उन्होंने परिसीमन मुद्दे पर राष्ट्र के साथ जानबूझकर छल किया है।

■ **संसदीय प्रतिनिधित्व पर पहले दिए गए आश्वासनों को कमजोर करने का आरोप लगाया**

प्रस्तावित परिवर्तनों के संभावित प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कई क्षेत्रों के लोकसभा में सापेक्ष प्रतिनिधित्व में कमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के सदस्यों की लोकसभा में संख्या कम हो जाएगी और इसी तरह की स्थिति उत्तर-पश्चिम भारत के छोटे राज्यों और पूर्वी राज्यों की भी है। उन्होंने सरकार की विपफलता पर सवाल उठाया, जो सभी राज्यों में सीटों में एक समान एवं आनुपातिक वृद्धि करने की अपनी पिछली प्रतिबद्धता का सम्मान करने में विपफल रही। रमेश ने कहा कि सभी राज्यों के लिए लोकसभा में समानुपातिक संख्या में वृद्धि का जो वादा प्रधानमंत्री और उनके कुछ सहयोगियों ने किया था, उसका क्या हुआ? ऐसा नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री के आश्वासनों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार पर संवैधानिक सिद्धांतों के बजाय राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। रमेश ने कहा कि वह सत्ता हथियाने की अपनी अशिष्ट प्रवृत्ति से ऊपर उठकर एक राजनेता बनने में असमर्थ हैं यहां तक कि परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी।

महिला आरक्षण चर्चा का नहीं, तत्काल क्रियान्वयन का मामला है: डा. अनिल

नई दिल्ली। कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन डा. अनिल जय हिद ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण चर्चा का नहीं, बल्कि उसके तत्काल क्रियान्वयन का मामला है। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है, जिसमें संविधान संशोधन लाने की तैयारी है। जय हिंद के अनुसार पहले सरकार ने 2027 में जातिगत जनगणना, उसके बाद परिसीमन और पिफर महिला आरक्षण लागू करने का रोडमैप बनाया था, लेकिन अब 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने की बात कही जा रही है, जो मौजूदा जनसंख्या बदलावों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जातिगत जनगणना से बचना चाहती है। इस संदर्भ में 2021 में संसद दिए गए आश्वासन और उच्चतम न्यायालय में दिए गए हलपफनामों का हवाला दिया गया।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 78111.24
निफ्टी 24231.30
सोना 15299 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 239934 प्रति किलो

शेयर बाजारों में लौटी तेजी सेंसेक्स 1264 अंक चढ़ा

मुंबई, वार्ता

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पिफर शुरू होने की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौट आई और बीएसई का सेंसेक्स 1,263.67 अंक (1.64 प्रतिशत) चढ़कर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त में 24,231.30 अंक पर पहुंच गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ पाकिस्तान में शांति वार्ता दो दिन में पिफर शुरू हो सकती है। इससे निवेशकों में उत्साह देखा गया। उत्साहित निवेशकों की

लिवाली से सभी सूचकांकों और सभी सेक्टरों में तेजी रही। मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.29 प्रतिशत और छोटी कंपनियों का निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.35 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, आईटी, रियलटी, तेल एवं गैस, रसायन और मीडिया समूहों के सूचकांक दो से तीन प्रतिशत के बीच चढ़े। ऑटो, वित्त, एपफएमसीजी, धातु, पफार्मा, बैंकिंग और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक मजबूत हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर साढ़े चार प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहा। इटरनल और पावरग्रिड में भी चार प्रतिशत से अधिक तेजी रही। अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एलएंडटी और एशियन पेंट्स के शेयर तीन से चार प्रतिशत तक ऊपर रहे। ट्रेंट, सनपफार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंपफोसिस और बजाज पिफनसर्व के शेयर दो से तीन प्रतिशत मजबूत बंद हुए। टाइटन, एचीडीएपफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज पफाइनेंस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनीलि. वर, बीईएल, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर एक से दो प्रतिशत ऊपर रहे। भारतीय स्टेट बैंक भी हरे निशान में बंद हुआ, जबकि भारती एयरटेल में गिरावट रही।

चावल, गेहूं के भाव बढ़े, चीनी नरम दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। गेहूं में भी तेजी देखी गई, जबकि चीनी का भाव टूट गया। वहीं दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 33 रुपये बढ़कर 3,811 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,778 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 21 रुपये घट गई। दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। चना दाल औसतन 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ, जबकि अन्य दालों में नरमी रही। उड़द दाल 67 रुपये और मसूर दाल 41 रुपये सस्ती

हुई। मूंग दाल की कीमत 40 रुपये और तुअर दाल की छह रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा आठ रिंगिट चढ़कर 4,474 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.69 प्रतिशत की बढ़त में 66.90 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में ज्यादातर खाद्य तेलों में नरमी देखी गई। पाम ऑयल औसतन 204 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मूंगफली तेल 128 रुपये और सूरजमुखी तेल 93 रुपये सस्ता हुआ। वनस्पति की 82 रुपये और सरसों तेल की 34 रुपये फिसल गया। सोया तेल की कीमत 40 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 76 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी 26 भी 35 रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7659.32 रुपये, मसूर काली 8040.86 रुपये, मूंग दाल 10137.03 रुपये, उड़द दाल 10764.82 रुपये, तुअर दाल 11227.98 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2778.13 रुपये और चावल 3811.05 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3262.84 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

योगी ने टाटा मोटर्स लखनऊ संयंत्रा से बनी 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टाटा मोटर्स के लखनऊ संयंत्र में बनी 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाई और इसे प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य को ग्लोबल मैन्युपफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि किसी भी संस्था या समूह की मजबूती के लिए बाहरी तत्वों के हस्तक्षेप से बचना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिगाड़ने वाले बहुत मिलते हैं, लेकिन बनाने वाले बहुत कम होते हैं, इसलिए हर कार्मिक का दायित्व है कि वह संगठन को परिवार की तरह समझे और उसकी एकता व विश्वास को बनाए रखे। मुख्यमंत्री ने कार्यसंस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता टीमवर्क, ईमानदारी और कृतज्ञता पर आधारित होती है। हर कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए, क्योंकि यही भाव दीर्घकालिक प्रगति सुनिश्चित करता है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

सम्राट ने... मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फिलहाल अपने पास रखे हैं। जनता दल यूनाइटेड के खाते में फिलहाल 18 विभाग ही आए हैं, जिसमें उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, संसदीय कार्य, सूचना एवं जन-संपर्क, भवन निर्माण, अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, ग्रामीण विकास, परिवहन और उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दूसरे उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव को ग्रामीण विकास, परिवहन, उच्च शिक्षा, ऊर्जा, योजना एवं विकास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन, वित्त, वाणिज्य-कर, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण और ग्रामीण कार्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय सहयोग करें: योगी

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि नारी शक्ति वंदन भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संतुलित और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और युगांतकारी पहल है।

योगी ने अपने पत्र में कहा कि आजादी के अमृतकाल में 'नया भारत' समावेशी और न्यायपूर्ण राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें हर वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति इस संकल्प का एक महत्वपूर्ण आधार है और महिला आरक्षण कानून इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। योगी ने कहा कि दशकों से संसद और

विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर व्यापक विमर्श होता रहा है, लेकिन वर्ष 2023 में इस कानून का लागू होना भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और सामाजिक न्याय के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 16 अप्रैल से संसद के दोनों सदनों में इस कानून पर चर्चा प्रस्तावित है, जो 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके प्रभावी क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। इससे न केवल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को संस्थागत मजबूती मिलेगी, बल्कि शासन- व्यवस्था में नया दृष्टिकोण, अधिक संवेदनशीलता और व्यापक प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण का मुद्दा किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आधी आबादी के अधिकारों और भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने इसे सभी राजनीतिक दलों के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी बताते हुए कहा कि इससे यह तय होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसा लोकतंत्र सौंपना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने महिला आरक्षण कानून को लेकर सभी राजनीतिक दलों से सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की अपील की है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संसद में व्यापक और सार्थक चर्चा आवश्यक है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि उनकी पार्टी इस महत्वपूर्ण विषय पर गहन विचार- विमर्श करते हुए संसद के दोनों सदनों में प्रस्तावित संशोधनों के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभाए।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हमले के मामले में विधायक अभय सिंह समेत सभी छह आरोपी बरी

वाराणसी, वार्ता

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विशेष न्यायालय (एमपी/एमएलए) के न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने बुधवार को लगभग 24 वर्ष पुराने मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुए जानलेवा हमले के सभी छह आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

धनंजय सिंह ने आरोप लगाया था कि चार अक्टूबर 2002 को वाराणसी से जौनपुर लौटते समय उन पर नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हाल के पास अत्याधुनिक हथियारों से प्राणघातक हमला किया गया था। हमले में धनंजय सिंह, उनके चालक, गनर समेत अन्य लोग घायल हो गए थे। हमलावर मौके से पफरार हो गए थे। इस मामले में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, संदीप सिंह, संजय सिंह, विनीत सिंह (एमएलसी), विनोद सिंह और सतेन्द्र सिंह को आरोपी बनाया गया था। विधायक अभय सिंह ने पफैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज सच्चाई की जीत हुई है। हम सभी को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। 24 वर्षों से हम सभी को पफर्जी मामले में पफंसाया गया था। आज इंसापफ का दिन है। एमएलसी विनीत सिंह ने कहा कि न्यायालय पर हम सभी को पूर्ण विश्वास था कि एक दिन सत्य सामने आ जाएगा। मेरे खिलापफ कोई साक्ष्य नहीं था। गलत तरीके से मेरा नाम शामिल किया गया था। यह न्याय और सत्य की जीत है। झूठ बेनकाब हो गया है। पफैसले को लेकर न्यायालय और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। करीब ढाई दशक तक चले इस हाईप्रोपफाइल मामले के पफैसले के बाद पूर्वांचल की राजनीति में हलचल मच गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिला सशक्तिकरण की दिशा में युगांतकारी कदम : सीएम धामी

कहा, महिलाओं की शक्ति, साहस व समर्पण ही हमारे समाज और देश की प्रगति का आधार

■ मुख्यमंत्री ने किया नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद द्वारा 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, देश की मातृशक्ति के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक युगांतकारी कदम है। इस अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शक्ति, साहस और समर्पण ही हमारे समाज और देश की प्रगति का आधार है।

बुधवार को उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शी सोच के साथ नारी शक्ति को लोकतंत्र के सर्वोच्च मंचों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है शिव भी तभी समर्थ हैं जब वे शक्ति से युक्त हों, शक्ति के बिना कोई भी सृजन या सामर्थ्य संभव नहीं हो सकता है, इसलिए नारीशक्ति के सामर्थ्य के बिना राष्ट्र और समाज की वास्तविक उन्नति की कल्पना असंभव है। उन्होंने कहा कि आज की महिला, किसान भी है, तो स्टार्टअप खड़ा करने वाली एंटरप्रेन्योर भी है। वो गाँव की पंचायत में विकास की योजनाएँ बनाने वाली जनप्रतिनिधि भी है, तो देश की संसद में नीति निर्धारण करने की क्षमता रखने वाली सशक्त नेतृत्वकर्ता भी है। उन्होंने कहा कि आज तक हमारे देश की आधी आबादी को वो सम्मान नहीं मिल पाया है, जिसकी वो वास्तव में हकदार है। परन्तु अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को सम्मान और अधिकार दिलाने की दिशा में एक नए युग का शुभारंभ हो चुका है। कार्यक्रम में सीएम धामी ने 11 महिलाओं को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, पद्मश्री माधुरी बर्थवाल, भाजपा नेत्री दीप्ति रावत, रूचि भट्ट सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित है प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य में शिक्षा, रोजगार उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही, 'सशक्त बहना उत्सव योजना' और 'मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना' के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर और शक्ति प्रदान करने का काम भी किया है। राज्य सरकार "मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना" के अंतर्गत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ब्रांड के रूप में विकसित करने पर भी ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि "वोकल फॉर लोकल" और "लोकल टू ग्लोबल" की पहल के अंतर्गत, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से "हाउस ऑफ हिमालयाज" नाम से अम्ब्रेला ब्रांड की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की 2 लाख 65 हजार से अधिक लखपति दीदियों की सालाना आय एक लाख से अधिक हो चुकी। प्रदेश सरकार ने जहां एक और महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया वहीं, महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए "समान नागरिक संहिता" लागू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विशेष सत्र प्रस्तावित है। कई दशकों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार होने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित भी किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी प्रयास : सावित्री

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं बल्कि भारत के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी प्रयास है। महिलाओं को संसद एवं विधानसभाओं में आरक्षण की व्यवस्था से महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ेगी और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार मिलेगा। अब महिलाएं भी हर बड़े फसलों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था से महिलाओं का सम्मान, अधिकार और विश्वास में बढ़ोतरी होगी। प्रधानमंत्री जी ने हमेशा महिला नेतृत्व को प्राथमिकता दी है और उनका सशक्तिकरण किया है। उन्होंने कहा महिलाओं की यात्रा केवल अधिकारों की नहीं अपितु आत्म सम्मान, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी तय करने की भी है।

महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्र बनाता है नारी शक्ति वंदन अधिनियम : रेखा आर्य

महिला सशक्तिकरण बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि इस कानून की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व नहीं देता, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्र बनाता है। अब महिलाएं स्वयं नीतियां बनाएंगी, अपने अनुभवों के आधार पर समाज को दिशा देंगी। यही वास्तविक सशक्तिकरण है। उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ियों की महिलाओं को अपने अधिकारों की आवाज उठाने के लिए अक्सर पुरुषों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्हें अवसर सीमित मिले, मंच सीमित मिले, और निर्णय लेने के अधिकार भी सीमित रहे। लेकिन आज की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

राज्यपाल के सामने 'विधि सहयोगी' एप का प्रस्तुतीकरण

■ आमजन को मिलेगी सरल कानूनी सहायता

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के समक्ष बुधवार को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने 'विधि सहयोगी' मोबाइल एप का प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने बताया गया कि 'विधि सहयोगी' एक एआई सक्षम मोबा. इल एप है, जो आम लोगों को सरल भाषा में कानूनी जानकारी उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और विधिक सहायता तक पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। एप के माध्यम से उपयोगकर्ता कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, अध्ययन सामग्री हासिल कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर अधिवक्ताओं से संपर्क भी कर सकेंगे। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि भविष्य में इसमें ऑनलाइन परामर्श, केस ट्रैकिंग, दस्तावेज प्रबंधन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। कुल. पति ने बताया कि इसपर कार्य प्रगति पर है और शीघ्र ही इसकी लॉन्चिंग की जाएगी। राज्यपाल ने एप को तैयार करने वाली टीम एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नवाचार समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल एवं अपर सचिव रीना जोशी उपस्थित रहे।

शानदार पहलः राज्य के हर स्कूल में बजेगी वॉटर बेल

■ प्रत्येक छात्र-छात्रा को गर्मियों के मौसम में नियमित अंतराल पर मिलेगा पीने के लिए पानी, डिहाइड्रेशन से बचाव होगा सुनिश्चित ■ ग्रीष्म ऋतु की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी विद्यालयों में नियमित अंतराल पर वॉटर बेल बजाने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रत्येक छात्र-छात्राएं गर्मियों के मौसम में नियमित अंतराल पर पानी पी सकें और डिहाइड्रेशन से बचाव सुनिश्चित हो। मुख्य सचिव ने बुधवार को ग्रीष्मकाल में हीटवेव की तैयारियों को लेकर शासन के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने विद्यालय के समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने, कक्षाओं में पर्याप्त वेंटिलेशन, ओआरएस एवं आवश्यक दवाओं का भंडारण किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव सम्बन्धी व्यवहारिक जानकारी देना सुनिश्चित किया जाए। राज्य में बढ़ते तापमान एवं संभावित हीट वेव की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जाए। साथ ही उन्होंने जिलाधिकारियों को गर्मियों के मौसम में जिन भी क्षेत्रों में पानी की किल्लत हो, वहां सभी निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बसों, स्टेशन, बाजार में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हीट वेव की चुनौती से निपटने के लिए राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक सभी विभाग समन्वित एवं सक्रिय रूप से कार्य करें। प्रत्येक जनपद में हीट वेव एक्शन प्लान तैयार करते हुए संवेदनशील (हॉटस्पॉट) क्षेत्रों की पहचान की जाए तथा वहां विशेष निगरानी एवं राहत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही 24x7 कंट्रोल रूम संचालित कर किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए।

मुख्य सचिव ने पेयजल की उपलब्धता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, बस स्टैंड, पंचायत भवनों आदि पर स्वच्छ पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में जल संकट की संभावना है, वहां अग्रिम कार्ययोजना बनाकर टैंकरों की व्यवस्था, नलकूपों एवं पंपिंग सिस्टम की नियमित निगरानी तथा वैकल्पिक जल आपूर्ति व्यवस्था तैयार रखी जाए। उच्च मांग की स्थिति में आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सीसीएफ सुशांत कुमार पटनायक, डॉ. पराग मधुकर धकाते, सी. रविशंकर, विनोद कुमार सुमन एवं रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपदों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज हर्षिल दौरे पर

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। जनपद के सीमांत क्षेत्र हर्षिल में भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान दो दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को वह दोपहर 12:10 बजे भारतीय वायुसेना के विमान से हर्षिल सेना हेलीपैड पर उतरेंगे।

दौरे के दौरान सीडीएस 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के अंतर्गत स्थानीय किसानों के लिए एक सामुदायिक भवन का शिलान्यास करेंगे और ग्रामीणों से सीधा संवाद भी करेंगे। इसके बाद वह हर्षिल स्थित ऐतिहासिक विल्सन हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

सीडीएस का यह दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हर्षिल के आगे निलांग और जादुंग जैसे क्षेत्र भारत-चीन सीमा की अग्रिम चौकियों के रूप में संवेदनशील माने जाते हैं। इस दौरे से जहां सीमांत सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होगी, वहीं क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में 50 स्विफ्ट स्कूलों का होगा शुभारंभः डॉ. रावत

■ शिक्षा विभाग व कॉन्व जीनियस फाउण्डेशन के बीच हुआ एमओयू साइन ■ सीएसआर फंड से छात्र-छात्राओं को वितरित किये जायेंगे 1000 लैपटॉप

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर में 50 'स्विफ्ट स्कूल' स्थापित किये जायेंगे। इसके लिये शिक्षा विभाग एवं कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू साइन हुआ है। जिसके तहत इन विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये आधुनिक तकनीक युक्त डिजिटल अवसंरचना विकसित की जायेगी। साथ ही कॉन्वजीनियस फाण्डेशन एमेजन वेब सर्विस के सहयोग से छात्र-छात्राओं को 1000 लैपटॉप भी वितरित करेगा। स्विफ्ट स्कूलों की स्थापना के लिये विभाग द्वारा स्कूलों का चयन कर लिया गया है, साथ ही विभागीय

अधिकारियों को स्वीफ्ट स्कूलों के शीघ्र संचालन को निर्देश दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को तकनीकी आधारित बनाने के लिये निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में समग्र शिक्षा एवं कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन साइन हुआ है। जिसके तहत प्रदेशभर में 50 'स्विफ्टस्कूल' की स्थापना की जायेगी। डॉ. रावत ने बताया कि 'स्विफ्ट स्कूल' एक एकीकृत विद्यालय परिवर्तन मॉडल है। जिसमें व्यक्तिगत शिक्षण, कक्षाओं में आधुनिक तकनीक का उपयोग, शिक्षकों को डेटा आधारित सहायता के साथ ही डिजिटल अवसंरचना का समावेश होगा। जिससे छात्र-छात्राओं को उनके सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षा देने में मदद मिलेगी साथ ही शिक्षकों को डेटा आधारित जानकारी मिलेगी जिससे वह कक्षा में अधिक प्रभावी अध्यापन कर सकेंगे। स्विफ्ट स्कूलों में तकनीकी के माध्यम से बच्चों के सीखने की कमियों की समय पर पहचाना कर उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सहायता भी उपलब्ध कराई जायेगी। बताया कि कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन प्रदेश में सीएसआर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में भी मदद कर रहा है।

सीधी भर्ती के रिक्त पदों के लिए अधियाचन भेजे जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

■ अपर सचिव, कार्मिक व सर्तकता ने जारी किए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। अपर सचिव, कार्मिक एवं सर्तकता गिरधारी सिंह रावत ने उपनल के माध्यम से कार्ययोजित किये जाने वाले कर्मियों के सापेक्ष सीधी भर्ती के रिक्त पदों के लिए अधियाचन भेजे जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

उन्होंने सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, मण्डलायुक्तों, विभागाध्यक्षों व जिलाकारियों को सम्बोधित पत्र में स्पष्ट किया है कि विभागों के अन्तर्गत सीधी भर्ती के ऐसे पद, जिनके सापेक्ष सैनिक कल्याण अनुभाग के शासनादेश 03 फरवरी, 2026 में जारी दिशा-निर्देशों एवं प्रावधानों के आलोक में उपनल कर्मियों को रखा जायेगा, उन पदों के सापेक्ष सीधी भर्ती के रिक्त पदों के समस्त अधियाचन/प्रस्ताव चयन संस्था/आयोग को भेजने से पूर्व संबंधित विभाग द्वारा कार्मिक एवं सतर्कता विभाग, न्याय विभाग तथा वित्त विभाग से पूर्वानुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाय। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की है कि उक्त व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा बिना आवश्यक पूर्वानुमति के किसी भी प्रकार का भर्ती प्रस्ताव अग्रसारित न किया जाए।

खेल प्रतिस्पर्धा का माध्यम व व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधारः धामी

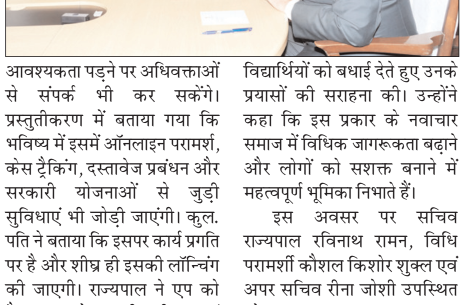

■ मुख्यमंत्री ने किया 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चौंपियनशिप का शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को परेड ग्राउंड, देहरादून स्थित बहुद्देशीय क्रीड़ा हॉल में 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चौंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि राज्य को पहली बार इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने इसके लिए भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का भी आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधार है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे जीवन-मूल्य विकसित होते हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे न केवल अपने-अपने राज्यों का बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और संकल्प ही भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेबल टेनिस ऐसा खेल है जिसमें गति, संतुलन, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का समन्वय आवश्यक होता है। यह खेल खिलाड़ियों को त्वरित निर्णय क्षमता, रणनीतिक सोच और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, अध्यक्ष राज्य स्तरीय खेल परिषद कुलदीप बुटोला, उपाध्यक्ष राज्य स्तरीय खेल परिषद हेमराज बिष्ट, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा और उत्तराखंड टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन गुरुंग मौजूद थे।

कहा, राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के माध्यम से उत्तराखंड को देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि के रूप में स्थापित किया गया है, जिसमें राज्य के खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में हार और जीत महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि खिलाड़ियों का जज्बा, अनुशासन और आत्मविश्वास ही उन्हें सच्चा विजेता बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली है। 'खेलो इंडिया' एवं 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों के माध्यम से भारत ने खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और आज देश वैश्विक मंचों पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेलों एवं कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन देश के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता प्रधानमंत्री के खिलाड़ियों के प्रति विश्वास, प्रोत्साहन और बेहतर संसाधनों की उपलब्धता का परिणाम है।

नारियों को अपना अधिकार लेने से अब कोई रोक नहीं पाएगाः भट्ट

■ पीएम के नेतृत्व में आधी आबादी को पूरा अधिकार देगी संसद : भाजपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने गुरुवार से होने वाले संसद के विशेष सत्र को आधी आबादी को उसके पूरे अधिकार देने की दिशा में इतिहास सृजन करने वाला बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में मातृ शक्ति को संवैधानिक अधिकार देने का यही समय है, सही समय है। उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष को भी सुझाव दिया कि राजनैतिक विरोध छोड़ें और महिला आरक्षण संशोधन बिल का समर्थन करें। क्योंकि देश की नारियों को अपना अधिकार लेने से अब कोई रोक नहीं पाएगा।

उन्होंने मीडिया के माध्यम दी गई अपनी प्रतिक्रिया कहा, मातृ शक्ति को समुचित संवैधानिक अधिकार देने में देश पहले से ही बहुत पीछे है। ऐसे में 2023 में पास इस नारी शक्ति वंदन कानून को तय समय से पहले ही 2029 लागू करने की कोशिशों पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। वो भी तब जब विपक्ष इसे 2024 के चुनावों से ही लागू करने की मांग करता रहा हो। लिहाजा देश अच्छी तरह तरह देख समझ रहा है कि जल्दी लागू करने के प्रयासों का विरोध क्यों हो रहा है।

उन्होंने सोनिया गांधी और कांग्रेस की महिला आरक्षण में एससी एसटी तरह, कानून में ओबीसी को शामिल करने की बहस छेड़ना पूरी तरह से महिला अधिकारों की रेल को डिरेल करने की तैयारी बताया। क्योंकि सभी जानते हैं कि संवैधानिक जनप्रति. निधित्व में ओबीसी आरक्षण देना संविधान प्रावधानों में नहीं है। जिसको लेकर विस्तृत्व चर्चा मूल कानून के पास होने के दौरान हुई थी, तब सभी ने वर्तमान कानून को पास किया था। ऐसे अब दोबारा से इस चर्चा को करना, कहीं न कहीं कानून संशोधन को बाधित करना है। वहीं परिसीमन को लेकर आने वाले संशोधन को भी उन्होंने महिला सशक्तिकरण की इस कोशिश में बेहद अहम बताया।

टीएचडीसी की 'मनमानी' के खिलाफ जन आक्रोश

जनप्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा, जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

पीपलकोटी। नगर पंचायत पीपलकोटी में टी.एच.डी.सी. और उसकी कार्यदायी संस्था एच.सी.सी. की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्रीय जनता और जनप्रतिनिधियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। पदभार ग्रहण करने के बाद से ही नगर पंचायत अध्यक्ष को जनहित से जुड़ी गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि बार-बार पत्राचार के बावजूद संस्थाओं द्वारा कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भारी असंतोष व्याप्त है।

नगर पंचायत अध्यक्ष पीपलकोटी आरती नवानी का कहना है, टी.एच.डी.सी. पिछले 15 वर्षों से क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम का स्कूल खोलने का केवल मौखिक आश्वासन दे रही है। यही नहीं, सीएसआर मद की धनराशि में भी भारी अनियमितता के आरोप लगे हैं।

नागपुर बंड क्षेत्र के सामाजिक कल्याण के लिए आवंटित धन को स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना अन्य क्षेत्रों में खर्च किया जा रहा है। मांग की गई है कि भविष्य में स्वामी विवेकानंद अस्पताल जैसी संस्थाओं को दी जाने वाली सहायता में स्थानीय पंचायत की सहमति अनिवार्य हो।

सबसे गंभीर आरोप टनल निर्माण से होने वाले प्रदूषण को लेकर हैं। टनल से निकलने वाले रसायन युक्त दूषित पानी को सीधे अलकनंदा नदी में बहाया जा रहा है, जिससे जलीय जीवों और नदी की पवित्रता पर संकट मंडरा रहा है। परियोजना के कारण महत्वपूर्ण गौचर भूमि समाप्त हो गई है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र बिगड़ गया है, टनल का मलबा घाटों और उनके रास्तों पर फेंकने से अंतिम संस्कार में बाधा आ रही है, क्रेशर और बैचिंग प्लांट से होने वाले ध्वनि व वायु प्रदूषण ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।

क्षेत्रीय जनता ने चारापत्ती के भुगतान से वंचित रखने और स्थानीय रोजगार की अनदेखी पर कड़ा एतराज जताया है। जनसुनवाई में 70% स्थानीय रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन आरोप है कि स्थानीय युवाओं और ठेकेदारों के बजाय बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है।

सुरंग निर्माण के लिए किए जा रहे भारी विस्फोटों ने आवासीय और व्यावसायिक भवनों की नींव हिला दी है। कई घरों में दरारें आ चुकी हैं और प्राकृतिक पेयजल स्रोत सूख गए हैं। विभाग द्वारा न तो इनका निरीक्षण किया गया और न ही कोई मुआवजा दिया गया। वहीं, डम्पिंग जोन भर जाने के कारण अवैध स्थानों पर मलबा फेंका जा रहा है, जो भविष्य में किसी बड़ी आपदा को निमंत्रण दे रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि पूरे नागपुर बंड क्षेत्र को श्प्रभावितश या आंशिक प्रभावित श्रेणी में रखा जाए, क्योंकि यहां के जंगल और गौचर पूरी जनता की आजीविका का आधार थे, सार्वजनिक स्थानों पर लगे बैरियरों को हटाकर केवल परियोजना सीमा के भीतर लगाया जाए, ताकि आम जनता के आवागमन में बाधा न आए। इस अवसर ज्ञापनदाताओं में आरती नवानी, कुमारी संतोषी, राकेश नवानी, आशीष कुमार, अंकित रावत, मनोरमा देवी, अनिल जोशी, पवन कुमार, संजय राणा, रविंद्र नेगी, कुसुम रावत, संतोष रावत, संतोष कुमार नरेंद्र पोखरियाल, दीपक सती, मुकेश सिंह, गुलाब सिंह बिष्ट, जगत सिंह नेगी, रघुनाथ फर्स्वाण, हरेंद्र पंवार आदि शामिल थे।

देव आस्था और परंपरा के साथ डख्याट गांव में हुआ भव्य ध्याणी-मैती मिलन

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़कोट /उत्तरकाशी। विकास खंड नौगांव अंतर्गत ठकाराल पट्टी के डख्याटगांव में ध्याणी-मैती मिलन सम्मान समारोह आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम बनकर उभरा। यह आयोजन केवल एक पारंपरिक मिलन कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि इसमें लोक-आस्था, पारिवारिक संबंधों और पीढ़ियों से चली आ रही रीति-रिवाजों की जीवंत झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में गांव की ध्याणीयों (बहन-बेटियों) ने अपने मायके (मैती) के प्रति प्रेम और श्रद्धा प्रकट करते हुए कुल देवी मां चंद्रबदनी को चांदी का मुकुट और सोने का मांग टीका भेंट किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय ईष्ट देवता तटेश्वर महादेव को चार सोने के छत्र और एक विशेष पूजा थाल अर्पित की गई। तटेश्वर महादेव के अगवानी देवता वीर पोखू देवता के लिए चांदी का छत्र समर्पित किया गया, जो स्थानीय देव परंपरा में विशेष महत्व रखता है।

ध्याणियों ने तटेश्वर महादेव को समर्पित किया सोने के चार छत्र

इसके अतिरिक्त पांच पांडवों के लिए पूजा की थाल और दीपदान तथा कालका माता के लिए चांदी की सूच सामूहिक रूप से भेंट की गई। इन सभी अर्पणों में न केवल श्रद्धा का भाव झलक रहा था, बल्कि यह भी स्पष्ट हो रहा था कि आज भी गांव की बेटियां अपनी जड़ों और परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

कार्यक्रम की एक विशेष आकर्षण रही ध्याणीयों और रयाणियों (गांव की बहुओं) का एक समान पारंपरिक पोशाक, जिसने पूरे आयोजन को रंगीन और उत्सवमय बना दिया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं की उपस्थिति ने रवांई की लोक संस्कृति को जीवंत कर एकता का संदेश दिया।

यह आयोजन सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बना, जहां गांव की बहन-बेटियां और बहुएं एक मंच पर आकर न केवल परंपराओं को निभा रही थीं, बल्कि आपसी रिश्तों को भी सशक्त बना रही थीं।

ध्याणी-मैती परंपरा उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो मायके और ससुराल के रिश्तों के बीच भावनात्मक सेतु का कार्य करती है।

समारोह के दौरान भक्ति, उल्लास और अपनत्व का वातावरण बना रहा। स्थानीय लोगों ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया। यह आयोजन यह संदेश देने में सफल रहा कि आधुनिकता के इस दौर में भी हमारी जड़ों से जुड़ी परंपराएं आज भी जीवित हैं और समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रही हैं।

राज्य आंदोलनकारियों के सात आवेदनों को किया स्वीकृत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राज्य आन्दोलनकारियों की जिला स्तरीय चयन समिति की द्वितीय बैठक में 21 आवेदनों में से 07 को स्वीकृति जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारियों की जिला स्तरीय चयन समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य आन्दोलनकारी के रूप में चयन के लिए प्रस्तुत प्रकरणों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान 21 प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 07 प्रकरणों पर समिति के पदाधिकारी की पुष्टि व प्रशासन, एलआईयू के आधार पर निर्णय लेते हुए संबंधित व्यक्तियों को राज्यआन्दोलनकारी सूची में सम्मिलित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कमलेश मेहता टिहरी, नीलू चावला धनोल्टी, कीर्तिनगर मंजू राजपूत, कीर्तिनगर अंकित राज प्रतापनगर, एसीएमओ बृजेश, राज्य आंदोलन चयन समिति के सदस्य पुरुषोत्तम बिष्ट, मुरारी लाल खंडेलवाल, कुंवर सिंह चौहान, लोकेंद्र दत्त जोशी, दिनेश डोभाल आदि मौजूद रहे।

19 को ऊखीमठ से रवाना होगी बाबा केदारनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे विधिवत रूप से खोल दिए जाएंगे। वैदिक मंत्रोच्चार, पारंपरिक पूजा-अर्चना और सनातन रीति-रिवाजों के साथ होने वाले इस भव्य कपाटोद्घाटन को लेकर जनपद में भारी उत्साह का माहौल है। जिला प्रशासन ने यात्रा को सुगम बनाने के लिए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।भगवान केदारनाथ की चल-विग्रह उत्सव डोली अपने शीतकालीन गद्दी स्थल ''ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ'' से धाम के लिए प्रस्थान करेगी। यात्रा का कार्यक्रम इस प्रकार है:

18 अप्रैल: ओंकारेश्वर मंदिर में सांयकालीन आरती के बाद भैरवनाथ पूजा संपन्न होगी।

19 अप्रैल: बाबा केदार की पंचमुखी डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर प्रथम पड़ाव फाटा पहुंचेगी।

20 अप्रैल: फाटा से रवाना होकर डोली गौरीकुंड'' स्थित गौरीमाई मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी।

21 अप्रैल: डोली गौरीकुंड से पैदल मार्ग होते हुए ''केदारनाथ धाम'' पहुंचेगी और मंदिर भंडार गृह में स्थापित की जाएगी।

22 अप्रैल: प्रातः 8 बजे शुभ मुहूर्त में कपाट खुलने के साथ ही यात्रा का विधिवत शुभारंभ होगा।

प्रशासन की श्रद्धालुओं से अपील

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए जिला प्रशासन ने देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु यात्रा पर आने से पूर्व 'अनिवार्य रूप से अपना पंजीकरण'' सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथियों और स्लॉट के अनुसार ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं। सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए सरकारी गाइडलाइन्स का पूर्ण पालन करें।

केदारनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन मुस्तैद है। हमारा प्रयास है कि हर श्रद्धालु को बाबा के दर्शन सुलभता से हों और उनकी यात्रा सुरक्षित रहे।

जिला प्रशासन, रुद्रप्रयाग

एक नजर ....

गायन प्रतियोगिता आयोजित

लैंसडाउन। वंदे मातरम राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में भव्य गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का आरंभ संयोजक डॉ शिप्रा द्वारा किया गया ।इस अवसर पर महाविद्यालय की संरक्षिका प्राचार्य प्रोफेसर एलआर राजवंशी ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं बल्कि देश की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने समूह एवं एकल गायन के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया।निर्णायक मंडल में वनस्पति विभाग से डॉ दीपिका एवं डॉ पवनिका चंदोला द्वारा प्रतिभागियों के स्वर, ताल, भाव और प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया। गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वंदना बीए चतुर्थ सेम, द्वितीय स्थान सिमरन बीए द्वितीय सेम, तृतीय स्थान तनीषा एमए चतुर्थ सेम हिंदी एवं समूह गान में अमीषा एवं संजना बीए द्वितीय सेम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से वंदे मातरम के गायन के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में देशभक्ति की भावना गूंज उठी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025- 26 में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर हिंदी विभाग से डॉ उमेश ध्यानी एवं डॉ सुमन कुकरेती, राजनीति विभाग से डॉ अजय रावत एवं डॉ वंदना ध्यानी बहुगुणा, अंग्रेजी विभाग प्रभारी डॉ मानसी वत्स उपस्थित रहे ।

मंच ने धूमधाम से मनाई अंबेडकर जयंती

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के झंडीचौड़ उत्तरी में अंबेडकर मंच के द्वारा अम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई । अंबेडकर जयंती के इस अवसर पर अंबेडकर मंच की अध्यक्ष गीता सिंह ने लोगों को पौधे वितरण कर अंबेडकर जयंती मनाई । उन्होंने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के बताएं रास्ते पर चलने की बात कही । शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष रहो, के नारे को उन्होंने जीवन में अपनाने का आह्वान किया । गीता सिंह ने महिलाओं की शिक्षा व संविधान में उनके अधिकारों की बात को लेकर हिंदू कोड बिल का भी जिक्र किया । बाबा साहब के द्वारा बोले गए नारे मैं किसी भी समाज की प्रगति का आकलन इस बात से करता हूं कि उसे समाज की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशांत चौधरी सचिव अंबेडकर मंच ने की । कार्यक्रम में पूर्व पार्षद अमित नेगी, सीता देवी पार्षद झंडीचौड़ पूर्वी, सुखपाल शाह पार्षद झंडीचौड़ पश्चिमी, शिवम भूषण शाह, आलम सिंह, सुनील हल्दिया, देव सिंह, अभिज्ञान, अभिमन्यु, सरोज देवी, बिजमा देवी, संतोष देवी, मीनाक्षी देवी, लक्ष्मी देवी, पिंकी देवी, पुष्पा देवी, हिमांशी देवी आदि शामिल रहे ।

रुद्रप्रयाग महाविद्यालय में रक्तदान शिविर संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग (जवाडी परिसर) में मानव सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से एक भव्य रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा निदेशालय के संयुक्त निदेशक प्रो एएस उनियाल के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में महाविद्यालय परिवार और रेड क्रॉस सोसाइटी ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

उच्च शिक्षा विभाग और वीरा फाउंडेशन के तत्वावधान में हुआ आयोजन, 10 रक्तदाताओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

शिविर का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, डॉ. विशाल दत्ता और श्रीकांत नौटियाल सहित 10 शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके साथ ही शिविर में लगभग 45 प्रतिभागियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया, जिसमें बीएमआई, हीमोग्लोबिन, रक्तचाप और ब्लड ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण जांचें निशुल्क की गईं।

युवा रेड क्रॉस इकाई के नोडल अधिकारी डॉ. विक्रम वीर भारती के सफल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष दीपराज बंगारी, उपाध्यक्ष सतेंद्र भंडारी, सचिव यशपाल भारती और राज्य समन्वयक मुंशी चौमवाल ने शिरकत की। अतिथियों ने विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई जिंदगियां बचा सकता है।

रक्तवीरों को मिला सम्मान

रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों को वीरा फाउंडेशन ने प्रमाण-पत्र एवं उपहार देकर प्रोत्साहित किया। वहीं जिला रेड क्रॉस सोसाइटी ने प्रशिक्षण उपकरण भेंट कर कॉलेज को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापक अनीता पांडेय, डॉ. एमपी विश्वकर्मा, डॉ सुरेंद्र रावत, डॉ नियति कापथियाल, डॉ. गोपी प्रसाद, अन्विता सिंह, भुवनेश्वरी देवी सहित 50 से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जंगली जानवरों के आतंक से पहाड के लोग परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। उत्तराखण्ड का पर्वतीय क्षेत्र दिनों-दिन जंगली जानवरों की राजधानी बनता जा रहा है। यहां के वाशिंदे इनकी दहशत में जीने को अभिशप्त हैं। क्या बंदर, क्या सुअर, क्या भालू और क्या गुलदार, इनकी दिनों-दिन बढ़ती उपस्थिति से पर्वतीय क्षेत्र की कृषि और पशुपालन की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाते हुए गिरावट की ओर बढ़ रही है। किसान सभा नेता दोनों क्षेत्रों की मिश्रित अर्थव्यवस्था ही पर्वतीय क्षेत्रों की रोजगार और आय के प्रमुख आधार रहे हैं। हां, कुछ क्षेत्रों में बागवानी एक बड़ा घटक है।वह हिस्सा भी जंगली जानवरों से महफूज नहीं है।

पहाड़ की इन अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ रही महिलाओं को इन जंगली जानवरों के हमलों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।खेत में जाते, पशुओं के लिए चारे के लिए जंगल जाते हुए महिलाएं जंगली जानवरों के हमलों की शिकार हो रही हैं। और अब तक बड़ी तादाद में महिलाएं अपना जीवन भी खो चुकी हैं।

धधकते अंगारों पर आस्था का नृत्य

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आस्था, आध्यात्म और रोमांच का अद्भुत संगम जनपद के गुप्तकाशी क्षेत्र में देखने को मिला, जहां विश्व प्रसिद्ध 'जाख मेला' हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष भी सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार, भगवान जाख के पश्वा (नर देवता) ने धधकते अंगारों के बीच नृत्य कर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को विस्मित किया।

मेले का मुख्य आकर्षण वह क्षण रहा जब ढोल-दमाऊ, भोंपू की थाप और "जय जाख देवता" के गगनभेदी उद्घोष के बीच नर देवता ने दहकते अग्निकुंड में प्रवेश किया। इस बार भगवान जाख ने एक नहीं बल्कि तीन बार अग्निकुंड के भीतर जाकर नृत्य किया और भक्तों पर कृपा बरसाई। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस दृश्य को देखकर न केवल श्रद्धालु, बल्कि आधुनिक विज्ञान के जानकार भी अचंभित रह गए।

नगर भ्रमण और स्नान परंपरा के अनुसार नर देवता को उनके मूल गांव से देवशाल स्थित विंध्यवासिनी मंदिर लाया जाता है। यहाँ से जाख की कंडी और जलते दीपक के साथ मंदिर प्रस्थान होता है।

मंदिर परिसर में बांज के वृक्ष के नीचे ढोल सागर की विशेष थाप पर देवता अवतरित होते हैं, जिसके बाद उन्हें तांबे की गागर के पवित्र जल से स्नान कराया जाता है।

संस्कृति की जीवंत झलक'

गुप्तकाशी से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भगवान जाख को यक्ष के रूप में पूजा जाता है। मेले में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने न केवल भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया, बल्कि मेले के सांस्कृतिक परिवेश और स्थानीय बाजार का भी आनंद लिया। यह मेला उत्तराखंड की उस समृद्ध लोक संस्कृति का प्रतीक है, जहां आज भी श्रद्धा और विश्वास के आगे विज्ञान मौन खड़ा नजर आता है। जाख मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की एकता और जीवंत परंपराओं का प्रतिबिंब है।

टिहरी गढ़वाल में एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण सामान्य

नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने संबंधित गैस एजेंसी एवं खाद्य आपूर्ति विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में गैस उपभोक्ताओं की लंबी लाइन देखने को मिल रही है उन स्थानों में प्राथमिकता के आधार पर गैस का वितरण करना सुनिश्चित करें एवं गैस वितरण से पहले उसे क्षेत्र में लोगों को भी सूचित करें की आज इस क्षेत्र में गैस का वितरण किया जाएगा। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को वितरण प्रणाली मैं आ रही कठिनाइयों को शासन स्तर पर भी अवगत कराने के निर्देश दिए।

रुद्रप्रयाग में नही थम रहा बाल विवाह का सिलसिला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिले में बाल विवाह के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद दो दिन के भीतर बाल विवाह का दूसरा मामला सामने आया है, जिसे प्रशासन की तत्परता से समय रहते रुकवा दिया गया।

ताजा मामले में एक नाबालिग बालिका ने स्वयं चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना देकर अपने गुपचुप विवाह की जानकारी दी। सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

टीम में केंद्र प्रशासक रंजना गैरोला भट्ट, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष रंजू खन्ना, सदस्य ममता शैली, दलवीर सिंह रावत, केस वर्कर अखिलेश, सामाजिक कार्यकर्ता पूजा भंडारी और तिलवाड़ा चौकी से कांस्टेबल डीसी पुरोहित शामिल थे। मौके पर पहुंची टीम को शुरुआत में परिजनों ने गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती के बाद सच्चाई सामने आई। बालिका की मां ने बताया कि देहरादून में पड़ोस के एक युवक से प्रेम प्रसंग और लड़की के घर से भागने की धमकी के चलते उन्होंने यह कदम उठाया था।

दो दिन में दूसरा मामला आया समाने

शादी उसी रात सीमित लोगों की मौजूदगी में करवाई जानी थी। टीम ने परिजनों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि यह दंडनीय अपराध है, जिसमें दो साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही यूसीसी के तहत भी सख्त दंड की चेतावनी दी गई। प्रशासन की सख्ती के बाद परिजनों ने तुरंत लड़के पक्ष से संपर्क कर बारात न लाने का निर्णय लिया, जिससे बाल विवाह टल गया। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के अनुसार, इस वर्ष अब तक जिले में 26 बाल विवाह के मामलों को रोका जा चुका है। इसके बावजूद लगातार सामने आ रहे मामले समाज में जागरूकता की कमी को उजागर कर रहे हैं।

पांच दिवसीय वैशाखी मेले का भव्य समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग/ऊखीमठ। मदमहेश्वर घाटी के रासी गांव में आस्था, संस्कृति और परंपराओं का पांच दिवसीय महाकुंभ वैशाखी मेला धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हो गया। मेले के अंतिम दिन शिव-पार्वती नृत्य और पौराणिक राम-रावण युद्ध का मंचन मुख्य आकर्षण रहा, जिसे देखने के लिए पूरी घाटी से ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। पांच दिनों तक रासी गाँव सहित संपूर्ण मदमहेश्वर घाटी का वातावरण भक्ति और पौराणिक जागरों से गुंजायमान रहा।

पौराणिक जागरों और अनुष्ठानों से भक्तिमय हुआ रासी गांव, विश्व कल्याण की कामना के साथ उमड़ा जनसैलाब

मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राकेश्वरी मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मदन भट्ट ने बताया कि युगों से चली आ रही इन पौराणिक परंपराओं को रासी गांव ने आज भी जीवंत रखा है। बद्री-केदार मंदिर समिति के पूर्व सदस्य शिव सिंह रावत ने कहा कि मेले का शुभारंभ पौराणिक जागरों से होता है, जिसमें हरिद्वार से लेकर चौखम्बा हिमालय तक विराजमान 33 कोटि देवी-देवताओं की स्तुति कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की जाती है। पूर्व अध्यक्ष ''जगत सिंह पंवार'' ने बताया कि मेले के दौरान ''मधु गंगा'' से पवित्र गाडू घड़ा (कलश) लाकर भगवती राकेश्वरी का जलाभिषेक किया गया। मंदिर परिसर में पांच दिनों तक अखंड धूनी प्रज्वलित की गई और रात्रि जागरण कर भगवान मदमहेश्वर व माता राकेश्वरी की आराधना की गई। मेले के समापन पर आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में क्षेत्र पंचायत सदस्य ''रेशमा भट्ट और रणजीत रावत ने बताया कि शिव-पार्वती नृत्य समापन अवसर पर यह नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। युगों पुरानी परंपरा के अनुसार राम-रावण युद्ध के साथ मेले का औपचारिक समापन हुआ। मेले में गांव की विवाहित बेटियों (धियाणियों) और प्रवासियों की भारी भागीदारी से आपसी प्रेम और आत्मीयता का अनूठा दृश्य देखने को मिला।

संरक्षण की दरकार

शिक्षाविद भगवती भट्ट ने पौराणिक मेलों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यदि प्रदेश सरकार इन मेलों और पौराणिक जागर गायन की विधा को संवर्धित करने की पहल करे, तो इन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सकती है। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी भी अपनी समृद्ध संस्कृति से जुड़ी रहेगी।

झाला बना पर्यावरण संरक्षण का मॉडल

हर माह मनते 'थैंक यू नेचर दिवस'

शाह टाइम्स संवाददाता

भटवाड़ी (उत्तरकाशी)। सीमांत जनपद के गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित झाला गांव पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के लिए चर्चा में है। यहां प्रत्येक माह की 15 तारीख को "थैंक यू नेचर दिवस" मनाया जाता है, जो अब धीरे-धीरे जन आंदोलन का रूप ले रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छता, वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ बाहर से आए अतिथि और स्वयंसेवी भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं, जिससे यह पहल सामूहिक सहभागिता का मजबूत उदाहरण बन रही है।हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झाला के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्राम प्रधान अभिषेक रौतेला के अनुसार, "थैंक यू नेचर दिवस" के माध्यम से झाला एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है, जो अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता न केवल पर्यावरण की रक्षा करती है, बल्कि गंदगी से फैलने वाली बीमारियों से भी बचाव करती है, इसलिए सभी को इसके प्रति संकल्पित होना है।

लोक भवन में मनाया गया हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस

■ राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं, कार्यक्रम में हिमाचल राज्य के देहरादून स्थित संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने की शिरकत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हिमाचल प्रदेश का स्थापना दिवस बुधवार को लोक भवन में मनाया गया। कार्यक्रम में हिमाचल राज्य के देहरादून स्थित संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें हिमाचल की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए सभी उपस्थित जनों को हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के बीच केवल भौगोलिक निकटता ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्तर पर भी गहरा और आत्मीय संबंध है। उन्होंने कहा कि दोनों ही राज्यों को 'देवभूमि' के रूप में जाना जाता है, जहां की पवित्रता, लोक परंपराएं, आस्था, सरल जीवनशैली और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना एक समान रूप से परिलक्षित होती है।राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस का आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की विविधता को समझने और उसे आत्मसात करने का एक सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन हमें एक-दूसरे की भाषा, वेशभूषा, खान-पान, लोक कला और परंप. राओं को जानने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे राज्यों के बीच आपसी सद्भाव, संवाद और सांस्कृतिक समन्वय को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, साई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून की उपाध्यक्ष रानी अरोरा, जनसंपर्क अधिकारी श्रुति अग्रवाल, कामिनी शर्मा, अर्चना कंडारी, आशा पाल एवं छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

टिहरी झील में सी-प्लेन उतारने का दूसरा ट्रायल भी रहा सफल

■ आज सी प्लेन का होगा अन्तिम ट्रायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी झील में स्काई हाफ प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सी-प्लेन उतारने का दूसरा ट्रायल भी सफल रहा। बुधवार को दूसरे दिन देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से टेक आफ हुआ सी-प्लेन दोपहर करीब पौने तीन बजे कोटी कालोनी टिहरी झील में सफलता पूर्वक लैंड कराया गया। अब गुरूवार को सी-प्लेन का अंतिम ट्रायल किया जाएगा। सी-प्लेन ट्रायल के पूरी तरह सफल होने और संचालन शुरू होने के बाद क्षेत्र में पर्यटन विकास को नए पंख लगेंगे।

बीते मंगलवार के बाद बुधवार को भी जौलीग्रांट एयरपोर्ट से टेक आफ हुआ 19 सीटर सी-प्लेन दो. हपर करीब पौने तीन बजे कोटी कालोनी टिहरी झील में लैंड हुआ। सुबह से ही इसके लिए तैयारियां जारी थीं। कंपनी की ओर से टिहरी झील में दो बार लैंडिंग और टेक आफ किया गया। दूसरे दिन भी सी-प्लेन के टिहरी झील में उतरने की सूचना के चलते लोग पहले से ही बड़ी संख्या में यहां मौजूद रहे और उन्होंने ताली बजाकर सी-प्लेन का स्वागत किया।

साथ ही बड़ी संख्या में लोग अपने मोबाइल फोन के कैमरा में सी-प्लेन लैंडिंग की वीडियो भी शूट करते नजर आए। स्काई हाफ प्राइवेट लिमिटेड की ओर से ऋषिकेश में चीला बैराज के बाद बीते मंगलवार को पहले दिन और बुधवार को दूसरे दिन कोटी काला. नी टिहरी झील में भी सी-प्लेन का ट्रायल किया गया। इसका पहला और दूसरा दोनों ट्रायल सफल रहे हैं, जबकि गुरूवार को भी तीसरा ट्रायल किया जाएगा। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि दोनों दिन टिहरी झील में सी-प्लेन का ट्रायल पूरी तरह सफल रहा है। ट्रायल के सफल होने के बाद योजना को गति मिलेगी।

मंत्री सुबोध उनियाल ने जांची स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

श्रीनगर। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने बुधवार को उपजिला संयुक्त चिकित्सालय श्रीनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को जांचा।

इस मौके पर उन्होंने संयुक्त चिकित्सालय की आईसीयू, सर्जरी वार्ड, इमरजेंसी सहित शौचालयों का निरीक्षण किया। चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था से कैबिनेट मंत्री संतुष्ट नजर आये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को तीमारदारों के बैठने के लिए बैंच की व्यवस्था किए जाने और चिकित्सालय में मरीजों के लिए टोकन सिस्टम लागू किए जाने निर्देश दिए। कहा कि टोकन सिस्टम लागू होने से मरीजों को लम्बी लाइनों का नहीं लगानी पड़ेगा। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. विमल गुसांई, डा. अजय गोयल सहित आदि मौजूद थे।

युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की असली ताकत : सीएम

■ ओहो रेडियो के मंच से राष्ट्र निर्माण का मजबूत संकल्प ■ तीन नए रेडियो चैनलों का शुभारंभ, संचार के क्षेत्र में नई क्रांति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र में ओहो रेडियो एवं ड्रीमर्स एड्यु हब के सौजन्य से आयोजित "राष्ट्र निर्माण उत्सव" कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए तीन नए रेडियो चैनलों का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वे इस प्रेरणादायी आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों एवं युवा साथियों का स्वागत और अभिनंदन करते हैं तथा ओहो रेडियो के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब रेडियो घरों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता था और इसकी उपस्थिति से अधिक उस पर प्रसा. रित होने वाली सूचनाएं महत्वपूर्ण होती थीं। गांवों में सीमित घरों में रेडियो होने के बावजूद लोग एकत्र होकर समाचार सुनते और गीतों का आनंद लेते थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके पास भी एक छोटा रेडियो था, जो उनके लिए किसी खजाने से कम नहीं था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ तकनीक में परिवर्तन आया है, लेकिन रेडियो की आत्मीयता और विश्वसनीयता आज भी बनी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा "मन की बात" कार्यक्रम के माध्यम से रेडियो को पुनः मुख्यधारा में स्थापित करने के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ओहो रेडियो भी उत्तराखंड में इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके बीच उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों से आए युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ देवभूमि उत्तराखंड को गौरवान्वित कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें समाज के सभी वर्गोंख्रयुवा, किसान, महिलाएं, श्रमिक, उद्यमी और बुद्धिजीवी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करता है, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यही युवा शक्ति उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि इस ऊर्जा को सही दिशा मिले, तो भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बनेगा, बल्कि पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित होगा।मुख्यमंत्री ने सीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्र का भावी प्रहरी बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि युवाशक्ति के समर्पण, नवाचार और संकल्प से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता राकेश बेदी , मेजर प्राजुक्ता देसाई, आरजे काव्या सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युवा बनें जॉब क्रिएटर, मुख्यमंत्री का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। राज्य सरकार भी युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, कौशल विकास को प्राथमिकता देने और स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज के युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

आईएमए की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी के संवेदनशील क्षेत्र के पास मॉल और रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण को लेकर उठे सुरक्षा मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। उत्तराखंड कांग्रेस की नेत्री गरिमा मेहरा दसौनी ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए जवाब मांगा है। गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि यह मामला भाजपा सरकार की नीतियों और नीयत दोनों पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ महीने पहले धौलास क्षेत्र की करीब 20 एकड़ जमीन को लेकर भाजपा नेताओं ने राजनीतिक माहौल बनाया था। धौलास, जो आईएमए से लगभग 15 किलोमीटर दूर है, वहां बन रही महादेव रेजिडेंसी को "मुस्लिम यूनिवर्सिटी" बताकर गलत प्रचार किया गया और "डेमोग्राफी चेंज" का डर फैलाया गया। उन्होंने कहा कि अब सच्चाई सामने है। आईएमए अधिकारियों द्वारा राज्य प्रशासन और एमडीडीए को लिखे गए पत्रों में पंडितवाड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित मॉल और रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन बताया गया है। रक्षा मंत्रालय के नियमों के अनुसार 100 से 500 मीटर के दायरे में किसी भी निर्माण के लिए स्थानीय सैन्य प्राधिकरण (एलएमएल) की अनुमति जरूरी होती है, लेकिन यहां बिना एनओसी के ही परियोजना को मंजूरी दे दी गई।

कांग्रेस की मांगें:
पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच हो बिना एनओसी दी गई सभी अनुम. तियां तुरंत रद्द की जाएं आईएमए की आपत्तियों का तत्काल समाधान किया जाए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

यूपीईएस व सैमसंग इंडिया ने की साझेदारी

■ अब छात्रों को काम के साथ पढ़ाई का मिलेगा अवसर

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यू.पी.ई.एस. ने सैमसंग हेवी इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस समझौते का उद्देश्य कार्यरत पेशेवरों के लिए शिक्षा को और अधिक उपयोगी एवं उद्योग के अनुरूप बनाना है। यह साझेदारी "वर्क इंटीग्रेटेड लर्निंग फॉर लीडरशिप" पहल के अंतर्गत की गई है, जिसे समझौता ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया। इस सहयोग के तहत सैमसंग हेवी इंडस्ट्रीज इंडिया के कर्मचारियों को अब संरचित उच्च शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा। यू.पी.ई.एस. अपने इस मंच के जरिए ऊर्जा प्रबंधन, तेल एवं गैस, लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला, अवसंरचना प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डाटा विज्ञान तथा साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ऑनलाइन डिग्री और प्रमाणपत्र कार्यक्रम उपलब्ध कराएगा। इन कार्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया गया है कि कर्मचारी अपने कार्य के साथ-साथ पढ़ाई भी जारी रख सकें। इसमें शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। साझेदारी के अंतर्गत कर्मचारियों को अंशकालिक पीएच.डी. करने का अवसर भी मिलेगा। समझौते के अनुसार सैमसंग हेवी इंडस्ट्रीज इंडिया के कर्मचारियों को सभी कार्यक्रमों में 20 प्रतिशत शुल्क छूट दी जाएगी। इसके अलावा पढ़ाई के लिए लचीला ढांचा भी उपलब्ध होगा, जिसमें सप्ताहांत की सीधी कक्षाएं, रिकॉर्ड किए गए सत्र और ऑनलाइन मूल्यांकन शामिल हैं। यू.पी.ई.एस. के कुलपति डॉ. सुनील राय ने कहा कि भविष्य की शिक्षा वही है जो कार्यस्थल से सीधे जुड़ी हो। उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से शिक्षा और काम के बीच की दूरी को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि कर्मचारी अपने कार्य के दौरान ही अपनी क्षमताओं का विकास कर सकें। वहीं, सैमसंग हेवी इंडस्ट्रीज इंडिया के प्रबंध निदेशक रयान पार्क ने कहा कि तेजी से बदलते औद्योगिक परिवेश में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए निरंतर सीखना बेहद जरूरी है।

चारधाम यात्रा: श्रीनगर में परखीं तैयारियां सुरक्षा और सुगम यातायात पर जोर

■ एडीजी प्रशासन ने पुलिस अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आगामी चारधाम यात्रा को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। यात्रा के मुख्य पड़ाव श्रीनगर में बुधवार को अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन ए.पी. अंशुमान ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत फीडबैक लिया। बैठक के दौरान उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा के दौरान उमड़ने वाली संभावित भीड़ और यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए अभी से पुख्ता योजना तैयार कर ली जाए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट), संवेदनशील स्थलों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग प्रबंधन और रूट डायवर्जन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करने की बात कही, ताकि स्थानीय नागरिकों और तीर्थयात्रियों को जाम की समस्या से न जूझना पड़े। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि धामों में मौसम की स्थिति और मार्गों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाए और इसकी जानकारी श्रद्धालुओं तक भी पहुंचाई जाए।

फर्जी आधार कार्ड के साथ बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अवैध रूप से रह रहे विद. ेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे श्ऑपरेशन प्रहारश के तहत दून पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसएसपी देहरादून के कड़े निर्देशों पर ऋषिकेश पुलिस और स्थानीय अभिसूचना इकाई की संयुक्त टीम ने नटराज चौक क्षेत्र से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार महिला की पहचान रीना उर्फ रीता (निवासी जिला सरियातपुर, बांग्लादेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महिला करीब एक माह पूर्व शरिपोनश नामक व्यक्ति की मदद से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर भारत आई थी। आरोपी महिला ने अपनी पहचान छिपाने के लिए पश्चिम बंगाल से फर्जी आधार कार्ड और अन्य भारतीय दस्तावेज तैयार करवाए थे, ताकि वह खुद को भारतीय नागरिक साबित कर सके।अभियुक्ता के पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र, फर्जी भारतीय आधार कार्ड और मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस अब उन लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने फर्जी दस्तावेज बनाने में उसकी मदद की। कोतवाली ऋषिकेश में अभियुक्ता के विरुद्ध पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर: माला

देहरादून। टिहरी गढ़वाल से सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने नारी शक्ति वंदन अधिनियमष के पारित होने को भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय करार दिया है। उन्होंने इसे केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी को समान अवसर और सम्मान देने वाला श्युगांतकारी संकल्पश बताया।सांसद ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके दृढ़ संकल्प से अब नीति निर्धारण में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह अधिनियम पंचायतों से लेकर संसद तक लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूती प्रदान करेगा।देवभूमि की वीरांगनाओं को याद करते हुए उन्होंने कहा कि रानी कर्णावती, गौरा देवी और स्वतंत्र भारत की पहली महिला सांसद राजमाता कमलेंदु मति शाह जैसी विभूतियों ने सदैव समाज को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा, 'ष्उत्तराखंड की महिलाएं कठिन परिस्थितियों में भी साहस और श्रम की मिसाल रही हैं, अब यह कानून उनके नेतृत्व को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।सांसद शाह ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी दल विशेष के लिए नहीं, बल्कि सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करता है।

नगर आयुक्त ने की जनगणना कार्यों की समीक्षा

■ दो चरणों में संपन्न किया जाएगा जनगणना का कार्य: नमामि बंसल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर निगम देहरादून में बुधवार को जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर आयुक्त व जनगणना अधिकारी नमामि बंसल द्वारा की गई, जिसमें नोडल अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (जनगणना) एवं 05 चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि जनगणना कार्य दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। प्रथम चरण: हाउस लिस्टिंग एवं आवासीय विवरण, द्वितीय चरण: जनसंख्या एवं सामा. जिक-आर्थिक विवरण शामिल होगा।

प्रथम चरण के अंतर्गत नगर निगम देहरादून क्षेत्र को 05 चार्ज में विभाजित किया गया है, जिनमें कुल 1958 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक गठित किए गए हैं। प्रत्येक ब्लॉक के लिए गणनाकर्मियों की नियुक्ति की जा चुकी है तथा उनकी निगरानी के लिए 340 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों को नगर निगम सभागार, दून मेडिकल कॉलेज सभागार, एसजीआरआर संस्थान तथा दून विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 अप्रैल तक संचालित रहेगा। समीक्षा बैठक में प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसे पूर्ण पारदर्शिता, सटीकता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न किया जाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त स्वयं गणना की सुविधा दिनांक 10 अप्रैल से 24 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी। नागरिक आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी आईडी प्राप्त कर सकते हैं तथा स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत क्षेत्रीय सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

जोशी ने हरिद्वार में किया मखाना की खेती का शुभारंभ

■ कृषि मंत्री ने मखाना की खेती का स्वयं किया रोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

रूड़की/लक्सर। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने जनपद हरिद्वार के लक्सर क्षेत्र स्थित गंगद. ासपुर बालावाली में मणिगाछी एफपीओ द्वारा शुरू किए गए मखाना की खेती के पायलट प्रोजेक्ट के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं मखाना रोपण कर हरिद्वार जनपद में मखाना खेती की औपचारिक शुरुआत की।

गौरतलब है कि बिहार की एक संस्था द्वारा उत्तराखण्ड में पहली बार हरिद्वार के लक्सर क्षेत्र में मखाना खेती का पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया है। इस परियोजना का शुभारंभ कृषि मंत्री गणेश जोशी द्वारा किया गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने संस्था के पदाधिकारियों को इस प्रयास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया गया, जो उत्तराखण्ड सहित देश के 11 राज्यों में मखाना उद्योग को सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक रुपये 476 करोड़ के परिव्यय के साथ मखाना विकास हेतु केंद्र पोषित योजना संचालित की जा रही है, जिसमें अनुसंधान, गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन, कौशल विकास, मूल्यवर्धन, ब्रांडिंग, विपणन एवं निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत वर्ष 2025-26 के अंतिम त्रैमास में उत्तराखण्ड को रुपये 50 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्र धनौरी (हरिद्वार), ढकरानी (देहरादून) एवं काशीपुर (उधमसिंहनगर) के सहयोग से किसानों को मखाना उत्पादन के लिए प्रशिक्षण, सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित किए जा रहे हैं, साथ ही प्रदर्शन प्लॉट भी स्थापित किए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए रुपये 143.16 लाख की कार्ययोजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न घटकों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार उत्तराखण्ड को औद्यानिकी प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। सेब की अति सघन बाग. वानी के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 230 हेक्टेयर क्षेत्र में 30 क्लस्टर विकसित किए गए हैं। इस अवसर पर उद्यान विभाग से बागवानी निद. ेशक महेन्द्र पाल, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, संस्था के अध्यक्ष राजीव रंजन, डॉ. प्रेम कुमार, अजय पैनोली, अनुज प्रधान, दीपक सैनी, अजय शर्मा, कृष्णपाल चौहान, बाबूराम सहित बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय 'उज्ज्वल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-305 **ई-निविदा सूचना** दिनांक- 15/04/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनुरक्षण), मनेरीभाली-II, चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) इच्छुक निविदादाताओं से ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।

निविदा संख्या-09/अ0अ0(अनु0)/म0भा0-II/26-27,
10/अ0अ0(अनु0)/म0भा0-II/26-27,
11/अ0अ0(अनु0)/म0भा0-II/26-27,
12/अ0अ0(अनु0)/म0भा0-II/26-27

कार्य/पूर्ति/सेवायें का नाम : 1. धरासू विद्युत गृह पर टरबाइन के कन्जयूमेबल सामिग्री की आपुर्ति हेतु।
2. धरासू विद्युत गृह पर 76 मे0वा0 टरबाइन की लोअर बुश हाउसिंग की आपुर्ति हेतु।
3. धरासू विद्युत गृह पर 76 मे0वा0 टरबाइन के गन मेटल बुश की आपुर्ति हेतु।
4. धरासू विद्युत गृह पर 76 मे0वा0 टरबाइन के टी0 जी0 बी0 स्पेयर्स की आपुर्ति हेतु।

अनुमानित मूल्य : रू0 3,15,450/- मात्र (जी०एस०टी० अतिरिक्त), रू0 8,87,300/- मात्र (जी०एस०टी० अतिरिक्त), रू 12,10,000/- मात्र (जी०एस०टी० अतिरिक्त), रू 5,42,490/- मात्र (जी०एस०टी० अतिरिक्त),

वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि: 16.04.2026 साय: 16:00 बजे से
वेबसाइट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 07.05.2026 साय: 16:00 बजे तक
अन्य जानकारी हेतु कृपया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **"http://uktenders.gov.in"** देखें।

अधिशासी अभियन्ता (अनुरक्षण)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

हीटवेव से निपटने की तैयारी तेज, स्कूलों में 'वॉटर बेल' बजाने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गर्मियों में बढ़ते तापमान और संभावित हीटवेव के मद्देनजर सभी विद्यालयों में नियमित अंतराल पर 'वॉटर बेल' बजाने के निर्देश दिए हैं, ताकि छात्र-छात्राएं समय-समय पर पानी पी सकें और डिहाइड्रेशन से बचाव हो सके।

बुधवार को ग्रीष्मकालीन हीटवेव की तैयारियों को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया। इस दौरान स्कूलों के समय में आवश्यकतानुसार बदलाव, कक्षाओं में पर्याप्त वेंटिलेशन, ओआरएस व जरूरी दवाओं के भंडारण और विद्यार्थियों को हीटवेव से बचाव की व्यवहारिक जानकारी देने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि बढ़ते तापमान को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में पानी की किल्लत है, वहां निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाने और बसों, स्टेशनों व बाजारों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। प्रत्येक जनपद में हीटवेव एक्शन प्लान तैयार कर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जाए और वहां विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही 24x7 कंट्रोल रूम संचालित कर त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत किया जाए।पेयजल आपूर्ति को लेकर उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, बस स्टैंड और पंचायत भवनों पर स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जल संकट वाले क्षेत्रों में टैंकर, नलकूप और वैकल्पिक जल आपूर्ति की अग्रिम व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य सेवाओं के तहत सभी अस्पतालों में हीटवेव प्रभावित मरीजों के लिए पर्याप्त बेड, समर्पित वार्ड, दवाइयां, ओआरएस और आइस पैक उपलब्ध रखने को कहा गया। एम्बुलेंस सेवाओं को भी सुदृढ़ करने और स्टाफ को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। श्रमिकों की सुरक्षा पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने दोपहर के समय भारी कार्य से बचने, कार्यस्थलों पर छायादार विश्राम स्थल, पेयजल और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कूलिंग स्पेस, प्याऊ और वॉटर कियोस्क स्थापित करने, पार्कों के समय में वृद्धि और जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने पर बल दिया गया। पशुओं के लिए भी पानी और शेल्टर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। ऊर्जा आपूर्ति को लेकर निर्देश दिए गए कि बढ़ती मांग को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और ट्रांसफार्मर सहित आवश्यक उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। जनपद हरिद्वार की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि संबंधित विभागों को पेयजल, स्वास्थ्य, श्रमिक सुविधाएं और बिजली आपूर्ति को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर. के. सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार हल्दयानी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर प्रशांत कुमार, उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

झुंड से बिछड़ा हाथी खेतों में घुसा, मची अफरातफरी

वन विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद गंगा किनारे की ओर खदेड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर जट के खेतों में हाथियों के झुंड से बिझडकर खेतों में रुका हुआ था, सुबह किसानों ने हाथी को देखा तो हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुँची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को गंगा की ओर सुरक्षित पार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि हाथियों का एक झुंड अजीतपुर-बिशनपुर के खेतों से होते हुए बहादुरपुर जट क्षेत्र में पहुंचा था। मंगलवार सुबह हाथियों का झुंड वापस लौट रहा था, तभी एक हाथी उससे बिछड़कर झाबरी बहादरपुर जट गांव के खेतों में रुक गया। खेतों की ओर जा रहे किसानों को देखकर हाथी उग्र हो गया और उनके पीछे दौड़ पड़ा, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना की सूचना वन विभाग को दी, वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेंजर शीशपाल के निर्देशन में आकाश सैनी, हरीश वालिया, योगेश कुमार, शिवानी चौधरी, अभिषेक, समीम और दुष्यंत समेत वनकर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद हाथी को बिशनपुर गंगा की ओर सुरक्षित खदेड़ा गया। वन विभाग के रेंजर शीशपाल ने बताया बहादरपुर जट के खेतों में झुंड से बिछड़कर रुक गया था। जिसको कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को गंगा की ओर सुरक्षित खदेड़ा गया है।

अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर

बिरला घाट, रोड़ी बेलवाला में 50 से अधिक ठेलियां हटाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार द्वारा जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त के निर्देशों के क्रम में नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार को बिरला घाट एवं रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई करते हुए 50 से अधिक ठेलियों एवं अस्थायी अतिक्रमणों को हटाकर नष्ट किया गया। नगर निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमणों को चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुछ लोगों द्वारा विरोध करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में सख्ती के साथ सभी अतिक्रमण हटाए गए।

इस दौरान नगर आयुक्त नन्दन कुमार ने घाटों की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति, मस्टरोल एवं अन्य अभिलेखों का गहन परीक्षण कर कार्यों में पारदर्शिता एवं नियमितता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि नगर क्षेत्र में कहीं भी अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल हटाने एवं नष्ट करने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अभियान में नगर आयुक्त नन्दन कुमार के साथ मुख्य सफाई निरीक्षक अर्जुन सिंह, श्रीकांत, प्रशिक्षु सफाई निरीक्षक एवं अतिक्रमण सहायक आदित्य तेश्वर सहित नगर निगम हरिद्वार की टीम मौजूद रही।

चारधाम यात्रा को लेकर हरिद्वार पुलिस सख्त, टैक्सी यूनियनों को दिए सख्त निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आगामी चारधाम यात्रा सीजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के उद्देश्य से हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में ट्रैफिक कार्यालय में क्षेत्राधिकारी यातायात विपेंद्र कुमार की अध्यक्षता में टैक्सी यूनियनों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और नियमों के पालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में टैक्सी चालकों और वाहन स्वामियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने वाहनों में निर्धारित किराया सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें, ताकि यात्रियों से किसी प्रकार की ओवरचार्जिंग की शिकायत न हो। इसके साथ ही सभी वाहनों में फर्स्ट-एड बॉक्स रखना भी अनिवार्य किया गया, जिससे यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि चार धाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी गई कि वे यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें, ओवरलोडिंग से बचें और वाहन चलाते समय सतर्कता बरतें। बैठक में यह भी विशेष रूप से कहा गया कि उत्तराखंड देवभूमि है, इसलिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं के साथ मधुर और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। किसी भी प्रकार की अभद्रता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए वाहन चालकों से स्वच्छता बनाए रखने और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन करने को कहा गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि कोई चालक या वाहन स्वामी नियमों की अनदेखी करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाए जाएंगे, ताकि व्यवस्था बनी रहे और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को तुरंत रोका जा सके। बैठक में टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों ने भी पुलिस के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया और यात्रा को सफल बनाने में सहयोग की बात कही। इस दौरान प्रभारी यातायात निरीक्षक संदीप सिंह नेगी, परिवहन कर अधिकारी रविंद्र सैनी तथा यातायात उपनिरीक्षक मोहित रौथाण सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. प्यारेलाल चौहान की 89वीं जयंती पर यज्ञ, श्रद्धांजलि व रक्तदान शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रोहालकी-किशनपुर में बुधवार को संस्थापक एवं पूर्व प्राचार्य/निदेशक स्वर्गीय डॉ. प्यारेलाल चौहान की 89वीं जयंती "जयंती उत्सव" के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे महाविद्यालय परिसर में यज्ञ के आयोजन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों एवं शिक्षकों ने डॉ. चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्यों ने डॉ. प्यारेलाल चौहान के संस्थान की स्थापना और उसके विकास में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। इस मौके पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार, सचिव राणा नंदलाल सिंह, उपसचिव ललित कुमार, कोषाध्यक्ष बलदेव सिंह आर्य, आय-व्यय निरीक्षक इन्द्राज सिंह सहित सदस्य दयानन्द चौहान, राजेन्द्र चौहान, प्रमोद कुमार, चन्द्रभान सैनी, रामकुमार चौहान, राजकुमार, बिरम सिंह तथा साधारण सभा के सदस्य तरसेम सिंह (एडवोकेट), सतीश चौहान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दीपा चौहान, समस्त प्रवक्तागण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। साथ ही डॉ. चौहान की पुत्रवधू एवं पौत्र ओजस चौहान की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। समारोह का समापन श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक सेवा के संदेश के साथ हुआ।

गुरूकुल कांगड़ी विवि के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग ने किया विशेष व्याखायान का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गुरुकुल कांगडी समविश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा दयानंद स्टेडियम के मेजर ध्यानचन्द सभागार मे आयोजित विशेष व्याख्यान में फिजिकल एजूकेशन फाउन्डेशन ऑफ इण्डिया के महासचिव तथा लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फग्वाडा के प्रोफेसर डा.पीयूष जैन ने शारीरिक शिक्षा एवं खेल के प्रशिक्षुओं के साथ भारत मे आगामी दशक मे ओलम्पिक आयोजन की तैयारियों, पैटर्न, पॉलिसी तथा प्रिपरेशन पर चर्चा की। डा.जैन ने कहा कि लम्बे समय तक शारीरिक शिक्षा को स्पोटर्स न मानने का मिथक अब दूर होता जा रहा है। लम्बे समय तक शारीरिक शिक्षा विषय शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। जिसके कारण शारीरिक शिक्षा न ही शिक्षा ओर न ही खेल मे स्थायित्व प्राप्त करने मे सफल हो सकी। लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार ने इस दिशा मे सार्थक पहल करते हुए इस मिथक को दूर करके देश मे खेल, खिलाडी तथा खेल सुविधाओं मे अग्रणी क्रान्ति लाने तथा शारीरिक शिक्षा को विशेष दर्जा देने का काम किया है। जिसके कारण देश के यूथ आज खेलों मे बेहतर मुकाम पाने के साथ निरन्तर उन्नति कर रहे है। कार्यक्रम का संचालन करते हुये डा. शिवकुमार चौहान ने शारीरिक शिक्षा की खेलो मे मजबूती से वकालत करते हुये बेहतर खिलाडी बनने मे शारीरिक शिक्षा के वैज्ञानिक प्रकल्पों पर भी ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि वैज्ञानिक तथ्यों पर खरा उतरने के बाद ही खिलाडी खेल मे उत्कृष्टता प्राप्त करने मे सफल होता है। इस अवसर पर विभाग के प्रभारी डा.अजय मलिक, विभागीय आईक्यूएसी प्रभारी डा.कपिल मिश्रा, डा.अनुज कुमार, डा.प्रणवीर सिंह, मीडिया सैल के अध्यक्ष डा.अजीत तोमर, जनसम्पर्क अधिकारी डा. शिवकुमार, कुलभूषण शर्मा, अश्वनी कुमार, कुलदीप रतूडी, सुरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, कुलदीप आदि उपस्थित रहे। व्याख्यान सत्र मे एमपीएड, बीपीएड तथा बीपीईएस के प्रशिक्षुओं ने कैरियर की दृष्टि से शारीरिक शिक्षा मे सम्भावनायें, निश्चितता, चुनौतियों एवं नये अवसरो से जुडे अपने प्रश्नों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

फोटो वायरल करने की दी धमकी, महिला समेत कई लोगों से मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव झाबरी निवासी एक महिला ने कुछ युवकों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया है कि एक युवक उनकी बहन की बेटी की फोटो शोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा है। जब उस से इस सम्बंध में पूछा गया तो उसने अपने साथियो के साथ मारपीट की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सर्वेश पत्नी शीशपाल निवासी झाबरी ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी बहन की लडकी की शादी झाबरी में हो रखी है और गांव का रहने वाला लडका मोहीत पुत्र मांगा निवासी सराय बिना वजय लड़की का फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। इस सम्बंध में जब मेरे लड़के आनन्द ने मोहित को पुछा तो मोहित उर्फ पीके निवासी सराय ने आनन्द का गिरेवान पकड लिया और उसके साथ जोनी पुत्र भारा निवासी झाबरी पेंसिल पुत्र चवहत्तर सिह निवासी झाबरी प्रदीप पुत्र झबरा सिह निवासी झाबरी जयवीर पुत्र धरा निवासी झाबरी आदि लोगो ने बुरी तरहा से मारपीट की है बीच बचाव करने के लिये में बीच मे आई तो सभी लोगो ने मेरे साथ भी मारपीट कर सर में लोहे की रॉड से वार किया है। जिससे की मेरे सर में गहरी चोट आई है। सर्वेश पत्नी शीशपाल निवासी झाबरी की तहरीर पर पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार नेबताया तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट ने गंगोत्री धाम के लिए रवाना की भोग प्रसाद सामग्री

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट की और से बुधवार को गंगोत्री धाम के लिए भोग प्रसाद सामग्री रवाना की गयी। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी एवं मनसा देवी मंदिर के ट्रस्टी अनिल शर्मा ने निरंजनी अखाड़ा स्थित चरण पादुका मंदिर में पूजन कर एवं हरी झंडी दिखाकर भोग प्रसाद सामग्री को गंगोत्री धाम के लिए रवाना किया। श्रीमहंत रामरतन गिरी ने बताया कि मनसा देवी ट्रस्ट की और से प्रतिवर्ष गंगोत्री धाम के लिए भोग प्रसाद सामग्री भेजी जाती है। अक्षय तृतीया पर गंगोत्री धाम के कपाट खुलने पर अखाड़े से भेजी गयी सामग्री उपयोग में लायी जाएगी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डा. रविंद्रपुरी ने अपने संदेश में कहा कि मां गंगा के चरणों में समर्पित यह भोग सामग्री हरिद्वार और गंगोत्री के मध्य एक आध्यात्मिक जुड़ाव का प्रतीक है। इस अवसर पर श्रीमहंत रामरतन गिरी, मनसा देवी मंदिर के ट्रस्टी अनिल शर्मा, एसएमजेएन कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर डा.सुनील कुमार बत्रा, गंगोत्री धाम के रावल शिव प्रकाश महाराज, स्वामी राज गिरी, डा.विशाल गर्ग, मनसा देवी मंदिर की ट्रस्टी सीमा गिरी, दीपक गिरी, नमन शर्मा, द्वारका प्रसाद मिश्रा, महेश दुबे, राजेश तिवारी, अमन दुबे, टीना टुटेजा ने मां मनसा देवी और मां गंगा से राष्ट्र की सुख-समृद्धि और चारधाम यात्रा के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की।

युद्ध में जान वाले गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील सेठी के संयोजन में पंजाबी समाज के लोगों ने युद्ध में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों और निर्दोष लोगों की स्मृति में गोविंद घाट पर दीपदान कर श्रद्धांजलि दी और मृतकों की आत्मा और विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि इस समय पूरे विश्व में जो हालात हैं, वह चिंताजनक हैं। युद्ध कहीं भी हो उसका प्रभाव हर देश को झेलना पड़ रहा है। आगे हालात और बिगड़ने की तरफ इशारा कर रहे हैं। जो देश को नहीं पूरे विश्व को कई गुना पीछे धकेल देंगे। युद्ध में ज्यादातर निर्दोष लोगों की ही जाने जाती है। मासूम बच्चों की निर्मम हत्या एक असहनीय पीड़ा है। पार्षद हरविंद्र सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या का हल युद्ध नहीं है। सभी देशों को मिलकर विश्व शांति के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। मां गंगा से बड़ा कोई रक्षक नहीं है। इसलिए मां गंगा से प्रार्थना है कि विश्व में शांति हो। जिससे विश्व का कल्याण हो और निर्दोषों पर अत्याचार रुके। दीपदान करने वालों में गिरीश भाटिया, सरदार इकबाल सिंह, हरीश अरोड़ा, संजीव सहगल, भूषण लाल अरोड़ा, अर्पण ग्रोवर, प्रशांत लाम्बा, अमित विरमानी, ओमवीर चौधरी, गौरव भाटिया, सोनू चौधरी, गौरव मनचंदा, रवि बांगा, दिनेश नंदा, लालजी सिंह, अमित अरोड़ा, योगेश चावला, सुरेंद्र अरोड़ा, सौरभ अरोड़ा, रमन सिंह, राहुल अरोड़ा, सचिन अरोड़ा, गौरव भाटिया सहित पंजाबी समाज के कई लोग शामिल रहे।

बाबा साहेब का जीवन दर्शन प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में प्रगत भारत संस्था के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद एकेडमी जूनियर हाईस्कूल श्यामपुर कांगड़ी में बाबा साहेब का जीवन दर्शन विषय पर जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि आर.एल. व्यास ने स्कूल के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। बाबा साहेब के विचारों और संविधान को आत्मसात कर युवा पीढ़ी देश निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। अति विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवन भर शिक्षा, समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष किया। छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सुधीर वर्मा ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष और सफलता की मिसाल है। बच्चों को उनके आदर्शों पर चलकर अपने लक्ष्य प्राप्त करने चाहिए। प्रतियोगिता प्रभारी जितेंद्र धर्मराज ने बताया कि सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे बाबा साहेब के विचारों से जुड़ते हैं। जितेंद्र धर्मराज ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा 8 के ऋषभ ने प्रथम, आरूष पवार ने द्वितीय, कथा 3 के दिव्यांश व कक्षा 4 के देवांजन बनर्जी ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6 की तृषा पाल, कक्षा 7 की आरती ने सांत्वना पुरूस्कार प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रगत भारत संस्था के पदाधिकारी सुदीप बनर्जी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों का ज्ञानार्जन होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. कमलेश कांडपाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उप प्रधानाचार्य कविता बनर्जी, विद्यालय व्यवस्था प्रमुख कु.स्वाति, कु. गीता पाल, कु. मीनू, कु. रचना, कु. दीपिका, कु. चित्रा, भोजन माता रिंकी कश्यप ने आयोजन में सहयोग दिया।

अंबेडकर जयंती पर किया विचार गोष्ठी का आयोजन

संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है डा. अंबेडकर का जीवन : कौशिक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अंबेडकर जयंती के अवसर पर डा.भीमराव अंबेडकर कार्यक्रम समिति मोहल्ला कड़च्छ ज्वालापुर विचार गोष्ठी का आयोजन कियागया। अंबेडकर चौक पर आयोजित गोष्ठी के दौरान समिति के पदाधिकारियों व अतिथीयों ने बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथी कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि डा. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्यामल कुमार ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। सभी को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाज के उत्थान में योगदान करना चाहिए।

समिति के अध्यक्ष रवि प्रकाश, उपाध्यक्ष आशीष कुमार, संयोजक सुनील कुमार, महामंत्री अश्वनी कुमार, कोषाध्यक्ष गुलशन पालीवाल, सहसंयोजक प्रशांत कुमार, ऑडिटर शिवपाल, प्रचार मंत्री सतीश कुमार, सदस्य मानसिंह, रविंद्र दास एवं पंकज कुमार मौजूद रहे।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरा पुत्र मुकीम मेरे कहने सुनने में नहीं है इसलिए मैं उसे अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद करता हूँ। भविष्य में मुकीम द्वारा किसी भी कृत्य व लेन-देन कार्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। जब्बार पुत्र यामीन, निवासी ग्राम हल्लूमजरा थाना भगवानपुर, जिला हरिद्वार।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी

ब्यूरो चीफ

शाह टाइम्स हरिद्वार

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

चकराता में 'शून्य होम डिलीवरी' का लक्ष्य

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता ब्लॉक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कदम उठाते हुए 'शून्य होम डिलीवरी' का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चकराता में बुधवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन तोमर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड सरकार के स्वास्थ्य सचिव के निर्देशों के अनुपालन पर जोर देते हुए क्षेत्र में शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन तोमर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में घर पर प्रसव नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने एएनएम, आशा फैसिलिटेटर और आशा कार्यकर्ताओं को टीम भावना के साथ कार्य करने को कहा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सियाणा और ग्राम प्रधानों के सहयोग पर जोर दिया गया। साथ ही हाई रिस्क प्रेगनेंसी (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी और समय रहते अस्पताल में भर्ती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, जो गर्भवती महिलाएं छानी, बगीचों या मायके में प्रवास पर रहती हैं, उनकी नियमित ट्रैकिंग फोन और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से करने को कहा गया। आशा कार्यकर्ताओं को जननी सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाली 1400 की सहायता राशि तथा 'ईजा-बोई' योजना के अंतर्गत 48 घंटे अस्पताल में रहने पर 2000 की सहायता की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही 108 एम्बुलेंस सेवा और 'खुशियों की सवारी' जैसी सुविधाओं के प्रति भी लोगों को जागरूक करने को कहा गया। बैठक में विभाग ने स्पष्ट किया कि यदि किसी क्षेत्र में होम डिलीवरी होती है तो संबंधित कर्मचारी को 24 घंटे के भीतर लिखित रूप में यह बताना होगा कि उन्होंने जागरूकता के लिए क्या प्रयास किए। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करते हुए व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक अश्विनी कुमार, ब्लॉक समन्वयक महावीर सिंह राणा, काउंसलर बलबीर सिंह रावत, कृपाराम शर्मा, सौरभ कुमार सहित क्षेत्र की सभी एएनएम और आशा फैसिलिटेटर उपस्थित रहे।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास का प्रतीक

श्रीनगर। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण किए जाने पर बार एसोसिएशन श्रीनगर ने खुशी जाहिर की है। बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन सिंह भंडारी, वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ.शकर काला तथा बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप श्री पांथरी ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। संरक्षक अनूप श्री पांथरी ने कहा कि दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की प्रगतिशील सोच और तीव्र गति से आगे बढ़ते विकास का प्रतीक है। यह कॉरिडोर उत्तराखंड को देश की राजधानी से अत्याधुनिक और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे पर्यटन क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी, व्यापारिक गति. विधियों में विस्तार होगा।

चकराता की स्वर्णिका राणा ने 99.2 प्रतिशत अंक लाकर किया स्कूल टॉप

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता क्षेत्र के जौनसार पब्लिक स्कूल की मेधावी छात्रा स्वर्णिका राणा ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की हाईस्कूल परीक्षा में 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

स्वर्णिका राणा की शिक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दसवीं तक जौनसार पब्लिक स्कूल, चकराता से ही हुई है। उनके पिता आनंद राणा छावनी परिषद चकराता के पूर्व सदस्य रह चुके हैं, जबकि माता संगीता राणा गृहिणी हैं। स्वर्णिका ने बताया कि वे आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती हैं और सिविल सेवा में भी अपना

योगदान देना उनका लक्ष्य है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उनके इस परिणाम ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जौनसार-बावर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। वहीं, विद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। अंशिका राठौर ने 93.0 प्रतिशत और आस्था परमार ने 89.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। तीनों छात्राओं की इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है।

विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सभी छात्राओं की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चकराता व्यापारमंडल अध्यक्ष केसर सिंह चौहान, कमल रावत पूर्व छावनी सदस्य, दिनेश चांदना, चंदन रावत, देवेंद्र सिंह, अनिल चांदना, नैन सिंह राणा आदि लोगों ने भी छात्राओं की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।

श्रीनगर में जनगणना-2027 के लिए प्रगणकों का प्रशिक्षण शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। तहसील श्रीनगर में जनगणना-2027 के अंतर्गत ग्रामीण आबादी के मकान सूचीकरण कार्य को लेकर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण बुधवार से शुरू हो गया है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रगणकों को घर-घर जाकर किए जाने वाले सर्वे, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। जनगणना-2027 के तहत 25 अप्रैल 2026 से 24 मई 2026 तक प्रगणक क्षेत्र में जाकर मकान सूचीकरण का कार्य संपादित करेंगे।इसके अतिरिक्त, आम नागरिकों को भी स्वगणना का विकल्प प्रदान किया गया है। इसके तहत 10 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक व्यक्ति स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन माध्यम से दर्ज कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी एवं उप खंड जनगणना अधिकारी श्रीनगर नुपर वर्मा, तहसीलदार दीपक सिंह भंडारी, फील्ड ट्रेनर भगवती प्रसाद गौड़, शिव प्रसाद बलूनी, रजिस्ट्रार कानूनगो प्रवीन रावत, रजत मुयाल सहित आदि मौजूद थे।

रोवर-रेंजर्स ने निपुण जांच परीक्षा शिविर में किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डाकपत्थर के 6 रोवर एवं 6 रेंजर्स ने उत्तराखंड भारत स्काउट एंड गाइड्स द्वारा कैंपिंग सेंटर भोपालपानी, देहरादून में आयोजित निपुण जांच परीक्षा शि. विर में प्रतिभाग कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

महाविद्यालय के रोवर दल में हर्षित, पीयूष नेगी, विवेक वर्मा, अमित कुमार, निमेष शर्मा तथा सौरभ गोसाई ने प्रतिभाग किया। वहीं रेंजर दल में दिया रावत, शिखा तोमर,

वंशिका चौहान, प्रीति, यीशु राणा तथा नेहा ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर में पूरे प्रदेश के 14 महाविद्यालयों के रोवर-रेंजर्स ने भाग लिया और विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों एवं परीक्षाओं में सम्मिलित होकर अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। यह परीक्षा शिविर एसओसी बीएस बिष्ट एवं डीटीसी रेंजर्स गायत्री साहू के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को बी.पी. सिक्स, मॉक ध्वज, शिष्टाचार तथा सर्वधर्म प्रार्थना जैसे महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही अनुशासन, नेतृत्व, सेवा भावना और समूह में कार्य करने की क्षमता विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। डाकपत्थर महाविद्यालय की टीम का नेतृत्व रेंजर लीडर डॉ. माधुरी रावत ने किया। रोवर्स रेंजर्स के इन छात्रों के महाविद्यालय आगमन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी ने सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रादेशिक सचिव भारत स्काउट एंड गाइड्स रविंद्र मोहन काला आदि मौजूद रहे।

एक नजर ....

बांध प्रभावित व विस्थापितों का धरना जारी

नई टिहरी। टिहरी गढ़वाल जन-अधिकार संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में टिहरी बांध से प्रभावित व विस्थापितों का धरना-प्रदर्शन बुधवार को 48वें दिन भी गणेश चौक पर जारी रहा। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनकारी लगातार सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि छह सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से आंदोलनकारियों की कोई सुध नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की अनदेखी के चलते आंदोलनकारियों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। टिहरी बांध के निर्माण से प्रभावित लोगों ने अपनी पुश्तैनी जमीन और मकान खो दिए हैं। ऐसे में बांध से मिलने वाली रायल्टी का प्राथमिक उपयोग प्रभावितों के विकास कार्यों में किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि प्रभावितों व विस्थापितों को बिजली और पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं निश्शुल्क उपलब्ध कराई जाएं, जबकि शेष धनराशि उनके विकास पर खर्च हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। इस दौरान मानवेंद्र रावत, देवांक चमोली, राम अवतार, भगवानदेई तोपवाल, सबल कुमार, रविराज, एकादशी देवी, शीला देवी, कमला देवी, अनीशा खान, गोविंदराम बिजल्वाण आदि मौजूद रहे।

घोड़ा-खच्चरों के बीमा पर 80 फीसदी अनुदान दिया जाए: आर्य

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने गौरीकुंड-केदारनाथ यात्रा मार्ग पर संचालित घोड़ा-खच्चरों के बीमा के लिए 80 प्रतिशत अनुदान यात्रा व्यवस्था खाते से देने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ यात्रा में गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच करीब 5000 खच्चरों के लाइसेंस जारी होते हैं। इस वर्ष यात्रा मार्ग पर संचालन से पहले घोड़ा-खच्चरों का बीमा कराना अनिवार्य किया गया है। वर्ष 2025 तक बीमा राशि का 80 प्रतिशत सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दिया जाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों से यह योजना बंद होने के कारण संचालकों को राहत नहीं मिल पा रही है। यशपाल आर्य ने कहा कि पूर्व विधायक मनोज रावत ने भी इस समस्या से अवगत कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में घोड़ा-खच्चरों से लिए गए शुल्क से यात्रा व्यवस्था खाते में 40 करोड़ 15 लाख 50 हजार 100 रुपये जमा हुए, जबकि करीब 36 करोड़ 59 लाख 85 हजार 385 रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इस राशि का बहुत कम हिस्सा घोड़ा-खच्चरों से जुड़े कार्यों पर खर्च हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि इस वर्ष 5000 खच्चरों के बीमा पर 80 प्रतिशत अनुदान यात्रा व्यवस्था खाते से दिया जाए तो केवल करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।

अब रात्रि 10 बजे तक खुलेगें गढ़वाल विवि में रीडिंग रूम

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विवि में पुस्तकालय के रीडिंग रूम को खोलने को लेकर चल रहा आइसा छात्र संगठन का धरना समाप्त हो गया है। मंगलवार देर सांय विवि के अधिकारियों के साथ चली वार्ता में रीडिंग रूम कि समय सीमा बढाएं जाने की निर्णय लिया गया है।

छात्र संघ उपाध्यक्ष शीवांक नौटियाल ने कहा कि आइसा छात्र संगठन के संघर्ष के बलबूते आज पुस्तकालय सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक पुस्तकालय के रीडिंग रूम खोलने का निर्णय लिया है। बताया कि चौरस और बिड़ला परिसर स्थित पुस्तकालय के लिए निर्धारित की गई समय सीमा के अनुसार खुली रहेगी। बताया कि यह व्यवस्था आगामी 21 अप्रैल से शुरू

■ दो दिनों तक चला आइसा छात्र संगठन का धरना समाप्त

की जायेगी। कहा कि आइस छात्र संगठन लम्बे समय से रीडिंग रूम कि समय-सीमा बढाएं जाने कि मांग कर रहा था।

इस संदर्भ में आइसा छात्र संगठन ने गढ़वाल विवि के कुलपति, कुलसं. चव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण को ज्ञापन प्रेषित कर पुस्तकालय के रीडिंग रूम कि समय सीमा बढाएं जाने की मांग की थी, लेकिन गढ़वाल विवि के अधिकारियों द्वारा छात्रों की मांगों को अनसुना किया गया। जिसके चलते छात्रों ने पुस्तकालय के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू किया।

दो दिनों तक चले धरने के बाद छात्रों से वार्ता करने पहुंचे गढ़वाल विवि के अधिकारियों ने सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक पुस्तकालय के रीडिंग रूम खोलने का निर्णय लिया है।

बताया कि रीडिंग रूम में सीटे बढाएं जाने कि मांग की गई, जिसपर विवि प्रशासन ने जल्द सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौके पर पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष रोबिन सिंह असवाल, पूर्व छात्रा प्रतिनिधि प्रियंका खत्री, आइसा नगर अध्यक्ष अरुणेश मिश्रा, युवराज, सिंह प्रिंस, हार्दिक, स्वाति, संतोषी, रचना, शशिकांत, प्रखर मिश्रा सहित आदि मौजूद थे।

सेपियंस विद्यालय में एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का आयोजन

■ 20 लड़के और 7 लड़कियों का किया गया चुनाव

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सेपियंस स्कूल हरबर्टपुर में कक्षा 8 और 9 के छात्रों का एनसीसी की भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। जिसमे 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। भर्ती प्रक्रिया को 29 यूके बटालियन एनसीसी ट्रेनर सीएचएम विशाल थापा तथा हवलदार. पीके अधिकारी की उपस्थिति में किया गया।

उन्होंने विद्यार्थियों का विभिन्न व्यायामों जैसे 1200 मीटर की दौड़, पुशअप्स तथा सिट अप्स के माध्यम से शारीरिक परीक्षण किया। तत्पश्चात उनकी लिखित परीक्षा भी आयोजित की गई तथा इनके आधार पर ही परिणाम घोषित किया गया। जिसमें 20 लड़के और 7 लड़कियों का एनसीसी की भर्ती के लिए चुनाव किया गया। इस अवसर पर विद्यालय शैक्षणिक निर्देशिका रश्मि गोयल तथा प्रधानाचार्या गीता नेगी ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के आयोजन में द्वितीय ऑफिसर निशा चौहान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छात्रों को दी एआई एवं साइबर सिक्योरिटी कि जानकारी

■ राइंका खण्डाह में कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। कारगिल शहीद कुलदीप सिंह राजकीय इंटर कालेज खण्डाह में ग्रीन पहाड़ी फाउंडेशन द्वारा बुधवार को एआई एवं साइबर सिक्योरिटी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यूकॉस्ट द्वारा प्रायोजित कार्यशाला के संयोजक व प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ अंकित उछोली ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को बताते हुए वर्तमान समय में नवीन तकनीकियों व ए आई के महत्व को छात्रों के अध्ययन के लिए सहायक एवं महत्वपूर्ण बताया।

कहा कि आगामी दिनों में विभिन्न सरकारी विद्यालयों में ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। मौके पर हिमांशी नौटियाल ने विद्यालय के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शिक्षा पर प्रभावों के बारे में जानकारी दी। तुषार नेगी ने साइबर सिक्योरिटी के बारे में बताया। कार्यक्रम का संच. ालन विद्यालय के शिक्षक महेश गिरी ने किया।

कार्यक्रम में विद्यालय स्तर पर फूलदेई पर आयोजित पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता के विजेता सारिका, नाजिया परवीन, दिव्या, आंचल व सोनाली उनियाल को सम्मानित किया गया।

मौके पर फांउडेशन के प्रवेश बुटोला, अरुणेश मिश्रा, प्रिंस वर्मा के साथ ही विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य गोविंद नथवान, कुंजि. का प्रसाद सकलानी, जसपाल बिष्ट, हेमचंद्र मंमगाई, संतोषी रौथन, कुसुमलता थपलियाल, लक्ष्मी सेन, पूनम नेगी सहित आदि मौजूद थे।

बावड़ी मेले में लोगों ने बर्तन व अन्य सामानों की जमकर की खरीददारी

■ शाम के समय रोशनी से नहाई चरखियां आकर्षण का केंद्र रही

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। बैसाखी पर्व पर बुधवार को गंगभेवा बावड़ी में मेले हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने श्री महादेव जी गौतमाश्रम मंदिर के दर्शन किए। शाम के समय रोशनी में नहाई चरखियां आकर्षण का केंद्र रही। स्थानीय लोगों के साथ ही पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग मेले का लुत्फ उठाने पहुंचे। लोगों ने बर्तन, कृषि औजारों के साथ ही दूसरे सामानों की खूब खरीददारी की। लोगों की भीड़ देख दुकानदारों के चहेरे भी खिल उठे। महिलाओं और बच्चों ने चाट और जलेबी का स्वाद चखा। मेले में बड़ी-बड़ी चरखियों के साथ ही इलेक्ट्रानिक झूले आकर्षण का केंद्र बने रहे। खिलौने की दुकानों में बच्चों की खासी भीड़ देखी गई। मिट्टी के बर्तनों की भी खूब बिक्री हुई। इस मेले में हर साल बड़ी संख्या में कुम्हार दुकान लगाने पहुंचते हैं।

प्रतापनगर की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन 17 को

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं और हाल ही में हुई घटनाओं को लेकर कांग्रेस की ओर से 17 अप्रैल को जिला मुख्यालय का घिराव और प्रदर्शन किया जाएगा।

जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह सहित करीब चार से पांच हजार कार्यकर्ता प्रतिभाग करेंगे।

बुधवार को न्यू टिहरी प्रेस क्लब में प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने प्रेसवार्ता आयोजित करते हुए बताया कि 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता नई टिहरी के हनुमान चौक पर एकत्रित होंगे, यहां से कलेक्ट्रेट परिसर तक जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन के माध्यम से प्रतापनगर और आसपास के क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों के प्रति शासन-प्रशासन की आंखें खोलने का प्रयास किया जाएगा। बताया कि क्षेत्र में मोटणा-डोबरा सड़क लंबे समय से खस्ताहाल है। जिसको लेकर शासन प्रशासन से मांग की जा रही है और इसका डामरीकरण किया जाना बेहद जरूरी है। क्षेत्र में फिकवाल और जगवाड़ी समुदाय के लोगों को ओबीसी का दर्जा देकर केंद्रीय सूची में शामिल किया जाए। क्षेत्र में उत्तर की द्वारका का कहे जाने वाले सेम नागराजा मंदिर तक 1600 मीटर पैदल पाथ पर मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत कैनोपी लगाई जाए, जिससे यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को लाभ मिल सके। एडीबी परियोजना के तहत बनाई जा रही रिंग रोड के गाड़-गदेरों को कैम्पटी फाल की तर्ज पर विकसित किया जाए और रिंग रोड में आने वाले होटल, होमस्टे आदि के स्वामियों को व्यावसायिक दरों पर भुगतान किया जाए। उन्होंने सरकार पर एलपीजी गैस की कीमत को लेकर भी तंज कसा। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पर्याप्त सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल, नगर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, पूर्व प्रमुख विजय गुनसोला, पीसीसी सदस्य देवेंद्र नौडियाल, गब्बर सिंह रावत, सौरभ आदि मौजूद रहे।

13वीं राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। डॉल्फिन पीजी इंस्टिट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून में 16 एवं 17 अप्रैल को आयोजित होने वाली 13वीं राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री विनोद ढोंडियाल के नेतृत्व में की गई।

बैठक में जिला समन्वयक श्री सुधीर कांति द्वारा प्रतियोगिता की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे प्रतिभागियों के आवागमन, आवास, भोजन तथा कार्यक्रम के सफल संचालन से संबंधित तैयारियों की

■ डॉल्फिन पीजी इंस्टिट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून में 16 एवं 17 अप्रैल को आयोजित

जानकारी दी।

इस प्रतियोगिता में राज्य के 13 जनपदों से लगभग 129 बाल वैज्ञानिक एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

बैठक के दौरान आयोजन स्थल तक प्रतिभागियों के सुगम पहुंच, आवासीय व्यवस्था, भोजन, उद्घाटन समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के स्वागत एवं प्रोटोकॉल अनुपालन, तथा बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों के निरीक्षण संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

सभी प्रभारी एवं सह-प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या व्यवधान उत्पन्न न हो तथा प्रतिभागियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर डॉल्फिन इंस्टिट्यूट के निदेशक डॉ. वी. के. नागपाल ने आयोजन के सफल संचालन हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में डॉ. ज्ञानेंद्र अवस्थी, प्रशासनिक अधिकारी सुधीर भारती, प्रधानाचार्य शैलेश कुमार श्रीवास्तव, दिनेश चंद्र नौटियाल, जिला संदर्भ दाता रिचा जुयाल, समन्वयक संजय मौर्य (चकराता), सरदार दलजीत सिंह (रायपुर), मीडिया प्रभारी सुरेंद्र कुमार सहगल, आशीष डबराल (कालसी), दिग. बर सिंह नेगी (विकासनगर), पवन शर्मा एवं वीरेंद्र रावत (सहसपुर), नरेश कोटनाला, राजीव अग्रवाल, स्मिता सेमवाल, स्वाति गुसाईं, सारिका सिरोही, रमन कुमार, कविता रावत, विजय द्विवेदी, राक. ेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की टिहरी और कोटेश्वर परियोजनाओं में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन इकाई की ओर से अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में प्रतीकात्मक स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। अग्निशमन सेवा दिवस पर सीआइएसएफ के कमांडेंट गौरव तोमर ने कहा कि अग्नि सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामूहिक दायित्व है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि अपने कार्यस्थल व घरों में अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करें और जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने अग्निशमन कर्मियों के साहस, समर्पण व कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज व राष्ट्र के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। बताया कि वर्ष 2026 के राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस की थीम सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित चिकित्सालय व अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज-आग की रोकथाम के लिए एक साथ निर्धारित की गई है। 14 से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

इन प्रतियोगिताओं में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल व उनके परिवार की महिलाएं, टीएचडीसीआइएल के कर्मचारी और उनके परिवार की महिलाएं भाग लेंगी।

इस मौके पर उपकमांडेंट दिनेश चंद्र शुक्ला, टीएचडीसी के अपर महाप्र. बंधक वीरेंद्र दत्त सेमवाल, उप महाप्रबंधक एचपी भट्ट, उपप्रबंधक पुरुषोत्तम सिंह रावत, कनिष्ठ अभियंता आयुष मौर्य, कैलाश ठाकुर, सहायक कमांडेंट राजेश कुमार, निरीक्षक संजय कुमार ध्यानी आदि मौजूद रहे।

फीस वृद्धि के खिलाफ महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में लगातार बढ़ रही स्कूल फीस और शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बुधवार को कार्यकर्ताओं ने धन सिंह रावत के आवास का घेराव कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। ज्योति रौतेला ने आरोप लगाया कि निजी स्कूल मनमाने तरीके से फीस बढ़ाकर अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। कई स्कूल अभिभावकों को निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिससे कमीशनखोरी को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से प्रदेशभर के अभिभावक परेशान हैं, लेकिन सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि सरकार स्कूल फीस पर नियंत्रण लगाने और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए। ज्योति रौतेला ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो महिला कांग्रेस प्रदेशभर में उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने अभिभावकों से भी इस जनहित के आंदोलन में जुड़ने की अपील की। प्रदर्शन में कई कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा 2026 के सफल और सुरक्षित संचालन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) डॉ. वी. मुरगेशन ने बुधवार को उत्तरकाशी पहुंचकर दो दिवसीय दौरे के दौरान यात्रा और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। पुलिस लाइन ज्ञानसू में आयोजित ब्रीफिंग में उन्होंने यात्रा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि 19 अप्रैल से यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ यात्रा शुरू हो जाएगी। शुरुआती दिनों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सभी को अतिरिक्त सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा ड्यूटी केवल जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि पुण्य का कार्य भी है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है। पुलिस कर्मियों को ईमानदारी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से अपनी ड्यूटी निभानी होगी, ताकि यात्रियों को सरल, सुगम और सुरक्षित यात्रा अनुभव मिल सके।

■ ब्रीफिंग में यात्रा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एडीजी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि बैरियर प्वाइंट्स पर श्रद्धालुओं को अनावश्यक रूप से न रोका जाए और पंजीकरण व मेडिकल जैसी प्रक्रियाओं को न्यूनतम समय में पूरा किया जाए। साथ ही यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और धामों में सुव्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। सोशल मीडिया पर निगरानी को लेकर भी सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने जानकारी दी कि इस बार यात्रा को 2 सुपरजोन, 12 जोन और 30 सेक्टर में विभाजित किया गया है। सुरक्षा के लिए करीब 600 पुलिस, होमगार्ड और पीआरडी जवानों के साथ एसडीआरएफ, फायर सर्विस, पीएसी और एटीएस की टीमें तैनात की गई हैं। इस वर्ष यात्रा की थीम "सुरक्षा, सुविधा एवं सम्मान" रखी गई है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी अपनी कार्ययोजना साझा करते हुए आश्वा. सन दिया कि समन्वय के साथ यात्रा को सुरक्षित, सरल और सुविधाजनक बनाया जाएगा।

ब्रीफिंग में मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह, अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार, पुलिस उपाधीक्षक चंचल शर्मा सहित कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन उत्कृष्ट

हल्द्वानी। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है, जिसमें इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन बेहद प्रशंसनीय रहा। इस साल कक्षा 10वीं में 163 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 72 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। प्रकृति पाण्डे ने 99 प्रतिशत, दिगविजय सिंह अधिकारी ने 98.6 प्रतिशत और देवांश जोशी ने 98.4 प्रतिशत अंक हासिल किए।

लखवाड़ बहुद्देशीय परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण

देहरादून। यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा यमुना नदी पर निर्माणाधीन 300 मेगावाट की लखवाड़ बहुद्देशीय परियोजना के कार्यों की प्रगति का भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय के सचिव वी.एल. कांताराव द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया गया। राष्ट्रीय परियोजना घोषित इस महत्वाकांक्षी परियोजना का महत्व इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारत सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा इसके निर्माण कार्यों का निरंतर अनुश्रवण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सचिव वी.एल. कांताराव ने परियोजना के विभिन्न घटकों एवं संरचनाओं का गहन अवलोकन कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात अल्प समय में परियोजना कार्यों को गति प्रदान करने हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना निर्धारित समयावधि में पूर्ण होगी। निरीक्षण उपरांत परियोजना की प्रगति की समीक्षा हेतु सचिव द्वारा निगम एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने बताया कि समीक्षा बैठक में सचिव, जलशक्ति मंत्रालय ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को परियोजना के कार्यों के प्रभावी अनुश्रवण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर उसके अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जलशक्ति मंत्रालय के सचिव वी.एल. कांताराव के साथ केन्द्रीय जल आयोग के सदस्य (डिजाइन एवं अनुसंधान) रीडिंग शिमरे, आयुक्त (राज्य परियोजना) प्रवीन कुमार, मुख्य अभियंता (डिजाइन) विवेक त्रिपाठी, निदेशकगण समर्थ अग्रवाल, मोहम्मद आफाख, नरेंद्र शेखावत, भारतीय भूगर्भिक सर्वेक्षण विभाग के निदेशक ए.पी. थपलियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में 471 हाजियों को सिखाए गये अरकान

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड से इस वर्ष हज यात्रा के लिए कुल 13,48 जायरीनों का चयन हुआ है, जिनमें से अधिकतर यात्रियों ने अपनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। हज यात्रा के लिए रवानगी 18 अप्रैल से शुरू होगी। चयनित हाजियों में बिना मेहरम के यात्रा करने वाली 65 वर्ष से अधिक आयु की दो महिलाएं और एक 45 वर्षीय महिला भी शामिल हैं।

बुधवार को हज कमेटी की ओर से मदरसा जमीउल उलूम माजरा, देहरादून में हाजियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 471 हाजियों को हज के अरकान (रीतियों) की विस्तृत जानकारी दी गई और यात्रा के दौरान अपनाई जाने वाली जरूरी सावधानियों से अवगत कराया गया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के उप निदेशक हीरा सिंह बसेड़ा ने हाजियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि हज यात्रा का मौका मिलना बेहद सौभाग्य की बात है। उन्होंने अपील की कि सभी हाजी देश, समाज और विश्व में अमन-चैन के लिए दुआ करें। साथ ही यह भी कामना की गई कि सभी का सफर आसान और सुरक्षित रहे। कार्यक्रम में हज कमेटी के अध्यक्ष खतीब अहमद, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के उप निदेशक हीरा सिंह बसेड़ा, मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, मुफ्ती रईस अहमद कासमी, मुफ्ती हुजैफा कासमी, मुफ्ती शहजाद कासमी, मौलाना एजाज अहमद कासमी, मुफ्ती मन्नान रजा, अबरार हुसैन, मुफ्ती ताहिर कासमी, मास्टर मुस्तकीम हसन, मास्टर अब्दुल सत्तार, जाकिर अंसारी, पूर्व पाषर्द आफताब आलम, अकील अहमद, हज अधिकारी मोहम्मद अहसान, शाहिद, अब्दुल कादिर, मोहम्मद इजहार, मोहम्मद शादाब, गुलशन, महताब जैदी, आदि मौजूद रहे। हज यात्रा के दौरान हाजियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए 9 स्टेट हज इंस्पेक्टर भी तैनात किए जाएंगे। इनमें गुलजार, शकील अहमद, मो. हसिन, तारिक हुसैन और जावेद अहमद प्रमुख रूप से शामिल हैं। हज कमेटी ने सभी हाजियों को समय पर जरूरी दस्तावेज और दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है, ताकि उनकी यात्रा सुगम और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

■ हज के लिये चयन होना सौभाग्य की बात: बसेड़ा, हज कमेटी अध्यक्ष व वक्फ बोर्ड यक्ष ने किया शुभारंभ

हार्ट अटैक मरीज को हेली सेवा से एम्स ऋषिकेश पहुंचाकर बचाई जान

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से हुई कार्रवाई

रुद्रप्रयाग। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की तत्परता और समन्वित कार्रवाई से एक गंभीर हृदय रोगी की जान बचाने में सफलता मिली। हार्ट अटैक से पीड़ित मरीज को समय रहते हेली सेवा के माधयम से उच्च चिकित्सा संस्थान एम्स ऋषिकेश पहुंचाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जखोली निवासी 41 वर्षीय कुंदीलाल को हार्ट अटैक आने पर जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग लाया गया, जहां चिकित्सकों ने तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों द्वारा थ्रोम्बोलाइसिस एवं इंटयूबेशन जैसी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाएं की गई। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल यूकाडा के सहयोग से हेली एम्बुलेंस की व्यवस्था की। इसके तहत मरीज को गुलाबराय हेलीपैड से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश के लिए रवाना किया गया। हेली एम्बुलेंस टीम ने पूरे रास्ते मरीज की स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यक उपचार जारी रखा और सुरक्षित रूप से एम्स ऋषिकेश की इमरजेंसी में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों द्वारा मरीज की स्थिति को स्थिर किया गया। वर्तमान में मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है और आगे का उपचार जारी है।

इस अभियान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रामप्रकाश, जिला चिकित्सालय के चिकित्सक ड. अथिरा एवं डा. दीपिका कांडपाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, कैप्टन राजेश भारद्वाज तथा विक्रम भारद्वाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह घटना आपातकालीन परिस्थितियों में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं की मुस्तैदी एवं बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल

पत्रांक: 58/कोटेशन/न0पा0प0/2025-26/नरेन्द्र नगर | दिनांक: 15 अप्रैल, 2026

अल्पकालीन कोटेशन सूचना

नगर पालिका परिषद्, नरेन्द्र नगर के द्वारा नगर क्षेत्र के सौन्दर्यकरण हेतु नगर के मुख्य मार्ग पर म्यूरल पेन्टिंग (पहाड़ी संस्कृति पर आधारित मानव आकृति) का कार्य कराये जाने हेतु इच्छुक फर्मो /संस्थानों / व्यक्तियों / उक्त कार्य को करने वाली संस्थाओं से कोटेशन के माध्यम से दरें आंमत्रित की जाती है, जो दिनांक 22 अप्रैल, 2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में कोटेशन नगर पालिका परिषद्, नरेन्द्र नगर के कार्यालय में आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन अपरान्ह 02:30 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा पालिका कार्यालय में खोले जायेंगे। निर्धारित तिथी एंव समय के पश्चात् प्राप्त कोटेशनों पर विचार नहीं किया जायेगा। कोटेशन से सम्बन्धित नियम एंव शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस को पालिका कार्यालय से ज्ञात की जा सकती है। कोटेशनों को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार प्रशासक, नगर पालिका परिषद्, नरेन्द्र नगर को निहित होगा।

क्र0सं0	कार्य का विवरण	दर
1	म्यूरल पेन्टिंग (पहाड़ी संस्कृति पर आधारित मानव आकृति) का कार्य।	प्रति वर्ग मीटर

(एलम सिंह रावत)
अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद,
नरेन्द्र नगर, टि0ग0।

कार्यालय कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, अगस्तयमुनि रूद्रप्रयाग

EMAIL-bsa.rpg@gmail.com

पत्रांक : 11/कृ.भू.सं.अ. रुद्रप्रयाग/भण्डार/ठेकेदार पंजी०/2026-27/ | दिनांक 15.04.26

श्रेणी ''डी'' एवं ''ई'' में ठेकेदारी हेतु पंजीकरण के संबंध में विज्ञप्ति/सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि निदेशक, उत्तराखण्ड देहरादून के कार्यालय पत्रांक-कृ.नि./1299/तक. सम्प्रे./नियमावली ठेके.पंजी./2019-20, दिनांक-17.06.2019 के क्रम में कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई, रुद्रप्रयाग, के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के सिविल कार्यों जैसे घेरबाड़, सिंचाई टैंक, सिंचाई गूल, चैकवॉल, चैकडैम, रिटेनिंगवॉल, ब्रस्टवॉल, कच्चेतालाब, पौधरोपण, मृदा कार्य आदि के सम्पादन किए जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2026-2027 में ठेकेदारों/संस्थाओं का पंजीकरण किया जाना है। इच्छुक ठेकेदार/संस्थाएँ जो कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई, रूद्रप्रयाग, के अधीन विकासखण्ड अगस्तयमुनि, जखोली, ऊखीमठ के क्षेत्र के अन्तर्गत उपरोक्त विवरण के अनुसार कार्य करने एवं पंजीकरण कराने हेतु इच्छुक हों वे आवेदन के प्रारूप एवं शर्ते किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 20.04.2026 से 05.05.2026 तक प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे के मध्य श्रेणी ''डी'' हेतु मु. 1000.00+18 प्रतिशत जी.एस.टी. कुल 1180.00 (एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) एवं श्रेणी ''ई'' हेतु मु० 500.00+18 प्रतिशत जी.एस.टी. कुल 590.00 (पांच सौ नब्बे रू. मात्र) का नगद भुगतान कर प्राप्त कर सकते है। पंजीकरण हेतु सभी आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन जमा करने की अन्तिम तिथि 05.05.2026. होगी। अन्तिम तिथि के पश्चात् किसी भी आवेदन पर विचार नही किया जायेगा

कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी,
अगस्तयमुनि, रुद्रप्रयाग

सफाई कर्मचारियों ने तीन दिन का दिया अल्टीमेटम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लंबित पड़ी 15 सूत्रीय मांगों का समाधान ना होने पर नाराज देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने बुधवार को नगर निगम परिसर में निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने ऐलान किया कि अगर तीन दिन के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो वह अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। बुधवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले दर्जनों कर्मचारी एकत्र हुए और लंबित पड़ी मांगों को पूरा करने की मांग की। धरना स्थल पर हुई सभा पर कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पूर्व में हुए समझौते के बावजूद एसीपी का लाभ अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

वक्ताओं ने कहा कि पिछले सात माह में सात बार रिमाइंडर दिए जाने के बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम प्रबंधन लगातार कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है, जिससे सफाई कर्मियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि पूर्व में हुए समझौते के अनुसार एसीपी का लाभ शीघ्र दिए जाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक उसे लागू नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में ठगे जाने की भावना उत्पन्न हो रही है। संघ के पदाधिक. ारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो वह अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

धरना प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष राहत मसीह, उपाध्यक्ष अमरदीप वाल्मीकि, शाखा अध्यक्ष अशोक चौधरी, महामंत्री श्याम सुंदर सहित विजय तोमर, विशाल, सिद्धार्थ, चंदन बजारी, रोहित, राजेश भारती, बलवीर, राजेश खन्ना, प्रमोद, रुपेश, रोहित मसीह, रवि, जयप्रकाश, अमित, विश्वास, विजयपाल समेत कई सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

सूचना

मेरा पुत्र दानवीर प्रसाद, मेरे कहने-सुनने में नहीं है। लिहाजा मै उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करती हूँ। इसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य/लेन देन के लिये मैं उत्तरदायी नही हूँगी।

श्रीमती भागीरथी देवी पत्नी
स्व. विद्यालाल,
ग्राम-वागी, पो.- किन्सुर, पट्टी
विचला ढांगू, पौड़ी गढ़वाल

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड गैरसैंण

पत्रांक 116/सिं.उ.ख. गै./निविदा/ गैरसैंण | दिनॉक : 15.04.2026

निविदा सूचना संख्या: 01 / स.अ.-तृतीय/ 2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड़ की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु अलग-अलग मुहरबन्द निविदायें सिंचाई विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 29.04.2026 को 3:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं, जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित निविदादाताओं/प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निविदा खोलने की तिथि से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. स.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू. में)	कार्य की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. मे)	ठेकेदार की श्रेणी
(अ)	आपदा न्यूनीकरण मद के अन्तर्गत कार्यो का विवरण।				
1	विकासखण्ड गैरसैंण में आदिबद्री में राजकीय इण्टर कॉलेज आदिबद्री व आवासीय भवनों की बरसाती नाले से कटाव सुरक्षा कार्य।	8300.00	3 माह	500+ 18% GST	ई एवं उच्चतर
2	विकासखण्ड गैरसैंण में घंडियाली गॉव बाढ सुरक्षा कार्य।	8800.00	3 माह	500+ 18% GST	ई एवं उच्चतर
3	विकासखण्ड गैरसैंण अन्तर्गत पीपलचट्टी में आवासीय भवनों की बरसाती नाले के कटाव सुरक्षा कार्य।	8400.00	3 माह	500+ 18% GST	ई एवं उच्चतर
4	विकासखण्ड गैरसैंण अन्तर्गत ग्राम परवाडी के मैलाणा तोक में आवासीय भवनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य।	14500.00	3 माह	500+ 18% GST	ई एवं उच्चतर
(ब)	डिपोजिट मद के अन्तर्गत कार्यो का विवरण।				
1	विकासखण्ड गैरसैंण में पशुपालन विभाग भराडीसैंण के भवन/गौशाला का मरम्मत कार्य।	15000.00	3 माह	500+ 18% GST	ई एवं उच्चतर
2	रा.उ.प्रा.वि. स्यूणी मल्ली गैरसैंण में वृहद मरम्मत कार्य।	27000.00	5 माह	1000+ 18% GST	ई एवं उच्चतर

निविदा से सम्बन्धित समस्त नियम एवं शर्तो का विवरण निविदा प्रपत्र के साथ किसी भी कार्य दिवस को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड गैरसैंण

Information

I, Rabeya Khatun Bibi wife of No. 15189832P Rank Nk (DMT) Name Raihan Molla of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 28/03/1991 to 28/03/1993 vide affidavit No. IN-UK51499996686699Y.

I, Rabeya Khatun Bibi wife of No 15189832P Rank Nk (DMT) Name Raihan Molla of 332 Field Regt I, have to change my Name from Rabeya Khatun Bibi to Rabeya Khatun vide affidavit No. IN-UK5149879 9537982Y.

I, Sharda Babanrao Mulak wife of No 15187133L Rank Nk (DS) Name Borude Suresh Bhanudas of 332 Field Regt I, have to change my Name from Sharda Babanrao Mulak to Sharda Suresh Borude vide affidavit No. IN-UK515119 14897544Y.

I, Zala Champuji father of No 15180054N Rank Hav (Gnr) Name Zala Ranjitsinh Champuji of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 07/08/1963 to 01/01/1964 vide affidavit No. IN-UK5152432694 1688Y.

I, Zala Champuji father of No 15180054N Rank Hav (Gnr) Name Zala Ranjitsinh Champuji of 332 Field Regt I, have to change my Name from Zala Champuji to Zala Champuji Bhavanji vide affidavit No. IN-UK51502 552135442Y.

I, Zala Didiben mother of No 15180054N Rank Hav (Gnr) Name Zala Ranjitsinh Champuji of 332 Field Regt I, have to change my Name from Zala Didiben to Zala Devaben Champuji vide affidavit No. IN-UK5155366 2030396Y.

I, Sangita Patel mother of No 21010723N Rank Nk (Gnr) Name Aniket Patel of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 01/06/1977 to 01 January 1977 vide affidavit No. IN-UK5151915289 4593Y.

I, Matham Kaveri wife of No 15181294X Rank Nk (Chef Com) Name Raju Matham of 332 Field Regt I, have to change my Name from Matham Kaveri to YERRA KAVERI vide affidavit No. IN-UK5151 6302025891Y.

I, Sandhya Devi mother of No 15186913K Rank Hav (DMT) Name Umesh Singh of 332 Field Regt I, have to change my Name from Sandhya Devi to SANDIYA DEVI vide affidavit No IN.UK51497371027291Y.

Information

I, Sandhya Devi mother of No 15186913K Rank Hav (DMT) Name Umesh Singh of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 18/06/1973 to 01 January 1971 vide affidavit No. IN-UK51496123894980Y.

I, Balwinder Singh father of No 15186913K Rank Hav (DMT) Name Umesh Singh of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 05/05/1970 to 12 December 1971 vide affidavit No. IN-UK5151831333 2833Y.

I, Zala Didiben mother of No 15180054N Rank Hav (Gnr) Name Zala Ranjitsinh Champuji of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 05/04/1964 to 01 January 1967 vide affidavit No. IN-UK51501788 4362 45Y.

I, Arshatunnisa mother of No 15179777W Rank Hav (Clk SD) Name Kameerbasha Shaik of 332 Field Regt I, have to change my Name from Arshatunnisa to Shaik Arsha Thunnisa vide affidavit No. IN-UK6303397 6871794Y.

I, Arshatunnisa mother of No 15179777W Rank Hav (Clk SD) Name Kameerbasha Shaik of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 23/08/1971 to 01 January 1962 vide affidavit No. IN-UK 63034933 980818Y.

I, Shaik Pyarijan wife of No 15179777W Rank Hav (Clk SD) Name Kameerbasha Shaik of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 15/08/1992 to 01 January 1992 vide affidavit No IN-UK63261426157360Y.

I, Karimulla father of No 15179777W Rank Hav (Clk SD) Name Kameerbasha Shaik of 332 Field Regt I, have to change my Name from Karimulla to Shaik Karimulla vide affidavit No. IN-UK6303515306 4854Y.

I, Karimulla father of No 15179777W Rank Hav (Clk SD) Name Kameerbasha Shaik of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 07/09/1961 to 01 January 1949 vide affidavit No. IN-UK63034365979 159Y.

I, Neelam Yadav wife of No JC-294664N Rank Sub (Gnr) Name Ram Janak Yadav of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 10/04/1988 to 10/04/1991 vide affidavit No. IN-UK5150682483 9034Y.

I, Chanchala Putel wife of No 15189330M Rank LHav (DMT) Name Partha Putel of 332 Field Regt I, have to change my Date of Birth from 06 Mar 1953 to 23 Jul 1954 vide affidavit No. IN-UK51526907367796Y.

लखनऊ ने बेंगलुरु को जीत के लिए 147 रन का टारगेट दिया

बेंगलुरु। लखनऊ सुपर जायंट्स (एसएसजी) ने आईपीएल-19 के 23वें मैच में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 147 रन का टारगेट दिया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ 20 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में बेंगलुरु ने एक ओवर में बिना नुकसान के 6 रन बना लिए हैं। फिल साल्ट और इम्पैक्ट प्लेयर विराट कोहली क्रीज पर हैं।

ओपनर मिचेल मार्श ने 40, मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन की पारी खेली। रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके। जबकि भुवनेश्वर कुमार को 3 विकेट मिले। क्रुणाल पंडडा ने 2 विकेट झटके। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला। विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। वे पहली बार इस रोल में नजर आए हैं। कोहली को सुयश शर्मा की जगह मैदान पर ला गया। 20वें ओवर में रसिख सलाम ने दो विकेट झटके। उन्होंने मुकुल चौधरी और आवेश खान को बोल्ड कर दिया। इस तरह लखनऊ की टीम 20 ओवर में 146 रन पर आलआउट हो गई। मुकुल ने 39 रन बनाए। 19वें ओवर की पहली बाल पर जार्ज लिंडे को जीवनदान मिला। यहां रोमारियो शेफर्ड से कैच ड्राप हो गया। हालांकि, वे इसका फायदा नहीं उठा सके। वे तीसरी बाल पर टिम डेविड को कैच थमा बैठे। अगली ही बाल पर भुवी ने मोहम्मद शमी को बोल्ड कर दिया, लेकिन हैट्रिक नहीं ले सके। आवेश ने बाल को लान्ग आन पर खेल दिया। 17वें ओवर में लखनऊ ने छठा विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल भुवनेश्वर कुमार ने लो फुल टास फेंकी। ऋषभ पंत ने फ्लिक किया, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। फिल साल्ट ने आगे की ओर डाइव लगाई और बेहतरीन कैच पकड़ लिया। पंत 1 रन ही बना सके। 16वें ओवर में लखनऊ ने पांचवां विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल रसिख सलाम ने स्लोअर बाउंसर फेंकी। आयुष बडोनी ने शाट खेला, लेकिन काट बिहाइंड हो गए। बडोनी ने 38 रन बनाए। बडोनी के बाद ;षभ पंत बैटिंग करने आए। वे पावरप्ले में रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। पहली पारी में 5 ओवर का खेल बाकी है। टीम ने 83 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे, यहां से मुकुल चौधरी और आयुष बडोनी ने टीम को संभाल लिया।

पर्पल कैप तालिका: कम्बोज -प्रसिद्ध संयुक्त रूप से शीर्ष पर

चेन्नई। दे दनादन क्रिकेट इंडियन प्रमियर लीग (आईपीएल) 2026 जैसे -जैसे आगे बढ़ता जा रहा है अब हर दिन पर्पल और ऑरेंज कैप तालिका में बदलाव हो रहे है।

इसी क्रम में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा पर्पल केप तालिका में संयुक्त रुप से शीर्ष पर पहुंच गए है। सीएसके के मध्यम तेज गें. दबाज अंशुल कम्बोज अब तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेले हैं जिसमें उन्हें विकेट न मिला हो। पांच मैचों में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ जब वे दो या उससे अधिक विकेट नहीं ले सके। एमए चिदब. रम स्टेडियम में खेले कल खेले गए मुकाबले में कम्बोज ने केकेआर के खिलाफ 32 रन देकर 2 विकेट झटके इसी के साथ उनके इस सीजन में कुल 10 विकेट हो गए। अब वे प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात टाइटंस) के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट के चलते पर्पल कैप अभी भी कृष्णा के पास ही है। इस तालिका में रवि बिश्नोई द्धराजस्थान रॉयल्सत्र नौ विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनके बाद जोफ्र आर्चर सात विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद तीन गेंदबाज छह-छह विकेट के साथ मौजूद हैं, प्रिंस यादव (लखनऊ सुपर जायंट्स), जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और केकेआर के वैभव अरोड़ा, जिन्होंने सीएसके के खिलाफ एक विकेट हासिल किया। ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। हाइनरिक् क्लासन (224 रन) और इशान किशन (213 रन) अब भी पहले और दूसरे स्थान पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 200 रन के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। अभी तक केवल यही तीन बल्लेबाज 200 या उससे ज्यादा रन तक पहुंच सके हैं। उनके बाद चौथे नंबर पर आरसीबी के रजत पाटीदार 195 रन के साथ हैं। वहीं पांचवें नंबर पर एक नया नाम जुड़ा है।

महाराष्ट्र की पहली निशानेबाजी लीग पुणे में 17 से होगी शुरू

पुणे। महाराष्ट्र की पहली निशानेबाजी लीग 17 से 19 अप्रैल तक पुणे के अमनोरा पार्क स्थित छत्रगुंज नर्स स्कूल में आयोजित की जाएगी महाराष्ट्र राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्र', राज्य स्तर पर 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया' इकोसिस्टम की दिशा में एक अहम कदम है। हाल ही में 'शूटिंग लीग ऑफ कर्नाटक' की सफल शुरुआत के बाद, महाराष्ट्र संस्करण इस खेल के लिए एक प्रतिस्पर्धी लीग ढांचा तैयार करने की, पूरे भारत में लागू की जा रही रणनीति का अगला चरण है। महाराष्ट्र में इस खेल के इतिहास में पहली बार टीमों पर आधारित प्रारूप अपनाया जाएगा।

धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुक. ाबले में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के एक बयान के अनुसार, चूंकि आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के तहत यह उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था ,जो धीमी ओवर गति से संबंधित है। इसलिए रहाणे पर 12 लाख जुर्माना लगा। आईपीएल के इस 22वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रनों से हरा दिया। मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 192 रनों के चुनौतीपूर्ण स्कोर का सफल बचाव किया। उन्होंने बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के दम पर केकेआर के लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश को रोक दिया।

निडर पंजाब के खिलाफ मुंबई को दिखाना होगा दमखम

मुंबई। वानखेड़े में मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स का मैच सिर्फ एक और आईपीएल मैच नहीं है। यह ऐसी शाम है जब रेप्युटेशन डगमगाती है और कॉन्फिडेंस बढ़ता है, और इंडियन क्रिकेट की पुरानी आदतें मानसून के जिद्दी गढ्डों की तरह सतह पर लौट आती हैं।

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस यहां ऐसे पहुंचती है जैसे कोई हैवीवेट बॉक्सर अचानक अपने पैरों पर खड़ा न हो। लगातार तीन हार ने उन्हें खतरनाक फिनिशर से बेचैन सर्वाइवर बना दिया है और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से तीसरी हार के बाद, कप्तान हार्दिक पांड्या ने अप्रोच में बदलाव की बात कही है, यह मानते हुए कि फॉर्म से कहीं गहरी चीज को ठीक करने की जरूरत है। यह टैक्टिकल एडजस्टमेंट कम और चुपचाप यह मानना ज्यादा है कि मशीन खराब हो रही है। हार्दिक अब खुद को एक ऐसी बॉलिग यूनिट को एक साथ रखने की कोशिश करते हुए पाते हैं जो लीक करती है और जंग लगी बाल्टी की तरह चलती है। चिंता सिर्फ हार की नहीं है, बल्कि उसके तरीके की है-अचानक गिरने के बजाय धीरे-धीरे खत्म होना, और एक लीडरशिप ग्रुप जानी-पहचानी जगहों पर जवाब ढूंढ रहा है। सबसे ऊपर रोहित शर्मा हैं, जो अभी भी शानदार हैं, अभी भी खतरनाक हैं, उन्होंने चार मैचों में 137 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट बताता है कि पुरानी आदत अभी भी कायम है। उनके साथ, रयान रिकेल्टन ने आक्रामक शुरुआत करके उम्मीद दिखाई है, जबकि सूर्यकुमार यादव, जो शायद उन सभी में सबसे टैलेंटेड हैं, इस सीजन में अजीब तरह से संयमित हैं, जैसे कि धमाका करने की इजाजत का इंतजार कर रहे हों। तिलक वर्मा पर

भी उम्मीदों का बोझ है, एक ऐसे युवा से कहा गया है जो तूफानों का मजा लेने के बजाय उन्हें शांत करे। हार्दिक खुद हर जगह और कहीं नहीं हैं, एक पल शेरफेन रदरफोर्ड की आतिशबाजी के साथ पारी खत्म करते हैं, और फिर अगले ही पल एक ऐसे बॉलिंग अटैक को संभालने के लिए लौट आते हैं जो उनकी बात मानने से इन्कार कर देता है। मिचेल सेंटनर कंट्रोल तो करते हैं लेकिन डराते नहीं हैं। नमन धीर और शार्दुल ठाकुर से उम्मीद है कि वे कमियों को पूरा करेंगे, लेकिन कमियां बहुत ज्यादा हैं। मयंक मार्कंडे बीच के ओवरों में पक्का करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वानखेड़े ऐसे इरादों के लिए शायद ही कभी मेहरबान होते हैं। और फिर जसप्रीत बुमराह हैं। एक ऐसा नाम जिसने कभी बल्लेबाजों को डराकर रक्षात्मक चुप्पी साध ली थी, अब खुद को असहज जांच के दायरे में पाता है, चार मैचों में कोई विकेट नहीं, एक ऐसा आंकड़ा जो लगभग अस्वाभाविक लगता है। ट्रेंट बोल्ट भी नई गेंद से महंगे रहे हैं, जबकि व्यापक आक्रमण लय खोजने के लिए संघर्ष करता रहा है। पिच पर पंजाब किग्स खड़ी है, एक ऐसी टीम जो वर्तमान में ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे उसने कोई ऐसा रहस्य खोज लिया हो जिसे लीग के बाकी खिलाड़ी भूल गए हैं। श्रेयस अय्यर शांत अधिकार के साथ उनका नेतृत्व करते हैं, जो हाल ही में उनकी बढ़त में पहले ही 69 रन के एंकर हैं। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह बल्लेबाज कम, विध्वंसक दल ज्यादा रहे हैं - एक ने 20 गेंदों पर 57 रन बनाए, दूसरे ने 25 गेंदों पर 51 रन बनाए, जिससे पावरप्ले सार्वजिनक चेतावनी में बदल गए। कूपर कोनोली और नेहाल वढेरा स्थिरता प्रदान करते हैं जेवियर बार्टलेट और विजयकुमार वैशाख पेस और डिसिप्लिन देते हैं, जबकि अर्शदीप सिंह, कभी -कभी लीकेज के बावजूद, नई बॉल से उनके स्ट्राइक की उम्मीद बने हुए हैं। युजवेंद्र चहल, पुराने जादूगर, बैटर्स के उन्हें एक बार गलत समझने का इंतजार करते हैं-और फिर दो बार। वानखेड़े की पिच, किसी नेता के वादे की तरह सपाट, तबाही को न्योता देती है। पहली इनिंग्स का एवरेज स्कोर लगभग 185 है और चेज करने वाली टीमें पिछले आठ में से पांच गेम जीत रही हैं, टॉस होने पर ऐसा लगता है जैसे आधा मैच पहले ही तय हो चुका है। धूप, पसीना और 30 सेल्सियस में पूरी तरह बैटिंग का मजा लें। और इसलिए कहानी और तीखी हो जाती है: मुंबई इंडियंस, न सिर्फ आउट ऑफ फॉर्म है बल्कि खुले तौर पर अपनी पहचान बदलने के बारे में सोच रही है, बनाम पंजाब किग्स, एक ऐसी टीम जो बेफक्रि होकर खेल रही है जैसे उसे लगता है कि अभी का उस पर कोई एहसान नहीं है। एक टीम सीजन के बीच में खुद को फिर से बनाने की कोशिश कर रही हैद्ध दूसरी टीम इससे होने वाली तबाही का मजा ले रही है।

महात्रे के मुरीद हुए ब्रेविस

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा आईपीएल 2026 में लगातार दो जीत दर्ज कीं, और कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रन से आसानी से हरा दिया।

सीएसके के डेवाल्ड ब्रेविस ने जियोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन और डेल स्टेन के साथ मिलकर आयुष म्हात्रे के धमाक. ेदार प्रदर्शन, कैप्टन रुतुराज गायकवाड़ के फॉर्म और क्या केकेआर में वापसी करने की काबिलियत है, इस पर अपने विचार साझा किए। ब्रेविस ने कहा, ष्यह मजेदार था, मैंने इसका मजा लिया। यहां भीड़ के सामने होना बहुत अच्छा था, बहुत खास। और हां, बस विकेट को जानने में समय बिताया। यह पिछली रात की तुलना में थोड़ा अलग था, लेकिन हां, बहुत मजा आया। मैदान पर डाइव लगाना, बल्ले से अच्छा स्विग करना और बस उसे महसूस करना बहुत अच्छा था। ऐसा लगता है कि मेरा थोड़ा कॉन्फिडेंस बढ़ गया है क्योंकि साइड स्ट्रेन के कारण बाहर रहना अच्छा नहीं था। लेकिन हां, मैं मजबूत महसूस कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि हम जीत गए।ष टीम में साथी 'निडर खिलाड़ी' आयुष म्हात्रे के बारे में उन्होंने कहा, ष्म्हात्रे खास हैं, वह युवा हैं और जिस तरह से खेलते हैं, वैसे ही खेलते हैं। मेरी उनसे यही इच्छा है कि वह खुद के प्रति सच्चे रहें, मजे करें और चाहे कुछ भी हो जाए, ऐसे ही खेलें। आपके करियर में उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन यह देखना शानदार है कि वह कैसे खेलते हैं। वह असल में बॉल-बाय-बॉल खेलते हैं, रिएक्ट करते हैं और उसे वहीं मारते हैं जहां उसे जाना चाहिए।ष रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि सीएसके के कैप्टन रुतुराज गायकवाड़ जल्द ही फॉर्म में आ जाएंगे उन्होंने कहा, ष्एक कैप्टन के तौर पर उन्हें कुछ जीत मिली हैं, इससे उन्हें इस टूर्नामेंट में सच में आसानी होनी चाहिए। सच कहूं तो, अगर मैं डगआउट में बैठा होता या रुतुराज गायकवाड़ होता, तो मुझे ज्यादा परेशानी नहीं होती। टी 20 एक ऐसा गेम है जहां आपको लगातार इंटेंट दिखाना होता हैद्ध बस एक छोटी सी चीज है जो मैं चाहूंगा। अगर आप आयुष म्हात्रे या संजू सैमसन को देखें, तो उन्होंने ग्राउंड में जाकर सही ऑप्शन चुने। जबकि रुतुराज थोड़ा ज्यादा लाइन के पार जा रहे हैं और जल्दी कैच आउट हो रहे हैं। अगर वह अपनी इनिंग्स की शुरुआत में थोड़ा आराम से खेलते, बॉल को टाइम करते, और ज्यादा डाउन ग्राउंड खेलते तो यह उनके लिए अच्छा होता।

ओटो विर्टानेने को हराकर अल्काराज ने बार्सिलोना ओपन में की विजयी शुरुआत

बार्सिलोना। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने घरेलू क्ले टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन 2026 में ओटो विर्टानेस के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की है।

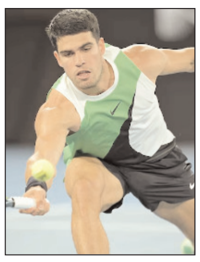

पुरुषों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने मंगलवार को फिनलैंड के ओटो विर्टानेन के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 6-4, 6-2 की शानदार जीत के साथ, 12 महीने बाद स्पेन की धरती पर वापसी की। उन्होंने पहले सेट के आखिर में कलाई की चोट से उबरते हुए, अपने पहले पेशेवर टेनिस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 130वें नंबर के खिलाड़ी को आसानी से हरा दिया। विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज का अगला मुकाबला चेकिया के टोमास माचाक से होगा, जिन्होंने कैटलन की राजधानी में सेबेस्टियन बाएज को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर पीछे से वापसी की। अल्काराज अगर अपना तीसरा बार्सिलोना खिताब जीत लेते हैं, तो वे विश्व रैंकिंग में पहले नंबर का अपना स्थान वापस हासिल कर सकते हैं, क्योंकि जानिक सिनर इस सप्ताह न तो बार्सिलोना में एटीपी 500 टूर्नामेंट में खेल रहे हैं, न ही म्यूनिख में।

रोहित नेट्स प्रैक्टिस में नहीं गए

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने लंबा प्रैक्टिस सेशन किया, जिसमें रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी साफ दिखी। वह स्टेडियम नहीं गए, जिससे हर कोई उनकी फिटनेस और गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आने वाले मैच के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अंदाजा लगा रहा है। जैसा कि पहले बताया गया था, रोहित हैमस्ट्रिंग में चोट से जूझ रहे हैं।

असल में, कोई भी हैमस्ट्रिंग चोट गंभीर होती है, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है कि कोई गंभीर चोट है जिससे रोि. हत को बहुत सारे आईपीएल मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। रोि. हत सोमवार को आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस के मैच के छठे ओवर में रिटायर्ड हर्ट हो गए थे, उन्होंने 13 गेंदों में 19 रन बनाए थे। रोहित का स्कैन हुआ, जिसके बारे में क्रिकबज ने सबसे पहले 13 अप्रैल को रिपोर्ट किया था, और पता चला है कि चोट का कोई सबूत नहीं है, यह बात मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट के लिए राहत की बात होगी। एमआई गुरुवार को रोहित को खिलाकर कोई रिस्क लेगा या नहीं, यह बहस का मुद्दा है। हो सकता है कि मैनेजमेंट, रोि. हत की टीम में मौजूदगी को देखते हुए, चोट के बढ़ने के रिस्क से बचने के लिए सावधानी बरते। हालांकि, यह भी हो सकता है कि आखिरी फैसला खुद रोहित पर छोड़ दिया जाए। उनके अनुभव को देखते हुए, वही यह अहम फैसला लेने के लिए सबसे सही हैं। विल जैक्स जल्द आ सकते हैं इस बीच, पता चला है कि विल जैक्स जल्द ही टीम में शामिल होंगे, अगर वह पहले से नहीं आए हैं। कुछ संकेत थे कि इंग्लिश ऑलराउंडर मंगलवार को टीम को रिपोर्ट करेंगे, लेकिन प्रिंट में जाने तक कोई कन्फर्मेशन नहीं था। जैक्स के आने से एमआई के मिडिल ऑर्डर के साथ-साथ उनकी स्पिन बॉलिंग भी मजबूत होगी - एक ऐसा एरिया जिसमें टीम ने इस सीजन में कुछ खास अच्छा नहीं किया है। जैक्स को हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था, उन्होंने अपनी ऑल-राउंड स्किल्स से इम्प्रेस किया था।

क्या ग्रीन को ड्राप करना एक ऑप्शन है: फिंच

चेन्नई। पांच गेम एक भी जीत नहीं। एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो जाने से एक पॉइंट। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच को छोड़कर, जो आखिरी बॉल तक चला, कोलक. ाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसा नहीं लग रहा था कि वे आईपीएल 2026 में अपने कोई और मैच जीतेंगे।

उनका पेस अटैक कमजोर हो गया है। उनके दो मेन स्पिनर में से एक आउट ऑफ फॉर्म है। उनकी बैटिंग में फायरपावर नहीं दिखता। और, जैसा कि आरोन फिंच ने कहा, मंगलवार रात चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उनकी कुछ टैक्टिक्स बहुत शक वाली थीं, भले ही सुनील नारायण के साथ बैटिंग ओपनिंग करने से पर्दे के पीछे कुछ सोच का पता चलता हो। लेकिन अगर यह जीत के लिए 193 रन के टारगेट पर होने और एक पॉजिटिव कदम के जवाब में था, तो अजिक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने अपनी पार्टनरशिप में - 31 गेंदों में 50 रन - बहुत कम हिम्मत दिखाई। गेम के बाद ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में फिच ने कहा, ष्निश्चित रूप से यह अच्छा नहीं था। केकेआर के बारे में बहुत सारे सवाल हैं, खासकर उस रन चेज में। उनकी कुछ टैक्टिक्स पर बहुत शक था।

हमने सुनील नारायण को टॉप ऑर्डर में भेजने के फैसले की तारीफ की। आज यह काम नहीं आया (17 गेंदों में 24 रन), लेकिन यह कुछ अलग था। कम से कम उन्होंने कोशिश तो की।,लेकिन कुछ दूसरे फैसले थोड़े अजीब थे। और वे कभी भी दौड़ में नहीं थे। हमने रहाणे और रघुवंशी के साथ बैटिंग करने के बारे में बात की, कि यह कितना रुकावट डालने वाला फैक्टर हो सकता है। और उनकी पार्टनरशिप

हमने रहाणे और रघुवंशी के साथ बैटिंग के बारे में बात की, यह कितना रुकावट डालने वाला फैक्टर हो सकता है

खराब नहीं थी, लेकिन उस पार्टनरशिप में अभी भी कोई फर्क नहीं है। वे बॉलिग नहीं लेते। वे उस पॉइंट पर नहीं पहुंचते जहां विरोधी टीम के कप्तान को अपनी टीम में बदलाव के बारे में कोई सीरियस फैसला लेना पड़े।ष केकेआर के बॉलिग कोच टिम साउदी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ष्जाहिर है कि आईपीएल में कोलकाता के लिए बैटिंग में उन्हें काफी सफलता मिली है, इसलिए मुझे लगता है कि हमारे पास टॉप ऑर्डर में बहुत सारे ऑप्शन हैं, और फिर हमने सोचा कि हम इस गेम में कुछ अलग ट्राई करेंगे। मुझे लगता है, जाहिर है जब आप हार रहे होते हैं, तो आप कई अलग-अलग ऑप्शन देख सकते हैं। और हां, मुझे लगता है कि आईपीएल की यही खूबसूरती है, अपनी टीम की गहराई को परखना।

मंगलवार को, केकेआर ने नारायण और फिन एलन के साथ ओपनिग की। एलन ने 1 रन बनाया। अब उनके स्कोर 37, 28, 6, 9 और 1 हैं। कैमरन ग्रीन, जिन्होंने इस गेम में नंबर 6 पर बैटिंग की, इस सीजन में लगातार दो गेम में एक ही जगह पर बैटिंग नहीं की है, और उनके स्कोर 18, 2, 4, 32[और 0 हैं। उनके पास बेंच पर टिम सीफर्ट हैं - साथ ही रचिन रवींद्र भी, जो ज्यादा फायरपावर का वादा नहीं करते हैं - लेकिन वह किसे रिप्लेस करेंगे? फिच ने कहा, ष्जब आपके पास डगआउट में इतना अनुभव होता है, तो आपको लगता है कि वे कम से कम सही समय पर सही फैसले तो लेंगे।

कैमरन ग्रीन के लिए नंबर 6 पर बैटिंग करना, उनके लिए एक अजीब पोजिशन है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने टी 20 क्रिकेट में ऐसा बहुत ज्यादा किया है। उन्होंने नहीं किया है। ग्रीन ने टी20 में 68 बार बैटिंग की है, जिसमें से उन्होंने सिर्फ नौ बार उस नंबर पर बैटिंग की है। आखिरी बार 2024 में था। लेकिन ग्रीन को ऑक्शन में 25-20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। वह आउट ऑफ टच हैं, लेकिन क्या उन्हें ड्रॉप करना भी एक ऑप्शन है? कोलकाता के पास सोचने के लिए 48 घंटे हैं क्योंकि उनका अगला मैच शुक्रवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ है।

डेन्मार्क के बैडमिंटन लीजेंड एक्सेलसन ने संन्यास लिया

बीजिंग। डेनमार्क के लीजेंड बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने लगातार पीठ की चोट की वजह से 32 साल की उम्र में प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लेने का ऐलान किया है।

दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज का दिन मेरे लिए आसान नहीं है। उन्होंने अपनी पुरानी चोट से जूझने के बारे में बताया। एंडोस्कोपिक सर्जरी, कई इंजेक्शन, नई ट्रेनिंग के तरीके, इलाज, और लंबे समय तक दर्द से छुटकारा पाने के लिए हर तरह की कोशिश करने के बाद, मुझे अपनी लंबे समय की सेहत पर ध्यान देने की सलाह दी गई है। एक्सेलसन के करियर में कई कामयाबियां रहीं, जिससे बैडमिंटन के जाने-माने खिलाड़ियों में से एक के तौर पर उनका नाम पक्का हो गया। उन्होंने बीडब्ल्यूएफ मेन्स सिगल्स वर्ल्ड नंबर 1 के तौर पर कुल 183 हफ्ते बिताए, जिसमें उन्होंने दो ओलंपिक गोल्ड मेडल, दो वर्ल्ड चैंपियनशिप टाइटल और तीन यूरोपियन चैंपियनशिप क्राउन जीते, साथ ही डेनमार्क को थॉमस कप जीतने में मदद की। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अपने सफर के बारे में बताते हुए, बैडमिटन स्टार ने शुक्रिया और गर्व भी जताया। ष्जिस दिन से मैंने पहली बार रैकेट उठाया, मुझे पता था कि मेरा सपना दुनिया में बेस्ट बनना है। मैंने हर दिन, हर सेशन, हर मैच में उस लक्ष्य को पाने के लिए इस खेल को अपना सब कुछ दिया है। उन्होंने आगे कहा कियह मेरे लिए कभी सिर्फ एक करियर नहीं रहा। यह मेरी जिंदगी रही है और मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रोफेशनल बैडमिंटन से रिटायर होने का मतलब खेल को पूरी तरह से छोड़ना नहीं है।

गुडवर्क : लक्सर पुलिस ने किया भोगपुर के ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा

मंदिर में चोरी का विरोध करने पर की सेवादार की हत्या

पकड़े जाने के खौफ से शहर छोड़ कर भागने की फिराक में था हत्यारोपी

❖ भोगपुर में बुजुर्ग के सिर पर हथोड़ी से वार कर अज्ञात लोगों ने किया था कत्ल

❖ हत्या/चोरी में इस्तेमाल हथोड़ा, पेचकश तथा चुराया गया एम्प्लीफायर व इन्वर्टर बरामद

❖आरोपी ने शराब के नशे में दिया था वारदात को अंजाम, अब करेगा हवालात की सैर

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर कोतवाली पुलिस ने भोगपुर मंदिर के सेवादार ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए हत्यारोंपी को गिरफ्तार कर उसकी निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त हथोड़ा व चुराए गए एमप्लीफायर क बैटरी भी बरामद कर ली है पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे की हालत में था और मंदिर में चोरी का प्लान किया था पुजारी के विरोध करने पर उसको हथौड़े से वार कर के मौत के घाट उतार कर फरार हो गया और अब पुलिस के पकड़े जाने की दर से वह भागने की फिराक में था।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 12 अप्रैल को कोतवाली लक्सर के भोगपुर स्थित मंदिर में कार्य करने वाले राजवीर की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस टीम व फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर मौजूद वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए तथा घटनास्थल का मुआयना किया। इस दौरान एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल द्वारा भी मौका मुआयना किया गया। प्रकरण के संबंध में कोतवाली लक्सर पर अज्ञातके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही घटनास्थल के पास ही स्थित अन्य मन्दिर सेचोरी करने पर भी मुकदमा पंजीकृत किया गया। धार्मिक स्थल पर हत्या व चोरी के इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी नवनीत सिंह द्वारा लक्सर के नेतृत्व में गठित

पुलिस टीम कर घटना के अनावरण व अज्ञात आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने के सुस्पष्ट निर्देश जारी किए गए। पड़ताल में जुटी पुलिस टीम ने बारीकी से सभी सबूतों की पड़ताल करत हुए तकनीकी व मैनुअल पुलिसिंग की मदद से आस-पास के दो मन्दिरो में हुई घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर अलग-अलग क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को एक्टिव किया तथा निरंतर प्रयासों के पश्चात दिनांक 14.04.2026 को भागने की फिराक में तैयार घटना के एक संभावित संदिग्ध को दबोचकर उसके कब्जे से हथोड़ी, पेचकस व मन्दिर से चोरी किये इन्वर्टर तथा एम्पलिफायर बरामद किए। 'पूछताछ में हकीकत आयी सामने-पकड़ में आए मेरठ निवासी संदिग्ध से पूछताछ में सामने आया कि वह पेशे पेशे से ड्राईवर है और शराब पीने का आदी है। दिनांक 11.04.26 के आरोपी अपने मुज्जफरनगर स्थित किराये के मकान से काम की तलाश में कनखल में ट्रेवल एजेंट के पास आया और शाम को भोगपुर में शिव मन्दिर के निकट रहने वाली अपनी मौसी के घर पर रुका। रात आरोपी शराब के नशे में चोरी छिपे पेचकस और हथोडा लेकर नजदीकी वाले मन्दिर में पहुंचा जहां मन्दिर का ताला तोड़ने के दौरान मन्दिर के बाहर खाट पर सोया बुजुर्ग जाग गया और चिल्लाकर आरोपी को पकडने लगा। बचने के गरज से आरोपी ने पहले

बुजुर्ग व्यक्ति के सिर पर हथोड़े से वार कर उसे गंभीर रुप से घायल किया और फिर पहले मन्दिर के अन्दर से चढावे के करीब 200 रूपये और एक इनवेटर और फिर बगल वाले मन्दिर से एक एम्पलीफाईर चोरी कर ले गया। आरोपी ने ये भी बताया कि वह इसके बाद चोरी किया सामान वही आस-पास छुपाकर वापस चुपचाप अपनी मौसी के घर जा कर सो गया। सुबह जब चारों तरफ पुलिस की गतिविधिया व सतर्कता को दिखी तो वह डर के मारे बिना चोरी के सामान के सुबह मुजफ्फरनगर चला गया। कल वह उक्त सामान को लेने के लिए आज टांडा भागमल क्षेत्र में आया था जहाँ सामान के साथ पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गया। बेहद कम समय में वास्तविकता को सामने लाकर ब्लाइन्ड हत्या का खुलासा कर हत्यारोपी को गिरफ्तार करने पर क्षेत्रीय जनता द्वारा एसएसपी नवनीत सिंह व हरिद्वार पुलिस की मेहनती कार्यशैली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। 'विवरण आरोपित-विशाल चौधरी पुत्र परविन्दर कुमार निवासी अलमासपुर गली न0 02 कुंज विहार कालोनी थाना नई मंडी जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश उम्र 25 वर्ष है। पुलिस टीम-सीओ लक्सर देवेन्द्र सिंह नेगी-प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी- व0उ0नि0 नितिन चौहान-उ0नि0 यशवीर सिंह नेगी- हे0 कानि0 रियाज अली-हे0 कानि0 पंचम प्रकाश-हे0कानि0 विनोद कुमार-कानि0 गंगा सिंह-कानि0 ध्वजवीर सिंह0-कानि0 वसीम आदि शामिल रहे।

सड़क बनाने में पांच लोगों पर मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

खानपुर। शाहपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने गांव के पांच लोगों पर सड़क बनाने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाहपुर गांव निवासी मोनू उर्फ अजय ने तहरीर देकर बताया कि उनके घर के सामने से आम रास्ता होकर जा रहा है। इसपर सीसी रोड बनी हुई है। 13 अप्रैल की सुबह उसके ऊपर इंटरलॉकिंग से दोबारा सड़क बन रही थी लेकिन पड़ोसी उसका विरोध कर रहे थे क्योंकि वह सड़क को दूसरी ओर बनवाना चाहते थे। आरोप है कि दूसरे पक्ष के पांच लोग लाठी-डंडे, धारदार हथियार और तमंचे से लैस होकर उसके घर पर चढ़ आए व मारपीट कर उसे घायल कर दिया। शोर सुनकर कई लोग मौके पर आ गए थे। उन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। खानपुर थानाध्यक्ष दिग्पाल कोहली ने बताया कि रफल सिंह, मोनू, रामदेश, शिवा और हर्षित निवासी शाहपुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

अवैध शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पिरान कलियर। कोतवाली पिरान कलियर पुलिस ने ऑपरेशन 'प्रहार' अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बेच रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 113 पव्वे अवैध देशी शराब (माल्टा) बरामद की है। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि क्षेत्र में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों, असामाजिक तत्वों और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने ग्राम मेहवड़कला में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अमित सैनी निवासी मेहवड़ कला और सतीश सैनी निवासी मोहम्मदपुर पांडा को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 113 पव्वे अवैध देशी शराब (माल्टा) बरामद हुई।

बिहार के विशेषज्ञों और महिला उद्यमियों की बड़ी पहल

बंजर जलमग्न भूमि पर अब उगेगा सफेद सोना

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। उत्तराखंड के कृषि मानचित्र पर एक नया अध्याय जुड़ गया है। राज्य में कृषि नवाचार और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए स्टार्टअप ने जलभराव वाली चुनौतीपूर्ण भूमि पर मखाना फॉक्स यूनिट की खेती का सफल अभिनव प्रयोग शुरू किया है। इस साहसिक पहल का नेतृत्व महिला उद्यमी सोनल जैन एवं मंजू भसीन द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजीव रंजन अध्यक्ष मणिगाछीमिडास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, दरभंगा राजेश शर्मा, अजय पनियुली, रोहताश सहरावत और कर्नल विनोद कुमार पनियुली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं कृषि विशेषज्ञ उपस्थित थे। चुनौती को अवसर में बदलापरियोजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि लक्सर क्षेत्र के गंदासपुर गांवमें जिस भूमि का चयन किया गया है, वह वर्ष में 5 से 6 महीने जलमग्न रहती थी पारंपरिक फसलों के लिए अनुपयुक्त मानी जाने वाली इस

जमीन पर वर्णम ने मखाना उगाने का निर्णय लिया। इस कार्य में बिहार के दरभंगा स्थित मणिगाछीमिडास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड'' ने तकनीकी सेतु की भूमिका निभाई। विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर किसानों और उद्यमियों को चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रदान कियाआर्थिक समृद्धि का नया मार्गमखाना खेती उत्तराखंड के किसानों की आय को कई गुना बढ़ाने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों के अनुसारलागत और उत्पादन एक बीघा भूमि में मात्र 8,10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है जिससे 4, 6 क्विंटल तक उत्पादन लिया जा सकता है। बंपर मुनाफा वर्तमान बाजार भाव 800 से 1,200 प्रति किलोग्राम को देखते हुए, किसान प्रति बीघा 2 लाख से 4 लाख तक की संभावित आय अर्जित कर सकते हैं।

मामूली कहासुनी पर युवक को पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। टिक्कमपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। गांव के ही एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूसरे युवक पर लात-घूंसे और बेल्टों से हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर क्षेत्र के टिक्कमपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव के तहत ग्रामीण शोभायात्रा निकाल रहे थे। इसी दौरान गांव के प्रवीन कुमार और अमन के बीच किसी बात पर हल्की कहासुनी हो गई। शोभायात्रा समाप्त होने के बाद विवाद ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि गुस्साए युवक ने अपने दोस्तों को बुला लिया और घर के बाहर बैठे प्रवीन पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने प्रवीन को लात-घूंसे और बेल्टों से बेरहमी से पीटा। युवक के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर दौड़े लेकिन ग्रामीणों को आता देख हमलावर फरार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। मारपीट की घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पीड़ित पक्ष ने घटना की तहरीर पुलिस को देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि टिक्कमपुर गांव में हुई मारपीट का मामला संज्ञान में है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सीएमओ ने आयोजित होने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर की तैयारियों का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार डॉ. आर.के. सिंह ने ब्रस्पतिवार को साबरी गेस्ट हाउस पिरान कलियर में आयोजित होने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान रुड़की ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राव अकरम भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. आर.के. सिंह ने शिविर के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओर से मरीजों का परीक्षण और उपचार किया जाएगा। साथ ही सभी प्रकार की खून की जांच, एक्स-रे सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।उन्होंने जानकारी दी कि शिविर में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बहनों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा टीबी और एचआईवी की

जांच की सुविधा भी शिविर में उपलब्ध कराई जाएगी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राव अकरम ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

बढ़ेड़ी राजपूतान से हलवाहेड़ी तक बनेगी सड़क

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। वधानसभा क्षेत्र पिरान कलियर के विधायक हाजी फुरकान अहमद के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के निर्माण की घोषणा की है। इस संबंध में उत्तराखंड शासन के मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश जारी कर ग्रामीण निर्माण विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार पिरान कलियर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बढ़ेड़ी राजपूतान से भारापुर होते हुए हलवाहेड़ी तक इस संपर्क मार्ग का निर्माण किया जाएगा। विधायक की ओर से मुख्यमंत्री को यह प्रस्ताव भेजा गया था जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकृति देते हुए निर्माण की घोषणा की है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। सड़क बनने के बाद कम दूरी और कम समय में रुड़की सहित अन्य स्थानों तक पहुंच आसान हो जाएगी। सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि स्थानीय व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी। विधायक हाजी फुरकान अहमद ने कहा कि उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने इस मार्ग को अपनी घोषणा में शामिल किया है। वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगठन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/ सेविका/ मिनी कर्मचारी संगठन उत्तराखंड ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से मानदेय बढ़ाने, अनावश्यक कटौती बंद करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक प्रणाली से न जोड़ने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/ सेविका/ मिनी कर्मचारी संगठन उत्तराखंड ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लंबे समय से कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मानदेय बेहद कम है, जबकि कार्य का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न मदों में की जा रही कटौती से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बायोमेट्रिक प्रणाली से जोड़ने के निर्णय को भी उन्होंने अव्यवहारिक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

उन्होंने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ममता, अंजू पाल, कविता रानी, रजनी फराना, पूनम, राधा, रेखा, रीना, अखिलेश, बबली, पिंकी, रजनी, शिक्षा, शहनाज, शारदा, सरल, पूनम, सुषमा, शीतल, रीना, बबली, सविता, ममता शर्मा और वीणा सहित अनेक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मौहम्मद कैफ हमारे कहने सुनने में नहीं है। इसीलिए मौहम्मद कैफ को मैं अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करता हूं। आज के बाद उक्त के किसी भी अनैतिक कृत्य व लेनदेन की मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शमीम पुत्र इस्लाम नि. खेलपुर नसरूल्लापु, तह. भगवानपुर जिला हरिद्वार।

ढंडेरा नपं कार्यालय में धरने पर बैठे पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि राणा

रुड़की। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं नगर पंचायत ढंडेरा से पूर्व प्रत्याशी रहे रवि राणा मंगलवार को ढंडेरा नगर पंचायत कार्यालय में धरने पर बैठ गए। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि बोर्ड के गठन के डेढ़ वर्ष बाद भी धरातल पर कोई ठोस काम नजर नहीं आ रहा है। रवि राणा ने कहा कि क्षेत्र की सड़कें बदहाल हैं, नालियां टूटी पड़ी हैं और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें खराब हैं, जबकि अधिकांश जगहों पर लाइटें लगी ही नहीं हैं, जिससे रात में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष और बोर्ड जनसमस्याओं की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है कि नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश नेगी ने पूर्व में भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद ने फीता काटकर किया

नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत पिरान कलियर की ओर से बेहतर पानी के लिए थाने के नए भवन के पास एक 260 मीटर नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जिसका शिलान्यास नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद ने फीता काटकर किया।

कलियर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद और ईओ कुलदीप सिंह चौहान ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से थाने के नए भवन के पास 25 लाख रुपए की लागत ने बनने वाले 260 मीटर नाले के निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिरान कलियर में लंबे समय से पानी निकासी को लेकर एक बड़ी समस्या बनी हुई थी जिसके कारण लोग परेशान थे ओर बरसात के समय पानी निकासी खोलकर लोगो के सामने सबसे बड़ी समस्या उतपन्न हो जाती थी ओर बरसात का पानी लोगो के घरों में भर जाता था जिसके कारण लोगों को भारी नुकसान उठाने को मजबूर होना पड़ता था पानी निकासी की एक बड़ी समस्या बनी हुई थी जिससे बरसात के समय गंदा पानी घरों में घुसने से किसी भी गम्भीर बीमारी के फैलने की आशंका बनी रहती थी। इस नाले के निर्माण होने से करीब आधे कलियर

के पानी की निकाए इसी नाले से होगी जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा मगर पंचायत का चहुमुखी विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता है। इस दौरान अधिशासी अधिकारी कुलदीप सिंह चौहान, राशिद गुलजार, मौसम, इसरार शरीफ, रोशन, राशिद, शफकत, इंतजार राणा, शहजाद, गुलजार चौधरी, तस्वर, हनीफ आदि मौजूद रहें।

माजरा में हज यात्रियों को दिया गया प्रशिक्षण, आसान और सुरक्षित सफर पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड से हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए बुधवार को माजरा स्थित मदरसा जामिया उल उलूम में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हाजियों को हज के अरकान अदा करने की जानकारी दी गई।

देहरादून के हज यात्रियों को अध्यक्ष इमाम संगठन मुफ्ती रईस कासिम, मुफ्ती सलीम कासमी, मुफ्ती हुजैफा, मौलाना एजाज, राज्य हज समिति सदस्य मौलाना मन्नान रजा और हाजी अबरार ने एहराम, तवाफ, सई सहित हज के विभिन्न अरकान को पूरा करने की प्रक्रिया समझाई।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अल्पसंख्यक विभाग के उप सचिव हीरा सिंह बसेड़ा ने हाजियों से देश और प्रदेश की तरक्की तथा अमन-चौन के लिए दुआ करने की अपील की। उन्होंने हज यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी।उत्तराखण्ड हज समिति के अध्यक्ष खतीब अहमद ने यात्रा को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी हाजियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में किसी भी हाजी को कोई समस्या की सहोती है तो राज्य हज इंस्पेक्टर से संपर्क कर अपनी समस्या बताए।

उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने भी हज यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी अरकान को पूरा करने का आह्वान किया। हज अधिकारी मोहम्मद अहसान ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रशासनिक एवं तकनीकी जानकारियां साझा कीं। इस दौरान आफताब आलम, मुस्तकीम, स्टेट हज इंस्पेक्टर अबुल शाहिद, अब्दुल कादिर, इजहारुल हक, मोहम्मद शादाब, गुलशन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय
गुरुवार, 16 अप्रैल 2026
Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

महंगाई की मार

भारत में महंगाई की स्थिति और आम जनमानस पर इसके व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण एक अत्यंत गंभीर और बहुआयामी विषय है। जब हम वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को देखते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि देश में सामा. जिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। रोजगार और आय के मोर्चे पर देश की एक बड़ी आबादी के लिए स्थितियां आज भी संतोषजनक नहीं कही जा सकतीं। यह एक विचित्र विरोधाभास है कि एक तरफ सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जाता है कि महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में है और विकास की दरें सकारात्मक हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस बढ़ती महंगाई का सीधा और सबसे क्रूर प्रहार आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है, जिसे अपने घर चलाने के लिए जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है और कई तरह की मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था में जब आय के साधन सीमित हों, तो आम नागरिक की सरकार से यही प्राथमिक अपेक्षा होती है कि कम से कम रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं उसकी पहुंच के भीतर रहें, ताकि परिवार के भरण-पोषण का संकट उत्पन्न न हो, लेकिन हाल के वर्षों का अनुभव यह बताता है कि आमदनी उस अनुपात में नहीं बढ़ी है, जिस गति से बाजार में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ी हैं। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.4 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जबकि फरवरी में यह 3.2 प्रतिशत थी। हालांकि यह आंकड़ा पहली नजर में छोटा लग सकता है, लेकिन जब हम इसके घटकों का बारीकी से अध्ययन करते हैं, तो वास्तविकता अधिक जटिल नजर आती है। इस महंगाई वृद्धि के पीछे अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां भी एक बड़ा कारक रही हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों की खुदरा महंगाई पर पड़ता है। विशेष रूप से अमेरिका, इस्राईल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव वैश्विक बाजार में अनिश्चितता पैदा कर रहा है। यदि यह युद्ध की स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में और अधिक उछाल आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। महंगाई का बढ़ना केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के सामा. जिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाला कारक है। देश में आर्थिक असंतुलन की खाई और चौड़ी होती जा रही है। एक तरफ जहां कॉरपोरेट लाभ और उच्च आय वर्ग की संपत्ति बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर रोजगार की कमी और बढ़ती कीमतों ने निम्न और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब आय स्थिर हो और क्रय शक्ति घट रही हो, तो आवश्यक वस्तुओं पर होने वाला मामूली सा खर्च भी एक बड़े वित्तीय संकट का रूप ले लेता है।

पुराने संशोधनों को लागू किया जाए

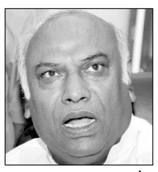

तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है, हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है, हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए, सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है, कार्यपालिका के जरिए संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिए, इन्होंने पहले भी असम और जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है, इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

सही समय : महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

शोभा करंदलाजे

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरें घुमाईं और गिनती की। वहां मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है।

मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुत्तूर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूं। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहां की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को वैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है।

अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतंत्र

भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं, लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पाई हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन कागज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना बेहद जरूरी है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्एक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है।

दुष्चक्र को तोड़ना

मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूं। लेकिन इस आधार को खारिज करती हूं। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं। पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं-सामा. जिक, आर्थिक और सांस्कृतिक-ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिनके पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।

आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है

जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ व अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं।

नीतिगत दृष्टि से इसके मायने

सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ए आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी। स्थाई होंगी। इन्हें नजरअंदाज करना असंभव होगा।

नारी शक्ति : सोच से कानून तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना रहा है कि भारत अपनी महिलाओं की पूर्ण और बराबरी की भागीदारी के बिना अपनी पूरी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर सकता। यह महज एक बयानबाजी भर नहीं, बल्कि एक ऐसा .ढ़ विश्वास है जिसने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'जन धन', 'उज्ज्वला' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी वाली नीतियों को दिशा दी है। उन्होंने नारी शक्ति को केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत का आधार बताया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सोच की पूर्ण अभिव्यक्ति है। यह सोच महिला सशक्तिकरण को कल्याणकारी योजनाओं से आगे बढ़ाकर शासन की संरचना में समाहित करती है। सभी दलों के अपने साथियों से यह क्षण हम सभी का है। यह मौका किसी एक दल का नहीं, बल्कि एक संस्था के रूप में संसद का है।

सरकार के हर स्तर पर इस राष्ट्र की सेवा करने वाली एक महिला के रूप में, मैं सभी से अपील करती हूं और मेरा मानना है कि हम सभी भारत के लोकतंत्र को मजबूत और अधिक पूर्ण देखना चाहते हैं। भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो। मैं कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट क्लॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूं। यह जायज बहसें हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इन पर तत्काल ध्यान दिया जाए। सिद्धांत सही है। हमें पूर्णता को परिवर्तनकारी कदमों के आड़े नहीं आने देना चाहिए।

(लेखिका केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्यमंत्री हैं)

शोषण व चाटुकारिता के भंवर में पत्रकारिता

पाकिस्तान कब से भारतीय नौकरियों में हस्तक्षेप करके वेतनमान तय करने का परोक्ष-अपरोक्ष अधिकारी बन गया। दरअसल, न्यूज चैनलों ने अपनी विश्वसनीयता, अपनी गैरत, अपना राष्ट्र धर्म, अपनी भाषा, अपने विषय। सब कुछ पूंजीपतियों व सत्ता के चरणों में न्योछावर कर दिए हैं। 2014 के बाद से एक भी जन सरोक. ारों के विषयों पर कभी भी चैनलों ने बहस नहीं की। उस पर एक दल विशेष के कार्यकर्ताओं को शो में बुलाकर बेमतलब के टाइमपास विषयों पर बहस, अब एक ट्रेंड बन गया है। जब भी सत्ता पर कोई बात आ रही होती है।

पवन सिंह

भारत के न्यूज चैनल्स मक्कारी, झूठ और चाटुकारिता से सनी जो पत्रकारिता कर रहे हैं, वह अब सीधे-सीधे राष्ट्र के प्रति युद्ध छेड़ने की परिभाषा में आती है। न्यूज चैनलों ने इस देश के भीतर वह माहौल खड़ा कर दिया है जो कभी भी न तो सीआईए कर पाई और न ही आईएसआई। पूरे देश के सामाजिक ढांचे को न्यूज चैनलों ने तबाह कर दिया है। समुदायों के बीच नफरत की खेती जिस तरह से भारतीय न्यूज चैनलों ने की है, ऐसा आपको विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, व्यावहारिक, हर एक प्लेटफार्म को भारतीय मीडिया ने नष्ट कर दिया है। भारतीय मीडिया ने खुल्लम खुल्ला देश के भीतर एक आतंकवादी जैसा हमला किया, जिसने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को बेहद कमजोर कर दिया है। जिस देश में भारतीय न्यूज चैनलों जैसा अस्तित्व हो, वहां किसी भी देश को दुश्मनों की जरूरत नहीं है। नोएडा में हुए श्रमिक असंतोष का ठीकरा पाकिस्तान के सिर फोड़ना, भारतीय मीडिया के घटिया स्तर को दिखाता है। भारतीय मीडिया 2014 के बाद से जनता के सरोकारों से पूरी तरह से कट चुका है। जो लोग भी न्यूज चैनल्स देखते हैं वह झूठ, मक्कारी, नफरत के जहर को अपने व अपनी पीढ़ियों के भीतर जज्ब करते हैं। क्या पाकिस्तान ने भारतीय पूंजीपतियों से कहा था कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में जाकर उद्योग लगाओ और श्रमिकों को 10 हजार से 13 हजार का वेतन दो। क्या पाकिस्तान की इतनी हैसियत हो चुकी है कि वह भारत के उद्योगपति को दिशा-निर्देश दे सके। यह कैसी असंवेदनशील पत्रकारिता है कि हमें जिन श्रमिकों के हितों के लिए खड़ा होने की जरूरत थी, हम उनके गुस्से, उनकी लाचारी, उनकी विवशता, उनकी गरीबी, उनके संघर्ष, उनके दर्द, उनकी भूख के साथ न खड़े होकर, सत्ता और पूंजीपतियों के समर्थन में नंगे खड़े हो गए। भारत एक परपीड़न में आनंद की अनुभूति लेने वाला देश है। असमानता और जातीय भेदभाव से गौरवान्वित महसूस करने वालों का मुल्क है। धार्मिकता की बीमारी ने 90 प्रतिशत भारतीय समाज को जड़ बुद्धि कर रखा है। यह सब मिलकर भारत को एक कबीलियाई जैसा देश बनाते हैं। जहां समान न्याय और समानता की बात सोचना, रात में सूर्योदय होने जैसा है। लाइट, कैमरा, एक्शन। में चेहरा पेंट करवाकर, खुद लाखों रुपये का वेतन पैकेज पाने वाली खबरांग्नाओं को यह एहसास है कि 13 हजार के वेतन में, कैसे जिया जा सकता है? प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 88 प्रतिशत श्रमबल अनौपचारिक व असंगठित क्षेत्र में है। वर्ष, 2022-23 में 57 प्रतिशत स्वरोजगार व 22 प्रतिशत दैनिक श्रमिक हैं, मतलब काम आया न आया टाइप्स। वर्ष, 2020 के आंकड़ों के आधार पर श्रमिकों के कार्यबल को अगर देखें भारत के 476.67 मिलियन श्रमिकों में से 41.19 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में, 26.18 प्रतिशत उद्योग व 32.33 प्रतिशत सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं। असंगठित क्षेत्र में करीब 88 प्रतिशत श्रमिक हैं। चलिए जब श्रमिकों पर लिखा ही है तो आपको संविदा कर्मियों को संक्षिप्त सच भी बता ही देते हैं। तथाकथित लोकप्रिय सरकारें व यशस्वी नेता जो साल दर साल अपना वेतन, भत्ते, सुविधाएं। भेज थपथपा कर बढ़ा लेते हैं, वो कभी भी न तो श्रमिकों और न संविदा कर्मियों के दर्द व विवशता के लिए सामने आते हैं। वर्ष, 2030 तक संविदा कर्मियों की संख्या करीब 1 करोड़ पार कर जाएगी। विगत 12 वर्षों में, संविदा कर्मचारी क्षेत्र 14-16 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है। एक अनुमान के अनुसार, राज्य और केंद्रीय सरकारों में कार्यबल का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा संविदा या अनु. बंध पर है। वर्ष, 2023 में, 54 लाख संविदा श्रमिक औपचारिक रोजगार में शामिल हुए। क्या पाकिस्तान ने कहा था कि भारत में 13 हजार से 16 हजार वेतनमान पर, नेताओं की प्लेसमेंट एजेंसियों के द्वारा खाने-कमाने-लूटने-चूसने का ढांचा खड़ा किया जाए? अगर यह पाकिस्तानी इशारे पर हुआ है तो यह सरकार पर सवालिया निशान लगाया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न के आरोपों से हिला कॉरपोरेट तंत्र

कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमगाहट, कांच की ऊंची इमारतों का मोहक आभास और प्रोफेशनलिज्म के बड़े-बड़े दावे यदि इनके भीतर भय, शोषण और दबाव का अंधकार पलता हो, तो यह किसी एक कंपनी की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी असफलता का संकेत है। अप्रैल 2026 में नासिक स्थित एक आईटी इकाई (टीसीएस) से सामने आया प्रकरण इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जहां महिला कर्मियों के सपनों को सुनियोजित ढंग से रौंद दिया गया। रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की आकांक्षा लेकर आई इन महिलाओं को अपने ही कार्यस्थल पर ऐसे असहनीय दबावों का सामना करना पड़ा, जो किसी भी सभ्य समाज के मूल्यों के सर्वथा विपरीत हैं।

कार्यस्थल केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण होना चाहिए। यदि इस घटना से भी ठोस सबक नहीं लिया गया, तो यह महज एक और मामला बनकर रह जाएगा और यह किसी भी समाज की सबसे बड़ी विपफलता होगी।

यह मामला केवल यौन शोषण के आरोपों तक सीमित नहीं है इसके भीतर भय, मानसिक उत्पीड़न, धार्मिक आस्था पर दबाव और अधिकारों के खुले दुरुपयोग की कहीं अधिक गंभीर परतें छिपी हुई हैं। सामने आई शिकायतों के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने महिला कर्मियों पर अनुचित प्रस्तावों, अश्लील टिप्पणियों और निजी संबंध बनाने के लिए निरंतर दबाव डाला। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन्हें पदोन्नति रोकने, नौकरी समाप्त करने और उनके निजी जीवन को बदनाम करने की धमकियां दी गईं। सत्ता और पद के बल पर किया गया यह आचरण केवल अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से कानूनन दंडनीय अपराध है, जो किसी भी कार्यस्थल की गरिमा, सुरक्षा और विश्वास को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है। यह प्रकरण और भयावह तब बनता है, जब स्पष्ट होता है कि यह छिटपुट घटनाएं नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय संगठित तंत्र का परिणाम था। पुलिस जांच और शिकायतों के अनुसार, आठ महिला कर्मचारियों की नौ एफआईआर्स में सामने आया कि टीम लीडर्स सहित वरिष्ठों ने 2022 से 2026 तक करीब चार वर्षों तक सुनियोजित ढंग से उन्हें निशाना बनाकर दबाव में रखा। पुलिस ने फरवरी से 40 दिन तक महिला पुलिसकर्मियों के जरिए अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोप हैं कि निजी तस्वीरें-वीडियो से ब्लैकमेल करना, नमाज पढ़ने और गोमांस खाने को मजबूर करना, जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव और मानसिक रूप से तोड़नाकृए सब उसी तंत्र के औजार थे। यह स्थिति दिखाती है कि जब शक्ति का दुरूपयोग संस्थागत रूप ले लेता है, तो पीड़ितों के लिए आवाज उठाना कठिन और जोखिम भरा हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पक्ष मानव संसाधन विभाग की भूमिका पर उठते सवाल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के तहत हर संगठन में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और समयबद्ध, निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। इसके बावजूद आरोप हैं कि शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, ईमेल और लिखित आवेदन दबाए गए, और पीड़ितों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गयाकृयहां तक कि एक एचआर असिस्टेंट जनरल मैनेजर को भी अनदेखी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस विभाग पर कर्मचारियों की सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी होती है, यदि वही निष्क्रिय या सहभागी दिखे, तो यह कानून की अवहेलना के साथ विश्वास का गंभीर हनन भी है। चार वर्षों तक लगातार उठती शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का अभाव यह स्पष्ट करता है कि समस्या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी खामियों में जड़ें जमाए हुए थी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के दिशा-निर्देश स्पष्ट करते हैं कि 24 घंटे के भीतर संज्ञान लिया जाए और 90 दिनों में जांच पूरी हो, परंतु यहां इन प्रावधानों की खुलेआम अनदेखी की गई। यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि कानूनी दायित्वों से बचने की प्रवृत्ति का संकेत देता है। ऐसे मामलों में देरी न केवल पीड़ित के मानसिक आघात को गहरा करती है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी बढ़ाती है। जीरो टॉलरेंस की नीति का हवाला तब खोखला लगता है, जब सवाल उठता है कि वर्षों तक शिकायतें दबने और पीड़ितों की आवाज अनसुनी रहने के दौरान यह लागू क्यों नहीं हुई। टीसीएस द्वारा उच्च प्रबंधन स्तर पर जांच (सीओओ के निर्देशन में) के आदेश और आरोपियों का निलंबन आवश्यक कदम हैं, पर पर्याप्त नहीं, क्योंकि नेसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट ने श्रम मंत्रालय से पोश कंप्लायंस ऑडिट की मांग की है। जवाबदेही केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, उसे उन सभी स्तरों तक तय होना चाहिए जहां लापरवाही या मिलीभगत रही हो। कॉर्पोरेट संस्थानों की साख मुनाफे या छवि से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान, पारदर्शिता और विश्वास से बनती है।

प्रो. आर.के. जैन

यह घटना किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल की सुरक्षा पर गहरे और असहज प्रश्न खड़े करती है। क्या आधुनिक दफ्तर वास्तव में सुरक्षित हैं, या केवल बाहर से सजे-धजे और आकर्षक दिखते हैं? क्या महिलाओं और अन्य कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ेगा? यह प्रकरण स्पष्ट करता है कि जब तक शिकायत तंत्र मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित और अधूरा ही रहेगा। कर्मचारियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी आवाज न दबेगी, न अनसुनी होगी, बल्कि उसे गंभीरता से सुना जाएगा और उन्हें समयबद्ध न्याय अवश्य मिलेगा। अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए। साथ ही मानव संसाधन तंत्र को स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

गैघाटा। करोला गांव के कई मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है, चुनाव के बाद की स्थिति को लेकर चिंतित होते हुए।

अंडमान सागर में नाव डूबी, 250 रोहिंग्या-बांग्लादेशी लापता, मलेशिया जा रहे थे

ढाका। अंडमान सागर में एक नाव डूबने से करीब 250 रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिक लापता हो गए हैं। यूएन रिफ्यूजी और माइग्रेशन एजेंसी के मुताबिक, यह हादसा पिछले हफ्ते खराब मौसम और ओवरलोडिंग के कारण हुआ। यह ट्रालर बांग्लादेश से मलेशिया जा रहा था। बांग्लादेश कोस्ट गार्ड ने 9 अप्रैल को अपने एक जहाज के जरिए 9 लोगों को बचाया, लेकिन बाकी लोगों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। रोहिंग्या समुदाय 2017 में म्यांमार में हुई हिंसा के बाद बड़ी संख्या में बांग्लादेश में शरण लेने को मजबूर हुआ था। म्यांमार की सरकार उन्हें नागरिकता नहीं देती। वहीं, बांग्लादेश के शरणार्थी कैंपों में खराब हालात के चलते कई लोग मलेशिया जैसे देशों में बेहतर जिंदगी की तलाश में खतरनाक समुद्री सफर करते हैं।

हंगरी के पीटर मग्यार ने यूरोपीय संघ की निधि जारी करने के लिए रखीं शर्तें

बुडापेस्ट। हंगरी की नवनिर्वाचित टिस्जा पार्टी के नेता पीटर मग्यार ने बुधवार को कहा कि उन्होंने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन के समक्ष अटकी हुई यूरोपीय संघ की निधि को जारी करने के लिए चार शर्तें रखी हैं। मग्यार ने हंगरी के हाल ही में संपन्न संसदीय चुनावों में जीत हासिल की है। उन्होंने बताया कि सुलेएन के साथ भ्रष्टाचार विरोधी सुधारों को लागू करने पर चर्चा की गई है, ताकि हंगरी के लिए रुकी हुई निधि का रास्ता साफ हो सके। इन शर्तों में सरकारी मीडिया के संचालन को निलंबित करना, शैक्षणिक माहौल की स्वतंत्रता को बहाल करना और सभी मंचों पर हंगरी के हितों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना शामिल है। मग्यार ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने 20 अरब यूरो यानी लगभग 23 अरब डॉलर की अटकी हुई यूरोपीय संघ की निधि की वापसी को लेकर आयोग के साथ पहले ही बातचीत कर ली है।

होर्मुज के बाद अब ट्रम्प की मलक्का स्ट्रेट पर नजर

इंडोनेशिया से रक्षा करार किया, अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई इलाके में जाने की इजाजत

वाशिंगटन। हार्मुज स्ट्रेट में इस समय हालात काफी तनाव भरे हैं। अमेरिका वहां ईरान से जुड़े जहाजों की गतिविधियों पर सख्ती कर रहा है। इसी बीच अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच 13 अप्रैल को एक नया रक्षा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अब अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में ज्यादा आसानी से आने-जाने की इजाजत मिल गई है।

इसे आधिकारिक तौर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का कदम बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है। इसके बाद तेल सप्लाई लगभग ठहर गई और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने मलक्का स्ट्रेट पर नजर रखने के लिए यह करार किया है। मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यह वही रास्ता है जो हिंद महासागर को पूर्वी एशिया से जोड़ता है और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से करीब 40 प्रतिशत वैश्विक व्यापार और लगभग 30 प्रतिशत तेल सप्लाई गुजरती है। इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। फिलिप चौनल पर इसकी चौड़ाई 3 किलोमीटर है, जो इसे बड़ा बाटलनेक बनाती है। यह होर्मुज से करीब नौ गुना ज्यादा संकरा है। मलक्का स्ट्रेट पर इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर का कंट्रोल है। इस रास्ते से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में कोई भी हलचल सीधे तौर पर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकती है। यूएस-इंडोनेशिया डील के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में बड़े समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स और पूर्व सैनिकों ने कहा है कि दुनिया के चोकपाइंट्स पर यूएस अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अगर हार्मुज को तेल की सप्लाई का मुख्य रास्ता माना जाता है, तो मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं। चीन के लिए तो मलक्का को सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी माना जाता है। चीन के करीब 80 प्रतिशत तेल आयात इसी रास्ते से आते हैं। ये इंडस्ट्रियल इकानमी और एक्सपोर्ट सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। इसी वजह से चीन लंबे समय से इस पर अपनी निर्भरता को एक कमजोरी मानता है। यही कारण है कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे 'मलक्का डिलेमा' कहा था। हाल में चीन ने इलाके के आसपास समुद्री मैपिंग और मानिटरिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं।

■ यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है

इजरायल-लेबनान ने तीन दशक बाद की सीधी बातचीत

हिजबुल्लाह के प्रभाव को समाप्त करने को लेकर 'रुख में समानता' देखने को मिली

■ अगली वार्ता की तिथि और स्थान उपयुक्त समय पर घोषित किए जाएंगे: अधिकारी

बेरूत/यरूशलम। इजरायल और लेबनान के बीच हुई प्रत्यक्ष वार्ता के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने हिजबुल्लाह के मुद्दे पर समान सोच उभरने के संकेत दिए हैं और दक्षिणी लेबनान में जारी संघर्ष के समाधान की इच्छा जताई है।

अमेरिका में इजरायल के राजदूत एचियल लेइटर ने कहा कि वार्ता में हिजबुल्लाह के प्रभाव को समाप्त करने को लेकर 'रुख में समानता' देखने को मिली। उन्होंने कहा कि लेबनान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह हिजबुल्लाह के प्रभुत्व से बाहर निकलना चाहती है। लेइटर ने वार्ता को 'सकारात्मक और उपयोगी संवाद' बताते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने यह महसूस किया कि वे इस मुद्दे पर एक ही दिशा में सोच रहे हैं, जो आगे की बातचीत के लिए उत्साहजनक है। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने युद्धविराम की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा को प्राथमिकता बताया। उन्होंने विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी और संघर्ष से उत्पन्न मानवीय संकट को कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की। इजरायल ने दोहराया कि उसका संघर्ष लेबनान राष्ट्र से नहीं, बल्कि हिजबुल्लाह से है, और वह भविष्य में संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अधिकारियों के अनुसार, अगली वार्ता की तिथि और स्थान उपयुक्त समय पर घोषित किए जाएंगे।

17 देशों ने की लेबनान पर इजरायली हमलों की निंदा

मास्को। सत्रह देशों ने लेबनान पर इजरायली हमलों की निंदा की और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की प्रक्रिया में लेबनान को शामिल करने का आह्वान किया। यह जानकारी स्पुतनिक ने उन देशों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के हवाले से दी। इस दस्तावेज पर ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, ग्रीस, आइसलैंड, लक्जमबर्ग, माल्टा, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि हम क्षेत्रीय तनाव में कमी लाने के प्रयासों में लेबनान को शामिल करने का आह्वान करते हैं और सभी पक्षों से एक स्थाई राजनीतिक समाधान की दिशा में काम करने का आग्रह करते हैं। हम हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिन्हें तत्काल बंद करना चाहिए। हम लेबनान पर इजरायल द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर हमलों की भी कड़ी निंदा करते हैं। बयान में आगे कहा गया कि देशों ने दोनों पक्षों की हिंसा की निंदा की इजरायल के साथ सीधी बात. चीत के लिए लेबनान की पहल का स्वागत किया और लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव दो मार्च को तब शुरू हुआ जब लेबनानी आंदोलन ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के बीच इजरायली क्षेत्र पर रॉकेट से हमला करना फिर से शुरू कर दिया।

ईरान में मिशन अभी पूरा नहीं हुआ: मोसाद प्रमुख

मास्को। इजरायली खुफिया सेवा (मोसाद) के निदेशक डेविड बार्निया ने कहा कि ईरान में एजेंसी का मिशन तभी समाप्त होगा जब ईरान में राजनीतिक शासन बदल जाएगा। द टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने मंगलवार को बार्निया के हवाले से कहा कि हमारा मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है। हमने यह नहीं सोचा था कि लड़ाई खत्म होते ही यह मिशन तुरंत पूरा हो जाएगा। हमने तेहरान में हुए हमलों के बाद भी अपने अभियान को जारी रखने और परिणाम हासिल करने के लिए गहन योजना बनाई थी। यह मिशन तभी पूरा होगा जब इस कट्टरपंथी शासन को हटा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 11 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते की घोषणा करने के बाद, ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता शुरू की। 12 अप्रैल को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने घोषणा की कि ईरान और अमेरिका वार्ता के दौरान किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी समझौते के वापस लौट गया।

शाहबाज शरीफ सऊदी अरब, कतर और तुर्की की यात्रा पर जाएंगे

■ अगले दो दिनों में' पाकिस्तान में कुछ नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं: ट्रम्प

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सप्ताहांत में सऊदी अरब, कतर और तुर्की की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह यात्रा अमेरिका-ईरान चर्चा के पहले दौर के बाद हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को संकेत दिया था कि 'अगले दो दिनों में' पाकिसतान में कुछ नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं।

यह यात्राएं पाकिस्तान के लिए एक बड़ी वित्तीय मजबूती के साथ हो रही हैं। वॉशिंगटन में विश्व बैंक-आईएमएफ की स्प्रिंग मीटिंग्स के दौरान वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि सऊदी अरब ने 3 अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा राशि देने का वादा किया है और पिछली 5 अरब डॉलर की जमा राशि की अवधि भी बढ़ा दी है। औरंगजेब ने कहा कि इस मदद से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलेगी, उसके बाहरी खाते सुदृढ़ होंगे और आईएमएफ समर्थित कार्यक्रम के अनुपालन में सहायता मिलेगी। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक लगभग 18 अरब डॉलर का भंडार रखना है, जो 3-3 महीने के आयात कवर के बराबर है। उन्होंने पाकिस्तान की हाल ही में किए गए 1.4 अरब डॉलर के यूरोबॉन्ड भुगतान का उल्लेख किया और इसे 'सामान्य घटना' करार दिया। उन्होंने आगामी विदेशी दायित्वों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। उन्होंने इस सहयोग को सुगम बनाने के लिए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और वित्त मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल-जदान सहित सऊदी नेतृत्व के साथ-साथ पाकिस्तान की राजनीतिक और आर्थिक टीमों को भी श्रेय दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि सऊदी वित्तीय सहायता और आईएमएफ व विश्व बैंक जैसे संस्थानों से मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान का संयुक्त प्रभाव पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता के लिए आत्मविश्वास और गति प्रदान करता है।

रूस-चीन संबंध वैश्विक स्थिरता लाने में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका: लावरोव

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि रूस और चीन के बीच संबंध वैश्विक मामलों में स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीजिग में चीनी राष्ट्रपति शी जिन. पिंग के साथ एक बैठक में लावरा. `व ने कहा कि रूस-चीन संबंध विश्व मामलों में एक स्थिरता लाने वाली भूमिका निभाते हैं। ए शेष विश्व और वैश्विक बहुसंख्यक के लिए अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, जो समस्याएं या उथल-पुथल नहीं, बल्कि सतत विकास के लिए शांत परिस्थितियां चाहते हैं। लावरोव के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता के बीच सहयोग की बदौलत दोनों देशों के संबंध उन झटकों के प्रति उच्च लचीलापन प्रदर्शित करते हैं, जिन्होंने दुनिया को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों रूप से अपनी चपेट में ले लिया है और दुर्भाग्य से ये अंतर्विरोध तेजी से सैन्य आयाम अख्तियार कर रहे हैं। इसके अलावा, लावरोव ने चीनी राष्ट्रपति को विदेश मंत्री वांग ई के साथ अपनी बातचीत और पुतिन की चीन यात्रा की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

रूस ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार समाधान की पेशकश दोहराई

बीजिंग। रूस ने बुधवार को ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार के समाधान में सहायता करने की अपनी पेशकश को दो. हराया है। यह पेशकश ऐसे समय में आई है जब अगले कुछ दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच नए दौर की वार्ता की संभावना जताई जा रही है।

रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस ईरान के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड सामग्री में बदलने या उसे इस तरह से संग्रहीत करने में मदद कर सकता है जिससे ईरान के 'शांतिपूर्ण संवर्धन के अधिकार' का उल्लंघन न हो। रूस की यह पेशकश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त होने वाला है और अगले दौर की बात. चीत जल्द हो सकती है। लावरोव ने अपनी चीन यात्रा के दौरान ईरान के रुख का बचाव करते हुए कहा कि यदि अमेरिकी हमले नहीं होते, तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करता। उन्होंने खाड़ी में तनाव कम करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच निरंतर बातचीत का आग्रह किया। अमेरिका-ईरान वार्ता में विवाद का मुख्य बिदु ईरान का अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का भंडार है, जिसे परमाणु हथियारों के निर्माण की संभावना के रूप में देखा जाता है। कूटनीति को फिर से शुरू करने के लिए एक और प्रमुख मांग मिसाइल क्षमताओं को खत्म करने की है। सीएनएन ने व्हाइट हाउस के अधिकारियों के हवाले से कहा कि अमेरिका ने मांग की है कि ईरान संवर्धन रोके और जमीन के नीचे जमा किए गए अनुमानित 460 किलोग्राम अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम को सौंप दे। पिछले सप्ताहांत इस्लामाबाद में हुई बात. चीत के दौरान दोनों पक्षों ने संवर्धन को रोकने पर चर्चा की थी।

■ यदि अमेरिकी हमले नहीं होते, तो ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद नहीं करता

रूस-चीन ने पश्चिम एशिया आदि मुद्दों पर की चर्चा

मास्को। रूस और चीन ने पश्चिम एशिया की स्थिति, फिलिस्तीन मुद्दे, यूरोपीय संघ के सैन्यीकरण और नाटो में संकट पर चर्चा की। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि फलस्तीन, गाजा और वेस्ट बैंक को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। लाव. रोव ने कहा कि फिलिस्तीन, गाजा और वेस्ट बैंक को अंधेरे में नहीं रहना चाहिए और उन्हें पृष्ठभूमि में नहीं धकेलना चाहिए। हमने आज चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ यह बात बहुत स्पष्ट कर दी। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने चीनी पक्ष के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति, यूरोपीय संघ के सैन्यीकरण और नाटो में संकट पर भी चर्चा की।

चीन ने बिना हथियार बेचे ईरान को बनाया मजबूत

मिसाइल बनाने की टेक्निक दी, अमेरिका ने बैन लगाया, तो बीजिंग ने छुपकर मदद पहुंचाई

बीजिंग/तेहरान। पिछले करीब दो दशकों से चीन और ईरान के रिश्तों में संतुलन बना हुआ था। चीन, ईरान को सीधे हथियार बेचने की बजाय परोक्ष (इनडायरेक्ट) तरीके से मदद करता रहा। जंग शुरू होने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का ध्यान फिर से इस पर गया है। खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या चीन ने ईरान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाले मिसाइल भेजी हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अभी तक सबूत पक्के नहीं हैं।

अगर यह सही निकला, तो मिडिल ईस्ट में चीन की रणनीति में बड़ा बदलाव माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अगर यह सच साबित होता है तो चीन से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया जाएगा। चीन ने आरोप को झूठ बताया और कहा कि टैरिफ लगाए गए तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। चीन ने 1980 के दशक में ईरान को बड़े पैमाने पर हथियार बेचे थे, लेकिन पिछले 10 साल में यह लगभग बंद हो गया। इसकी सबसे बड़ी वजह अंतर्राष्ट्रीय दबाव है। 2006 के बाद संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाए। इनके तहत किसी भी देश के लिए ईरान को सीधे हथियार देना मुश्किल हो गया। अमेरिका ने भी आर्थिक और व्यापारिक पाबंदियां लगाईं, जिससे ईरान को सैन्य मदद देने वाले देशों को नुकसान हो सकता है। इसी कारण चीन ने अपनी रणनीति बदल दी। उसने सीधे हथियार देने की बजाय 'डयूल-यूज' यानी ऐसी तकनीक और सामान देना शुरू किया, जिनका इस्तेमाल सिविल और सैन्य दोनों कामों में हो सकता है। इस तरीके से चीन सीधे हथियार बेचने से बच जाता है, लेकिन ईरान की सैन्य क्षमता को मजबूत करने में मदद करता रहता है। 1980 में ईरान-इराक युद्ध शुरू हुआ। उसी समय चीन में आर्थिक सुधार हो रहे थे। सरकारी कंपनियों से कहा गया कि वे सरकार पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद कमाई कर मुनाफा कमाएं। इसका असर डिफेंस सेक्टर पर भी पड़ा। पहले जो कंपनियां सिर्फ देश के लिए हथियार बनाती थीं, उन्हें अब बाहर के देशों को हथियार बेचने की छूट मिल गई। 1982 से 1987 के बीच चीन ने ईरान को मिसाइल, लड़ाकू विमान, टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां और राइफल्स बेचीं। दिलचस्प बात यह थी कि चीन ने इराक को भी हथियार बेचे। दोनों दुश्मन देश एक-दूसरे पर चीनी हथियारों से हमला कर रहे थे। चीन के लिए यह पूरी तरह व्यापार का मामला था।

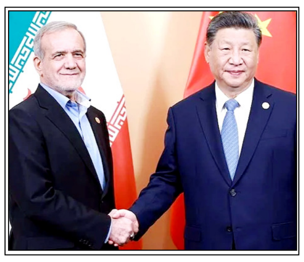

■ 2006 के बाद संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाए

ट्रम्प ने पोप लियो पर फिर हमला किया

कहा: ईरान ने पिछले दो महीनों के दौरान 42000 निर्दोष प्रदर्शनकारियों को मार डाला

वाशिंगटन। वेटिकन के साथ निरंतर विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को पोप लियो पर हमला तेज करते हुए कहा कि ईरान ने पिछले दो महीनों के दौरान कम से कम 42,000 निर्दोष प्रदर्शनकारियों को मार डाला है और इसलिए, उसके पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि क्या कोई कृपया पोप लियो को बताएगा कि ईरान ने पिछले दो महीनों में कम से कम 42,000 निर्दोष, पूरी तरह से निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार डाला है। ऐसी स्थिति में ईरान के पास परमाणु बम होना 'बिल्कुल अस्वीकार्य' है। अमेरिका में जन्मे पोप लियो पर यह हमला ट्रम्प द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से अपनी एक एआई निर्मित तस्वीर हटाने के एक दिन बाद आया है। उस तस्वीर में ट्रम्प को पोप की वेशभूषा में दिखाया गया था जैसे कि वह स्वर्ग से उतरे हों और एक बीमार व्यक्ति को ठीक कर रहे हों। ट्रम्प को भारी विरोध के बाद यह तस्वीर वापस लेना पड़ा था। पोप के प्रति ट्रम्प का यह तीखा रुख तब सामने आया है जब पोप लियो ने शनिवार को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका में शाम की प्रार्थना के दौरान कहा था कि ईरान युद्ध के चारों ओर 'सर्वशक्तिमान होने का भ्रम' व्याप्त है। पोप ने कहा था कि स्वयं की मूर्तिपूजा और धन का मोह अब बहुत हुआ! शक्ति का प्रदर्शन बहुत हुआ! युद्ध अब बंद होना चाहिए! सच्ची शक्ति जीवन की सेवा करने में दिखाई देती है। ट्रम्प ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि पोप लियो अपराध के प्रति नरम हैं और विदेश नीति के लिए भयानक हैं- मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए, जो यह सोचता हो कि ईरान का परमाणु हथियार रखना ठीक है। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्रम्प का बचाव करते हुए पोप से 'नैतिकता के मामलों तक सीमित रहने' को कहा। उल्लेखनीय है कि वेंस स्वयं एक कैथोलिक हैं। वेंस ने फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वेटिकन के लिए यह सबसे अच्छा होगा कि वह नैतिकता के मामलों और कैथोलिक चर्च में जो चल रहा है, उस तक सीमित रहे और अमेरिका के राष्ट्रपति को अमेरिकी सार्वजनिक नीति तय करने दे।

'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन

■ 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है

मुंबई। बाहुबली: द इटरनल वॉर का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन किया गया है। बाहुबली फ्रैंचाइजी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहु. बली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है।

यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है। जहां थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीजर ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है। 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है।

अड़ीवी शेष की 'डकैत-एक प्रेम कथा' यूएस टॉप 10 में शामिल

मुंबई। अड़ीवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप अभिनीत फिल्म डकैत – एक प्रेम कथा का शानदार सफर जारी है। इस फिल्म ने वैश्विक और घरेलू बाजारों में दमदार प्रदर्शन दर्ज किया है। रिलीज के पांचवें दिन, फिल्म ने यूएसए बॉक्स ऑफिस चार्ट में 7वां स्थान हासिल किया और मंगलवार तक टॉप 10 में बनी रही, जो इसकी बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और विदेशी दर्शकों के बीच मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ को दर्शाता है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108